राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार,14 मई 2023 वर्ष–6,अंक–109 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

-कर्नाटक में कांग्रेस को पूर्ण बहुमत

कांग्रेस ने बजाया जीत का डंका

राहुल गांधी ने कहा- नफरत का बाजार बंद और मोहब्बत की दुकानें खुलीं

- हार का आंकड़ा देख भाजपा के अपने हुए बेगाने

बेंगलुरू/नई दिल्ली ।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने बड़ी जीत हासिल की है। जीत पर राहुल गांधी ने कहा कि कर्नाटक में नफरत का बाजार बंद हो गया और अब से मोहब्बत की दुकानें खुल गई हैं। उन्होंने कहा कि कर्नाटक के चुनाव में कांग्रेस के साथ गरीब जनता की शक्ति थी और उस शक्ति ने नफरत वाली ताकत को हरा दिया। यही अब हर राज्य में होगा।

कर्नाटक जीत की तस्वीर साफ होते ही राहुल गांधी कांग्रेस मुख्यालय पहुंचे थे। उन्होंने मीडिया को संबोधित करते हुए कर्नाटक की जनता के प्रति आभार व्यक्त किया। राहुल ने कांग्रेस नेताओं और सभी कार्यकर्ताओं को जीत की बधाई दी। उल्लेखनीय है कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव-2023 में कांग्रेस पार्टी की शानदार जीत पर पहली प्रतिक्रिया देते हुए राहुल गांधी ने कहा कि मैं वहां की जनता और हमारी पार्टी के सभी नेताओं, कार्यकर्ताओं को बधाई देता हूं, जिन्होंने इस जीत के लिए मेहनत की। राहुल गांधी ने आगे कहा कि कर्नाटक के चुनाव में कांग्रेस के साथ गरीब जनता की शक्ति थी और उस शक्ति ने ताकत को हरा दिया। यही अब हर राज्य में होगा। कांग्रेस कर्नाटक में जनता के साथ खड़ी हुई, गरीबों के मुद्दों पर हम चुनाव लड़े. हमने नफरत से यह लड़ाई नहीं लड़ी, बल्कि प्यार से यह लड़ाई लड़ी। राहुल गांधी ने आगे कहा कि कर्नाटक की जनता ने दिखाया है कि मोहब्बत इस देश को अच्छी लगती है। कर्नाटक में नफरत का बाजार बंद हुआ है और मोहब्बत की दुकानें खुल गई हैं। सबसे पहले यह कर्नाटक की जनता की जीत है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने बड़ा ऐलान भी किया। कांग्रेस के चुनावी वादों पर उन्होंने कहा कि हमनें पांच वादे किए थे, इन्हें पहली कैबिनेट बैठक में पूरा करेंगे।

-सीएम बोम्मई के 11 मंत्री जीते, 11 हारे...

सीएम पद के तीनों चेहरों को मिली जीत

इस चुनाव में भाजपा और कांग्रेस के कई बड़े चेहरों का राजनीतिक भविष्य दांव पर लगा था। कांग्रेस के सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार, भाजपा के बसवराज बोम्मई प्रमुख फेस थे। ये तीनों चुनाव जीत गए। लेकिन 15 मंत्री हार गए। कांग्रेस अध्यक्ष के तौर पर मल्लिकार्जुन खड़गे के लिए भी यह बेहद अहम चुनाव था। एकतरफा जीत से पार्टी में उनका कद बढ़ेगा।

-प्रियंका हनुमान मंदिर में पूजा करने पहुंची

काउंटिंग के बाद जब कांग्रेस की जीत के रूझान आने लगे तो प्रियंका गांधी शिमला के हनुमान मंदिर में पूजा करने पहुंची।

पहली बार 73.19 प्रतिशत मतदान, पिछले चुनाव से 1 प्रतिशत ज्यादा

राज्य में 38 साल से सत्ता रिपीट नहीं हुई है। आखिरी बार 1985 में रामकृष्ण हेगड़े के नेतृत्व वाली जनता पार्टी ने सत्ता में रहते हुए चुनाव जीता था। वहीं, पिछले पांच चुनाव (1999, 2004, 2008, 2013 और 2018) में से सिर्फ दो बार (1999, 2013) सिंगल पार्टी को बहुमत मिला। भाजपा 2004, 2008, 2018 में सबसे बड़ी पार्टी बनी। उसने बाहरी सपोर्ट से सरकार बनाई।

10 मई को 224 सीटों के लिए 2,615 उम्मीदवारों के लिए 5.13 करोड़ मतदाताओं ने वोट डाले। चुनाव आयोग के मुताबिक, कर्नाटक में 73.19त्न मतदान हुआ है। यह 1957 के बाद राज्य के चुनावी इतिहास में सबसे ज्यादा है।

इलेक्शन कमीशन के नतीजे और रुझान...

पार्टी जीते
- कांग्रेस 136
- भाजपा 65
- जेडीएस 19
- अन्य 4

खड़गे ने नवनिर्वाचित विधायकों को बैंगलुरु बुलाया

वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पार्टी के अच्छे प्रदर्शन को जनता जनार्दन की जीत करार देते हुए कहा कि लोगों ने भारतीय जनता पार्टी के खराब प्रशासन और कांग्रेस की पांच गारंटी के पक्ष में वोट किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के सभी नवनिर्वाचित विधायकों से बैंगलुरु पहुंचने के लिए कहा गया है, ताकि सरकार की गठन की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सके। खडगे ने बैंगलुरू में संवाददाताओं से कहा कि हमने सभी नवनिर्वाचित विधायकों को संदेश भेजा है कि वो बैंगलुरु पहुंचें। इसके बाद आलाकमान पर्यवेक्षक भेजेगा और फिर सरकार गठन की प्रक्रिया होगी।

-बाहुबल के खिलाफ किया मतदान : चिदंबरम

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने कहा कि कर्नाटक की जनता ने भाजपा के धनबल और बाहुबल के खिलाफ मतदान किया है। उन्होंने जीत के लिए कर्नाटक की जनता का आभार भी जताया।

अखिलेश ने कहा-भाजपा का अंतकाल शुरू

कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी की जीत पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि भाजपा की नकारात्मक, सांप्रदायिक, भ्रष्टाचारी, सामाजिक-बंटवारे, झूठे प्रचारवाली, व्यक्तिवादी राजनीति का अंतकाल शुरू हो गया है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने शनिवार को ट्वीट कर कहा कर्नाटक का संदेश ये है कि भाजपा की नकारात्मक, सांप्रदायिक, भ्रष्टाचारी, अमीरोन्मुखी, महिला-युवा विरोधी, सामाजिक-बंटवारे, झूठे प्रचारवाली, व्यक्तिवादी राजनीति का अंतकाल शुरू हो गया है। ये नये सकारात्मक भारत का महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार एवं वैमनस्य के खिलाफ सख्त जनादेश है।

-नहीं चला मोदी का जादू - सिद्धारमैया

कर्नाटक में चुनावी रुझानों से उत्साहित कांग्रेस नेता व कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि राज्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कां जादू नहीं चला। मैसूर में अपने आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए सिद्धारमैया ने कहा, मैंने पहले ही घोषणा कर दी थी कि प्रधानमंत्री मोदी का जादू कर्नाटक में नहीं चलेगा और कांग्रेस पार्टी को किसी अन्य राजनीतिक दल के समर्थन की जरूरत नहीं होगी और वह अपने दम पर सरकार बनाएगी।

-खुशी के मारे रो पड़े शिवकुमार

कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डीके शिवकुमार विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत सुनिश्चित नजर आने के बाद शनिवार को भावुक हो गए। प्रदेश का नेतृत्व करने के लिए उनमें विश्वास जताने के लिए उन्होंने गांधी परिवार का आभार जताया। इस अवसर पर शिवकुमार कांग्रेस के प्रदर्शन के बारे में बात कर रहे थे, तो उनकी आंखों से आंसू निकल आए। शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने पार्टी आलाकमान को बताया था कि वह कर्नाटक में पार्टी की जीत सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि मैं पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं को इस जीत का श्रेय देता हूं। लोगों ने हममें विश्वास जताया और नेताओं ने हमारा समर्थन किया। यह सामूहिक नेतृत्व है और हमने मिलकर काम किया। शिवकुमार ने कहा कि मैंने सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से कहा था कि हम कर्नाटक जीतकर देंगे। मैं भूल नहीं सकता कि जब भाजपा ने मुझे जेल में डाला था तो सोनिया गांधी मुझसे मिलने आई थीं। गांधी परिवार, कांग्रेस और पूरे देश ने यह विश्वास मुझ में जताया था। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया समेत प्रदेश के पार्टी नेताओं, विधायकों और पदाधिकारियों का आभार जताया।

-यह प्रधानमंत्री मोदी की हार - जयराम रमेश

कर्नाटक विधानसभा में कांग्रेस ने अब 124 सीटों पर बढ़त बना ली है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कहा कि सबसे पुरानी पार्टी जीत गई है, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हार गए हैं। उन्होंने कहा, कर्नाटक में चुनावी नतीजे आने के बाद अब यह तय हो गया है, कि कांग्रेस की जीत हुई है और प्रधानमंत्री की हार हुई है। भाजपा ने अपने चुनाव अभियान को प्रधानमंत्री और राज्य को उनका आशीर्वाद मिलने का जनमत संग्रह बनाया था। यह निर्णायक रूप से अस्वीकार कर दिया गया है! कांग्रेस नेता रमेश ने इस पर जोर दिया कि कांग्रेस ने स्थानीय मुद्दों को लेकर चुनाव लड़ा था, जबकि भाजपा ने

ध्रुवीकरण को चुना। उन्होंने ट्वीट किया, कांग्रेस पार्टी ने ये चुनाव आजीविका और खाद्य सुरक्षा, मूल्य वृद्धि, किसान संकट, बिजली आपूर्ति संकट, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के स्थानीय मुद्दों पर लड़ा। वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने ध्रुवीकरण का इंजेक्शन लगाकर समाज को बांटने का प्रयास किया। कर्नाटक में वोट एक इंजन सरकार के लिए है, जो आर्थिक विकास को सामाजिक सद्भाव के साथ जोड़ेगा

-सीएम बोम्मई ने कर्नाटक चुनाव में मानी हार

कर्नाटक में कांग्रेस को मिली जीत के बाद मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई ने हार स्वीकार कर ली है। बोम्मई ने कहा कि 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में पार्टी कमबैक करेगी। उन्होंने कहा कि हम मंजिल तक नहीं पहुंच सके। सीएम बोम्मई ने कहा कि कर्नाटक चुनाव के सभी परिणाम आने के बाद हम विस्तृत विश्लेषण करने और एक राष्ट्रीय राजनीतिक दल के रूप में हम विभिन्न स्तरों पर अपनी कमियों को देखकर उसमें सुधार करने वाले हैं, और इस पुनर्गठित कर लोकसभा चुनाव में वापसी करने की तैयारी में है।

-कांग्रेस विधायकों को बेंगलुरु के रिजॉर्ट में रखने की तैयारी

कर्नाटक में कांग्रेस के शिविर में जारी जश्न के बीच पार्टी अपने विजयी उम्मीदवारों को शनिवार को ही बेंगलुरु के बाहरी इलाके में स्थित एक रिजॉर्ट में शिफ्ट करने की योजना बना रही है। सूत्रों ने इस बात की पुष्टि की। मतगणना के अब तक मिल रहे रुझानों के अनुसार कांग्रेस राज्य में बहुमत की ओर बढ़ रही है तथा उसका सरकार बनाना तय दिख रहा है।

पार्टी ने बड़ी बढ़त हासिल कर चुके या विजयी घोषित अपने सभी उम्मीदवारों को आज रात ही बेंगलुरु के रिजॉर्ट में पहुंचने के लिए कहा है। सूत्रों ने बताया कि पहले पार्टी नेतृत्व पूर्ण बहुमत नहीं आने की स्थिति में विधायकों को जयपुर के एक रिजॉर्ट में स्थानांतरित करने की सोच रही थी। सूत्रों ने बताया कि अब नेतृत्व स्पष्ट बहुमत के प्रति आश्वस्त है और महाराष्ट्र की घटना के बाद कोई जोखिम नहीं लेते हुए अब विधायकों को बेंगलुरु के रिजॉर्ट में रखने की योजना बनाई गई है।

(लखनऊ) निकाय चुनाव-पूरा यूपी योगी मय,

लहराया भगवा

लखनऊ ।

उप्र में हुए नगर निकाय चुनाव में चहुं ओर शान से भगवा लहराया। भाजपा ने सूबे के सभी 17 नगर निगमों पर कब्जा किया। इन सभी नगर निगमों में मेयर पद पर भाजपा प्रत्याशी ने जीत हासिल की। राज्य की जनता ने एक बार फिर मुख्यमंत्री योगी की कार्यशैली पर मुहर लगायी है। मुख्यमंत्री योगी ने भी बढ़-चढ़कर चुनाव प्रचार किया और पार्टी के पक्ष में माहौल बनाया। सीएम योगी के कार्यों का परिणाम ही है पिछली बार हारी मेरठ व अलीगढ़ की सीट भी भारतीय जनता पार्टी के खाते में गई। वहीं पहली बार बने शाहजहांपुर में भी 'कमल' खिला। यहां भी पहला नागरिक बनने का गौरव भाजपा उम्मीदवार अर्चना वर्मा को मिला।

भारतीय जनता पार्टी ने यूपी की सभी 17 सीटों पर प्रत्याशी उतारे थे। इनमें से कानपुर, बरेली व मुरादाबाद में भाजपा ने निवर्तमान महापौर पर ही दांव लगाया था, शेष सभी सीटों पर नए कार्यकर्ताओं को चुनाव मैदान में उतारा था। 17 में से 17 सीटों पर योगी आदित्यनाथ के विकास कार्यों पर आमजन ने मुहर लगाई और कमल खिलाया। यह भारतीय जनता पार्टी और योगी के प्रति आमजन का विश्वास है कि पार्टी के चार प्रत्याशियों ने दूसरी बार महापौर बनने का गौरव हासिल किया। कानपुर से प्रमिला पांडेय, मुरादाबाद से विनोद अग्रवाल और बरेली से उमेश गौतम अनवरत दूसरी बार महापौर बने, जबकि हरिकांत अहलूवालिया इसके पहले भी मेरठ के महापौर रह चुके हैं। झांसी में भाजपा के बिहारी लाल ने सबसे पहले जीत हासिल की। उन्हें कुल 123503 वोट मिले। वहां लड़ने वाले अन्य प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने नगर निकाय चुनाव में कुल 50 रैलियां कीं। योगी आदित्यनाथ ने यहां सीएम योगी ने नौ मंडल के अंतर्गत आने वाली 10 नगर निगम क्षेत्रों में रैली की। पहले चरण में योगी आदित्यनाथ की कुल 28 रैली हुई। इसमें गोरखपुर में चार, लखनऊ में तीन व वाराणसी में दो स्थानों पर रैली-सम्मेलन में योगी शामिल हुए। पहले चरण के 37 जिलों में चार मई को मतदान हुआ। दूसरे चरण में सीएम योगी ने 22 रैलियां कीं। इसमें 9 मंडल की सात नगर निगमों के लिए वोट पड़े। यहां अयोध्या नगर निगम के लिए सीएम योगी दो बार पहुंचे। यहां संत सम्मेलन में भी सीएम की उपस्थिति जीत के लिए काफी कारगर रही।

चुनाव परिणामों के मुताबिक लखनऊ नगर निगम पर भाजपा की सुषमा खर्कवाल, गोरखपुर में डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, वाराणसी में अशोक तिवारी, प्रयागराज गणेश चंद्र उमेश के सरवानी, अयोध्या में गिरीश पति त्रिपाठी, कानपुर में प्रमिला पांडेय, अलीगढ़ में प्रशांत सिंघल, मेरठ में हरिकांत अहलूवालिया, झांसी में बिहारी लाल आर्य, शाहजहांपुर में अर्चना वर्मा, सहारनपुर में अजय सिंह, मुरादाबाद में विनोद अग्रवाल, मथुरा-वृंदावन में विनोद अग्रवाल, गाजियाबाद में सुनीता दयाल, बरेली में उमेश गौतम, फिरोजाबाद में कामिनी राठौर तथा आगरा में हेमलता दिवाकर मेयर यानि महापौर चुनी गयीं हैं।

16 मई तक मणिपुर की इंटरनेट सेवाएं बंद

- 10 विधायकों ने रखी अलग राज्य की मांग

इंफाल ।

मणिपुर में नए राज्य की मांग शुरू हो गई है। राज्य में अभी भी जगह-जगह हिंसा का दौर देखने को मिल रहा है। प्रशासन द्वारा 16 मई तक इंटरनेट की सेवाएं बंद कर दी गई हैं।मणिपुर सरकार के अनुसार लगातार सोशल मीडिया के माध्यम से अफवाह फैलाई जा रही थी। जिसको ध्यान में रखते हुए सरकार ने इंटरनेट को प्रतिबंधित कर दिया है। 10 विधायकों ने कहा, हिंसा के बाद मेतई समुदाय के साथ रहना संभव नहीं है। इन विधायकों का आरोप है, कि मणिपुर के बहुसंख्यक मेतई समुदाय ने हिंसा शुरू की है। उसको मौजूदा राज्य सरकार का समर्थन प्राप्त है। इन विधायकों ने आरोप लगाया है, कि समुदाय के साथ भेदभाव पूर्ण रवैया के कारण,मिजो समुदाय का मैताई समुदाय के साथ रहना असंभव है।

10 विधायकों ने अलग राज्य की मांग को लेकर हस्ताक्षर युक्त पत्र भी जारी किया है इसमें भाजपा के विधायक वुग्जागिन बालटे भी शामिल हैं। इन विधायकों ने अपने पत्र में लिखा है,कि मणिपुर के अधीन अब हम लोग नहीं रह सकते हैं। मणिपुर में आदिवासियों के खिलाफ नफरत ने सांप्रदायिक रूप ले लिया है। हम शांतिपूर्ण ढंग से रहने के लिए अलग राज्य की मांग करते हैं।जहां हम शांति से रह सकें। सीमावर्ती राज्य में एक बार फिर अलगाव की आवाज बुलंद हो गई है जिसके कारण सीमा सुरक्षा भी प्रभावित होना तय माना जा रहा है। यहां पर ईसाई मशीनरी तथा संघ के स्वयंसेवक बड़े पैमाने पर सक्रिय हैं। जिसके कारण लगातार तनाव बढ़ रहा है।

जम्मू कश्मीर में मानव अधिकार आयोग का अस्तित्व समाप्त

8000 मामले लाल बस्ते में बंद

श्रीनगर । जम्मू कश्मीर में मानव अधिकार आयोग को बंद कर दिया गया है।जिसके कारण 8 हजार से अधिक मामले, फाइलों में बंद होकर, लाल बस्ते में बांधकर कमरे में रख दिए गए हैं। सरकार ने,फर्जी मुठभेड़ एवं प्रताड़ना के मामलों को फाइलों में बंद करके रख दिया है। अगस्त 2019 में जम्मू और कश्मीर के विशेष दर्जे को खत्म करने और केंद्र सरकार ने राज्य के हिस्से को 2 केंद्र शासित प्रदेशों में बांट दिए जाने के कारण, जम्मू-कश्मीर का मानव अधिकार आयोग का अस्तित्व खत्म हो गया है। जम्मू और कश्मीर में मानव अधिकार कानून मई 1997 में लागू किया गया था। अगस्त 1997 में इसका गठन हो गया था। आयोग के पास मानव अधिकार से जुड़े मामलों में अनुशंसा करने और सलाह देने का अधिकार था। इसकी एक जांच इकाई भी थी। जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म हो जाने और एक बड़ा हिस्सा 2 केंद्र शासित प्रदेशों में बंट जाने के कारण अब मानव अधिकार आयोग यहां पर अस्तित्व में नहीं है। इसका अस्तित्व में नहीं होना यह भी मानव अधिकारों का हनन है। यहां की जनता अब केवल पुलिस और प्रशासन के भरोसे पर है।

उरी सेक्टर में आतंकवादियों की घुसपैठ नाकाम

श्रीनगर । जम्मू कश्मीर के उरी में शनिवार सुबह नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ के प्रयास को विफल करने का जिक्र कर रक्षा प्रवक्ता ने कहाकि केंद्र शासित प्रदेश में जी-20 कार्यक्रम को बाधित करने के मंसूबे से आतंकवादियों ने यह कोशिश की थी। श्रीनगर स्थित रक्षा जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) कर्नल एमरॉन मुसावी ने बताया कि आतंकवादियों ने बारामूला जिले के उरी सेक्टर में घुसपैठ करने का प्रयास किया, लेकिन सतर्क सैनिकों ने उन्हें घेर लिया, जिसके बाद दोनों ओर से गोलीबारी हुई। प्रवक्ता ने बताया कि आतंकवादियों की सहायता के लिए पाकिस्तानी सेना द्वारा भेजे गये एक 'क्वाडकॉप्टर' (ड्रोन) को भी नियंत्रण रेखा के पार जाते देखा गया। उन्होंने बताया कि सैनिकों ने ड्रोन को निशाना बनाकर गोलीबारी की, जिसके बाद उसे वापस (पाकिस्तान की सीमा में) बुला लिया गया।

पिछले 24 घंटों में कोरोना से 11 मरीजों की मौत, सक्रिय मामलों में कमी

नयी दिल्ली ।

देश में पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 1,511 सक्रिय मामले घटे हैं, जिससे अब सक्रिय मामलों की कुल संख्या घटकर 16,498 हो गयी है और इसी अवधि में 11 मरीजों की मौत हो गयी। इस बीच देश में कोरोना टीकाकरण भी जारी है और इसी क्रम में पिछले 24 घंटों में 1,636 लोगों को टीका लगाया गया है। अब तक देश में 2,20,66,89,993 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शनिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में कुल संक्रमितों की संख्या 4,49,79,402 हो गयी है। वहीं मृतकों की संख्या बढ़कर 5,31,767 हो गयी है। इसी अवधि में कोरोना संक्रमण से स्वस्थ होने वालों का आंकड़ा 2,720 बढ़कर 4,44,31,137 पर पहुंच गया है।

देश में पिछले 24 घंटों के दौरान असम में सक्रिय मामलों की संख्या में सर्वाधिक 11 की वृद्धि हुई है। इसके अलावा, जम्मू-कश्मीर में छह, मणिपुर में तीन, नागालैंड में दो, मेघालय में एक मामले बढ़े हैं। इसके अलावा, पिछले 24 घंटे में केरल में सबसे ज्यादा 522 कोरोना मामलों में गिरावट दर्ज की गयी है। इसी अवधि में महाराष्ट्र में 178, राजस्थान में 161, कर्नाटक में 101 तथा अन्य राज्यों आन्ध्र प्रदेश, बिहार,

चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, मध्य प्रदेश, मिजोरम, ओडिशा, पुडुचेरी, पंजाब, सिक्किम, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में कोरोना के मामलों में कमी पायी गयी है। हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र और पंजाब क्रमशः एक-एक व्यक्ति की इस बीमारी से मौत हो गयी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

नतीजों के इशारे

शुक्रवार का दिन परीक्षा परिणामों के नाम रहा। यूं तो देश में परीक्षाएं हमेशा चलती रहती हैं, लेकिन केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की परीक्षाओं और परिणामों का सबको खास तौर पर इंतजार रहता है। सीबीएसई ने शुक्रवार को पहले 12वीं और फिर 10वीं के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए। प्रतिभाशाली बच्चों की कोई सूची चर्चा में नहीं है, तो इससे कुल मिलाकर एक राहत का एहसास है। पहले जब मेरिट लिस्ट जारी होती थी, तब फेल होने वालों का अलग हाहाकार महसूस होता था। अब अगर 10वीं और 12वीं के परीक्षा परिणाम मेरिट के आतंक से बाहर निकल आए हैं, तो यह शिक्षा के क्षेत्र में व्यावहारिक और मानवीय तरक्की का ही संकेत है। कुल मिलाकर, एक समझदारी का माहौल नजर आ रहा है। कोई भी परीक्षा अंतिम नहीं होती है, एक परीक्षा में शीर्ष पर आ जाने से कोई हमेशा के लिए सफल नहीं मान लिया जाता और न एक बार कम नंबर आने से कोई हमेशा के लिए पिछड़ जाता है। पहले के समय में 10वीं बोर्ड रिजल्ट का सर्वाधिक महत्व होता था, लेकिन अब 12वीं बोर्ड का भी खूब महत्व हो गया है। कक्षा 10वीं के परिणाम के अनुसार, 93.12 प्रतिशत छात्र सफल हुए हैं, जबकि कक्षा 12वीं में 87.33 प्रतिशत को कामयाबी हासिल हुई है। सीबीएसई 10वीं बोर्ड के तहत देश भर में परीक्षा देने के लिए पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्या 21,84,117 थी, जबकि 21,65,805 ने ही परीक्षा दी और 20,16,779 विद्यार्थी पास हो गए हैं। एक बड़ा सवाल यह है कि 18,312 छात्र परीक्षा में क्यों नहीं बैठे? यह एक शैक्षणिक-सामाजिक समीक्षा का विषय है। परीक्षा से बचे या वंचित रहे छात्रों की संख्या बहुत ज्यादा है। भारत में बड़ी संख्या में छात्र पढ़ाई छोड़ देते हैं, लेकिन जब परीक्षा परिणामों की चर्चा होती है, तब इन छात्रों को हम भूल जाते हैं। स्कूलों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अधिकतम छात्र परीक्षा में बैठें और उत्तीर्ण हों। भारत जैसे देश में तमाम राज्य सरकारों के भी शिक्षा बोर्ड को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि लगभग सारे योग्य विद्यार्थी कम से कम 10वीं तो पास करें। गौर करने का विषय है कि इस बार पास होने वालों का प्रतिशत घटा है। 12वीं की बात करें, तो इस वर्ष कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 87.33 है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 5.38 प्रतिशत कम है। साल 2022 में कुल पास प्रतिशत 92.71 था। इस वर्ष 10वीं कक्षा में पास होने वालों की संख्या भी 1.28 प्रतिशत कम है। आखिर ऐसा क्यों हुआ है? हमें नहीं भूलना चाहिए कि यह कोरोना महामारी के बाद हुई पहली सामान्य पूर्ण परीक्षा थी। लगभग दो साल बाद स्कूल लौटे छात्रों का प्रदर्शन कमतर होने की आशंका पहले से ही थी। हालांकि, इस मोर्चे पर शिक्षकों को भी अपने प्रदर्शन पर जरूर गौर करना चाहिए। इस बार शिक्षा में क्षेत्रीय असमानता भी इतनी ज्यादा दिख रही है कि चिंता स्वाभाविक है। मिसाल के लिए, दक्षिण भारत में राज्यों में छात्रों का प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा है। 12वीं बोर्ड में उच्चतम प्रदर्शन त्रिवेंद्रम क्षेत्र ने किया है, जहां 99.91 विद्यार्थी सफल रहे हैं। बेंगलुरु में 98.64 प्रतिशत, चेन्नई में 97.40 प्रतिशत, जबकि प्रयागराज 78.05 प्रतिशत के साथ सबसे नीचे दिख रहा है। उत्तर भारतीय राज्यों के स्कूलों के लिए संकेत स्पष्ट हैं। हमेशा की तरह इस बार भी 10वीं और 12वीं, दोनों में ही लड़कियों ने लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया है। खैर, अब महामारी का दौर गया, तय है, अगले साल परिणाम बहुत बेहतर आएंगे।

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

ममता की मूरत होती है मां

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

(14 मई मातृत्व दिवस पर विशेष)

मां एक ऐसा शब्द है जिसमें पूरा ब्रम्हांड समा जाए। जब हम मां बोलने के लिए मुंह खोलते हैं तो शब्द के उच्चारण के साथ ही पूरा मुंह भर जाता है। मां ममता की मूरत होती है। पूरी दुनिया के सभी धर्मों ने मां के रिश्ते को सबसे पवित्र माना गया है। अपने बच्चों के प्रति मां का प्यार, दुलार, समर्पण और त्याग अनमोल होता है। मां को सम्मान देने के लिए पूरी दुनिया में मई माह के दूसरे रविवार को मातृत्व दिवस (मदर डे) के रूप में मनाया जाता है।

अंतरराष्ट्रीय मातृत्व दिवस माताओं एवं मातृत्व का सम्मान करने वाला दिन होता है। एक मां ही होती है जो सभी की जगह ले सकती है। लेकिन उनकी जगह कोई और नहीं ले सकता है। मां अपने बच्चों की हर प्रकार से रक्षा और उनकी देखभाल करती है। इसलिए मां को ईश्वर का दूसरा रूप कहा जाता है। मां वह शख्स होती है जो नो माह तक अपने बच्चे को कोख में रखकर जन्म देती है। उसके बाद उसका लालन-पालन करती है। कुछ भी हो जाए लेकिन एक मां का अपने बच्चों के प्रति स्नेह कभी कम नहीं होता है। वह खुद से भी ज्यादा अपने बच्चों के सुख सुविधाओं को लेकर चिंतित रहती है। मां अपनी संतान की रक्षा के लिए बड़ी से बड़ी विपत्तियों का सामना करने का साहस रखती है।

मां होने का अर्थ है उत्तरदायित्व और निस्वार्थता से पूरी तरह से अभिभूत होना। मातृत्व का मतलब है रातों की नींद हराम करना। मां भगवान की सबसे श्रेष्ठ रचना है। उसके जितना त्याग और प्यार कोई नहीं कर सकता है। मां विश्व की जननी है उसके बिना संसार की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। मां ही हमारी जन्मदाता होती है और वही हमारी सबसे पहली गुरु होती है। इसीलिए हम धरती को भी धरती माता कहते हैं। जो अपने उपर हम सब का वजन उठाती है।

हमारे देश में गाय को भी गौमाता कह कर पुकारते हैं जो हमें अपने अपना दूध पिला कर बड़ा करती है। मां हमारे जीवन की सबसे प्रमुख हस्ती होती है जो बिना कुछ पाने की उम्मीद किए सिर्फ देती ही रहती है। मां का प्यार निस्वार्थ होता है जो हम अपने पूरे जीवन में किसी और से प्राप्त नहीं कर सकते हैं। मां बच्चे की पहली गुरु होती है।

देखा जाए तो मातृ दिवस का इतिहास सदियों पुराना एवं प्राचीन है। यूनान में परमेश्वर की मां को सम्मानित करने के लिए यह दिवस मनाया जाता था। 16वीं सदी में इंग्लैंड का ईसाई समुदाय ईशु की मां मदर मेरी को सम्मानित करने के लिए इस दिवस को त्योहार के रूप में मनाये जाने की शुरुवात हुई। 'मदर्स डे' मनाने का मूल कारण समस्त माताओं को सम्मान देना और एक शिशु के उत्थान में उसकी महान भूमिका को सलाम करना है।

मातृत्व दिवस को आधिकारिक बनाने का निर्णय पूर्व अमरीकी राष्ट्रपति वूडरो विलसन ने आठ मई 1914 को लिया था। राष्ट्रपति वुडरो विल्सन ने मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाने और मां के सम्मान में एक दिन के अवकाश की सार्वजनिक घोषणा की थी। वे समझ रहे थे कि सम्मान, श्रद्धा के साथ माताओं का सशक्तिकरण होना चाहिए। जिससे मातृत्व शक्ति के प्रभाव से युद्धों की विभीषिका रुके। तत्पश्चात हर वर्ष मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाया जाता है। वर्तमान में ये भारत के साथ यूके, चीन, यूएस, मेक्सिको, डेनमार्क, इटली, फिनलैण्ड, तुर्की, ऑस्ट्रेलिया, कैनेडा, जापान, बेल्जियम सहित कई देशों में मनाया जाता है। हर साल माताओं के प्रति अपने आदर और सम्मान को व्यक्त करने के लिए यह दिवस मनाया जाता है। हिंदू धर्म में मां शब्द की कई व्याख्याएं हैं। लेकिन अधिकांश ज्ञान हमें अपने शास्त्रों से मिलता है। इसलिए अगर हम शास्त्रों के बारे में बात करते हैं तो वाल्मीकि रामायण में भगवान राम ने कहा है कि 卐जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरियसि卐। इसका मतलब है कि मां और मातृभूमि स्वर्ग से बेहतर हैं। मां शब्द की उत्पत्ति और अर्थ के बारे में कई मत हैं। विभिन्न शैलियों ने मां शब्द की व्याख्या की है। ये एक अक्षर वाला मां संबोधन पूरे ब्रह्मांड में सबसे ताकतवर शब्द माना जाता है।

मां सिर्फ शब्द नहीं बल्कि एक भावना है। इसका वर्णन शब्दों मे करना नामुमकिन है। मां वो है जो न सिर्फ हमे जन्म देती है बल्कि हमे जीना भी सिखाती है। मां शब्द का अर्थ है निस्वार्थ प्यार और बलिदान। मां भगवान् का जीता जागता स्वरूप है। मां खुले दिल से अपने बच्चो का भरपूर ख्याल रखती है। मां वो होती है जो खुद भूखी सो जाए पर अपने बच्चो को भूखा रहने नहीं देती। उसे खुद कितनी भी तकलीफ हो वो जताती नहीं और ऐसे मे भी सिर्फ अपने बच्चो की ही सलामती की दुआ करती है। मां की ममता समुद्र से भी गहरी है।

दुनिया में हर शब्द का अर्थ समझा और समझाया जा सकता है। लेकिन मां शब्द का अर्थ समझना और समझाना दोनों ही लगभग नामुमकिन है। मां शब्द का अर्थ समझाना इसलिए नामुमकिन है क्योंकि मां के प्यार को मां के बलिदान को शब्दों में नहीं समझाया जा सकता। इसे सिर्फ अनुभव किया जा सकता है। मां के दिल में जितना प्यार अपने बच्चों के लिए होता है। अगर मां के सभी बच्चे कोशिश भी करें तो उसका कुछ अंश भी अदा नहीं कर सकते।

मां को संस्कृत में 卐मातर:卐 कहते है। मां ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति है जिसके माध्यम से परमेश्वर अपने अंश द्वारा अपनी शक्ति का संचार और विस्तार करता है। पुराणों के अनुसार मां का अर्थ लक्ष्मी है। जिस प्रकार मां लक्ष्मी सृष्टि का पालन करती है उसी प्रकार मां भी शिशु का पालन करती है। इस प्रकार मां को लक्ष्मी का स्वरूप माना गया। एक मत यह है कि इस सृष्टि का आरंभ मनु और शतरूपा नामक स्त्री-पुरुष के समागम से हुआ। मनु के नाम पर ही उनकी संतान को मनुज या मानव कहा गया। मनु की संतान को जिसने जन्म दिया उसे मां कहा गया। और इस प्रकार मां शब्द की उत्पत्ति हुई।

भारतीय संस्कृति तथा कुछ ग्रंथों के अनुसार मां शब्द की उत्पत्ति गोवंश से हुई। गाय का बछड़ा जब जन्म लेता है तो उसके सर्वप्रथम रंभानें में जो स्वर निकालता है वह मां होता है। यानी कि बछड़ा अपनी जन्मदात्री को मां के नाम से पुकारता है। इस प्रकार जन्म देने वाली को मां कहकर पुकारा जाने लगा। शास्त्रों के अनुसार सर्वप्रथम बछड़े ने ही अपनी मां गाय को रंभाकर मां पुकारा और वहीं से इस शब्द की उत्पत्ति हुई।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।)

भारत में नागरिक विमानन के क्षेत्र में हो रही है चंहुमुखी प्रगति

(लेखक-प्रहलाद सबनानी)

प्राचीन भारत का इतिहास गवाही दे रहा है कि लगभग 500 वर्ष पूर्व भी भारत का सकल घरेलू उत्पाद में वैश्विक स्तर पर लगभग 25 प्रतिशत का योगदान था एवं विदेशी व्यापार में भी भारत विश्व में प्रथम स्थान पर था। परंतु, अरब आक्रांताओं एवं ब्रिटेन के शासन काल में भारत की आर्थिक स्थिति लगातार बिगड़ती चली गई एवं राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त करते समय तक यह रसातल तक पहुंच चुकी थी। वर्ष 1947 के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था ने पुनः सम्भलना शुरू किया एवं वर्ष 2014 के बाद से तो भारत ने आर्थिक विकास के मामले में तेज रफ्तार पकड़ ली है।

भारत में प्राचीन काल में अधिकतर व्यापार समुद्रीय मार्ग के माध्यम से होता रहा है। 1000 वर्ष पूर्व भी भारत का समुद्री मार्ग विकसित अवस्था में था एवं यह दक्षिणी अफ्रीका एवं यूरोप के देशों के साथ जुड़ा हुआ था। साथ ही, लगभग 500 वर्ष पूर्व भारत में जी.टी. रोड का निर्माण हो चुका था, अतः देश में समुद्री एवं सड़क मार्ग का विकास शताब्दियों पूर्व होता रहा है। परंतु, हाल ही के समय में भारत ने आधारभूत संरचना का विकास करने की जो रफ्तार पकड़ी है वह पूर्व के वर्षों में दिखाई नहीं देती हैं। वर्ष 2013-14 तक भारत में लगभग 75,000 किलोमीटर का सड़क मार्ग विकसित हो पाया था जो आज बढ़कर 150,000 किलोमीटर से अधिक हो गया है। भारत में प्रतिदिन लगभग 25 किलोमीटर से अधिक की सड़कें बनाई जा रही है। सड़कों की गुणवत्ता पर भी पूरा ध्यान दिया जा रहा है, आवश्यकता पड़ने पर कुछ सड़क राजमार्ग पर तो हवाई जहाज को भी उतारा जा सकता है। इसी प्रकार, हवाई मार्ग को विकसित करने का कार्य हालांकि राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त करने के पूर्व ही प्रारम्भ हो चुका था। एयर इंडिया कम्पनी के विमान, कोलकत्ता, मुंबई, दिल्ली के साथ ही इंदौर एवं ग्वालियर जैसे शहरों की ओर भी उड़ान भरते थे। परंतु, वर्ष 2014 के पूर्व के लगभग 50-60 वर्षों में देश में आधारभूत संरचना का विकास करने पर उतना ध्यान नहीं दिया गया, जितना पिछले 9 वर्षों के दौरान दिया गया है। इसी कारण से अब भारतीय नागरिकों की आकांक्षाएं भी बढ़ती जा रही हैं एवं कई छोटे छोटे नगरों के नागरिक भी हवाई जहाज से यात्रा करने को लालायित हैं। हाल ही के वर्षों में नागरिक विमानन का तो एक तरह से लोकतांत्रीयकरण हो गया है क्योंकि पूर्व के खंडकाल में केवल अमीर वर्ग के नागरिक ही हवाई जहाज से यात्रा के बारे में सोच सकते थे परंतु अब तो मध्यमवर्गीय एवं गरीब वर्ग के नागरिक भी हवाई जहाज से यात्रा करने की स्थिति में आ चुके हैं। वर्ष 2013-14 में 6 करोड़ नागरिकों ने हवाई यात्रा की थी जब कि हाल ही में समाप्त वर्ष में 14.40 करोड़ नागरिकों ने हवाई यात्रा की है। वर्तमान में रेल्वे के प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी ए.सी. क्लास से यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या 18.50 करोड़ यात्री प्रतिवर्ष है। नागरिक विमानन क्षेत्र प्रतिवर्ष 10.3 प्रतिशत की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है जबकि रेल्वे की विकास दर 5.6 प्रतिशत प्रतिवर्ष है। इस प्रकार अगले 5 या 6 वर्षों में हवाई यात्रा करने वाले नागरिकों की संख्या रेल्वे के प्रथम एवं द्वितीय ए.सी. श्रेणी के यात्रियों की संख्या से अधिक हो जाने की पूरी सम्भावना दिखाई देती है। वर्ष 2013-14 में देश में 400 हवाई जहाज थे जिनके संख्या आज बढ़कर 700 हवाई जहाज तक पहुंच गई है। राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त करने के उपरांत वर्ष 2013-14 तक देश में 74 एयरपोर्ट विकसित किए जा सके थे जबकि पिछले 9 वर्षों के दौरान देश में 74 नए एयरपोर्ट विकसित किए जाकर आज 148 एयरपोर्ट देश में कार्यरत हैं। साथ ही, आगे आने वाले 5 वर्षों के दौरान देश में कुल एयरपोर्ट की संख्या को 200 तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। आज देश के नागरिक न्यूनतम सरकारी नियंत्रण के साथ उच्च स्तर का प्रशासन चाहते हैं। जिसे कि वर्तमान में केंद्र सरकार द्वारा प्रदान करने का भरपूर प्रयास किया जा रहा है। विमानन क्षेत्र में कार्य कर रही कम्पनियों को इसी संदर्भ में पूर्ण स्वतंत्रता प्रदान की गई है। चाहे वह ग्राहकों से किराया वसूल करने की प्रक्रिया के सम्बंध में हो अथवा विभिन नगरों के बीच विमान की सुविधा उपलब्ध कराने का क्षेत्र हो, सरकार का कोई भी दखल इन कम्पनियों के निर्णयों पर नहीं रहता है। आज निजी क्षेत्र की भारतीय विमान कम्पनियां केंद्र सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रही हैं। अभी हाल ही में सम्पन्न किए गए आपरेशन गंगा के अंतर्गत यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों को वहां से सफलतापूर्वक निकालकर भारत में वापस लाने में देश के रक्षा विभाग को निजी क्षेत्र की विमानन कम्पनियों ने भी सहयोग किया था। इसी प्रकार एक बार पुनः आपरेशन कावेरी के अंतर्गत सूडान में फंसे भारतीय नागरिकों को सफलतापूर्वक भारत में लाया गया है।

अभी हाल ही में टाटा समूह की एयर इंडिया कम्पनी द्वारा 250 विमान एयरबस कम्पनी से एवं 220 विमान बोइंग कम्पनी से खरीदे जा रहे हैं। यह पूरे विश्व में ही आज तक का सबसे बड़ा विमान ख़रीदी सौदा माना जा रहा है। आज भारत में 14.4 करोड़ नागरिक देश के विभिन भागों की हवाई यात्रा करते हैं एवं 6 करोड़ नागरिक विश्व के अन्य देशों की हवाई यात्रा करते हैं। इस प्रकार, कुल मिलाकर 20.4 करोड़ नागरिक प्रतिवर्ष हवाई यात्रा कर रहे हैं। अगले 5 वर्षों के दौरान इस संख्या को 40 करोड़ यात्रियों तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जब देश में हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या में तेज गति से वृद्धि होने लगे तो नए विमानों की आवश्यकता तो महसूस होनी ही हैं। नए विमान खरीदने के साथ ही भारत में ही हवाई जहाज के इंजन निर्माण करने के उद्देश्य से विनिर्माण इकाई की स्थापना भी की जा रही है, जो अगले 3 से 4 वर्षों के बीच विनिर्माण का कार्य प्रारम्भ कर देगी। इसी प्रकार, एयर बस ने भी टाटा समूह के साथ बड़ोदा में 20,000 करोड़ रुपए की लागत से एक अन्य विनिर्माण इकाई स्थापित करने के सम्बंध में एक करार पत्र पर हॉल ही में हस्ताक्षर किए हैं।

केंद्र में मोदी सरकार द्वारा भारत के मध्यम एवं गरीब वर्ग के नागरिकों को हवाई जहाज से यात्रा करने की सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से प्रारम्भ की गई उड़ान योजना को बहुत सफलता मिली है। उड़ान योजना के अंतर्गत भारत में 1.17 करोड़ मध्यम एवं गरीब वर्ग के नागरिकों ने 1.20 लाख हवाई फेरों के माध्यम से हवाई यात्रा की है। अब छोटे छोटे शहरों को भी विमान सुविधाएं प्राप्त बड़े नगरों एवं महानगरों के साथ जोड़ दिया गया है। अब तो देश में कई छोटे शहरों से भी विमान सेवाओं की मांग दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। उड़ान यात्रा को सफल बनाने के उद्देश्य से पिछले 6 वर्षों के दौरान 473 नए हवाई मार्ग बनाए गए हैं जो पूर्व में शायद व्यवहार्य ही नहीं थे। 73 नए एयरपोर्ट बनाए गए हैं। इनमें से कुछ नए एयरपोर्ट प्रतिवर्ष 2 से 5 लाख के बीच हवाई यात्रा करने वाले नागरिकों को सुविधाएं प्रदान करने में सफल हो रहे हैं। उड़ान योजना के अंतर्गत कुल 11 एयरलाइन कम्पनियां अपने विमानों का संचालन कर रही हैं, इनमें 3 नई विमान कम्पनियां भी शामिल हैं।

कर्नाटक-उत्तर प्रदेश के चुनाव परिणाम, असर मोदी-योग पर

(लेखक- सनत जैन)

उत्तर प्रदेश में नगरीय निकायों के चुनाव हुए हैं वहीं कर्नाटक में विधानसभा के चुनाव हुए हैं। दोनों ही चुनाव परिणाम बिल्कुल अलग-अलग है। कर्नाटक विधानसभा के चुनाव में काग्रेस स्पष्ट बहुमत के साथ आगे है। वहीं उत्तर प्रदेश के नगरीय निकाय के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी बड़ी तेजी के साथ नगरीय निकायों में कब्जा कर रही है। दोनों ही जगह के चुनाव परिणाम लोगों को आश्चर्यचकित कर, भ्रम में डाल रहे हैं. कर्नाटक विधानसभा के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने अपनी पूरी ताकत लगा दी थी। बूथ लेवल पर उनका संगठन और मैनेजमेंट सबसे अच्छा था। पिछले 6 माह से केंद्रीय मंत्री और सांसद लगातार कर्नाटक के हर जिले का दौरा कर रहे थे। हर विधानसभा क्षेत्र में जाकर सरकार की योजनाओं का प्रचार प्रसार कर रहे थे। इस प्रचार-प्रसार में सरकार के करोड़ों रूपये खर्च हुए। चुनाव की अधिसूचना जारी होने के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह लगातार कर्नाटक चुनाव प्रचार की कमान संभाल रहे थे। चुनाव प्रचार के अंतिम 1 सप्ताह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव प्रचार की कमान अपने हाथ में ले ली थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक ऐसे शख्स हैं, जिन्हें मतदाता सबसे ज्यादा पसंद करता है। सारे देश में यह संदेश है, कि लोग भाजपा को वोट नहीं दे रहे हैं, मोदी को वोट देते हैं। मोदी जी भाजपा के पर्याय बन गए हैं मोदी जी ने कर्नाटक का विधानसभा चुनाव अपने चेहरे पर लड़ा। यहां हिंदुत्व को लेकर जो वह कर सकते थे, वह उन्होंने किया। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे ने मोदी की तुलना एक जहरीले सांप से कर दी थी। वहीं कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में बजरंग दल के ऊपर प्रतिबंध लगाने का भरोसा जताया था। यह दोनों मुद्दे, प्रधानमंत्री मोदी के चुनाव प्रचार के समय, कर्नाटक के विधानसभा चुनाव में आग में घी डालने के समान थे। चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन दोनों मामलों में कांग्रेस को घेरा। चुनाव प्रचार के दौरान बजरंगबली भी आ गए। मोदी जी द्वारा यह भी कहा गया कि जब वोट डालने जाएं, तो बजरंगबली का नाम लेकर वोट डालें, लेकिन यह सारे प्रयास कर्नाटक के विधानसभा चुनाव में असफल साबित हुए। निश्चित रूप से चुनाव परिणाम भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता से जोड़ा जा रहा है। कर्नाटक में जिस तरह, भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने बगावत की है। उसने भी भाजपा को चिंता में डाल दिया है। हजारों करोड़ों रुपए खर्च करने और इतने सारे संसाधन और हजारों सभाएं करने के बाद भी भारतीय जनता पार्टी, कर्नाटक का चुनाव नहीं जीत पाई है। उससे स्पष्ट है, कि जनता की लड़ाई कभी भी प्रबंधन या पैसे से नहीं जीती जा सकती है। जनता जब स्वयं चुनाव लड़ने लगती हैं। उस समय अन्य कोई भी प्रयास काम नहीं आते हैं। यह कर्नाटक के चुनाव परिणाम ने बता दिया है। इसके ठीक विपरीत, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नगरीय निकाय के चुनाव में नगरपालिका, निगमों में भाजपा की एकतरफा जीत हासिल की है। नगरीय निकायों में अधिकांश महापौर भाजपा के चुनाव जीते हैं। नगरीय निकायों के अध्यक्ष पद पर भी भाजपा के उम्मीदवार विजयी घोषित हुए हैं. उत्तर प्रदेश में जिस तरीके का प्रदर्शन योगी आदित्यनाथ ने किया है। उससे भारतीय जनता पार्टी के अंदर योगी आदित्यनाथ का कद बढ़ेगा। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस ताकत के साथ कर्नाटक का विधानसभा चुनाव लड़ा था। वहां पर उन्हें सफलता नहीं मिली। इससे उनकी लोकप्रियता और ताकत में कमी आना तय माना जा रहा है, भारतीय जनता पार्टी के अंदर यह माना जा रहा है, कि हिंदुत्व के 2 बड़े चेहरे हैं। जिन पर फोकस करके 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ा जाएगा। उसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ के बीच में तगड़ी प्रतिस्पर्धा चल रही है। भाजपा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह जो चाहते हैं, वही होता है। कर्नाटक के चुनाव परिणाम और उत्तर प्रदेश के चुनाव परिणाम से भारतीय जनता पार्टी के अंदर ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ के बीच आंतरिक संघर्ष शुरू होना तय माना जा रहा है। अगले कुछ ही महीनों में पांच राज्यों के चुनाव हैं। यदि इन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कोई कमाल नहीं दिखा पाई। तब हिंदू हृदय सम्राट के रूप में योगी आदित्यनाथ का नया युग शुरू होने का दावा भाजपा में किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में लोकसभा की 80 सीटें हैं। जो केंद्र की सरकार बनाने के लिए सबसे महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती हैं उत्तर प्रदेश में जिस तरह से योगी आदित्यनाथ ने परचम लहराया है। उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के लिये चुनौती के रूप में देखा जा रहा है।

रियल एस्टेट में विदेशी संस्थागत निवेश बढ़कर 26.6 अरब डॉलर रहा: कोलियर्स

नई दिल्ली । भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में 2017-22 के दौरान विदेशी संस्थागत निवेश के रूप में 26.6 अरब अमेरिकी डॉलर मिले। यह आंकड़ा इससे पहले के छह वर्ष के मुकाबले तीन गुना है। रियल एस्टेट सलाहकार कंपनी कोलियर्स इंडिया ने यह जानकारी दी। उसके मुताबिक इस निवेश में अमेरिका और कनाडा की 70 प्रतिशत हिस्सेदारी है। कोलियर्स इंडिया ने एक रिपोर्ट में उन कारणों के बारे में बताया, जिनके चलते वैश्विक निवेशकों के लिए भारत एक पसंदीदा विकल्प है। सलाहकार ने कहा कि उद्योग में बड़े संरचनात्मक, नीतिगत सुधारों से पारदर्शिता और कारोबारी सुगमता बढ़ी है,` जिसकी वजह से पिछले कुछ वर्षों में भारत में विदेशी निवेश बढ़ा है। आंकड़ों के अनुसार रियल एस्टेट में कुल संस्थागत निवेश 2017-22 में बढ़कर 32.9 अरब डॉलर हो गया, जो 2011-16 में 25.8 अरब डॉलर था। इसमें विदेशी संस्थागत निवेश 8.2 अरब डॉलर से बढ़कर 26.6 अरब डॉलर हो गया। हालांकि इस दौरान घरेलू निवेशकों का निवेश 17.6 अरब डॉलर से घटकर 6.3 अरब डॉलर रह गया।

बोइंग ने कहा- भारत में बिक्री की विशाल संभावनाएं

नई दिल्ली । विमानन कंपनी गोफर्स्ट के संकट में फंसने के बीच अमेरिकी विमान विनिर्माता बोइंग ने कहा कि वह मसले को हल करने के लिए हितधारकों के साथ मिलकर काम करेगी। बोइंग कमर्शियल एयरप्लेन्स के उपाध्यक्ष रेयान वीर ने भी कहा कि भारत में बिक्री की विशाल संभावनाएं हैं। इससे पहले पट्टेदारों ने राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के गोफर्स्ट की परिसंपत्तियों पर रोक लगाने के बारे में चिंता जताई थी। ऐसे में एयरलाइन द्वारा पट्टे पर लिए गए विमानों के पंजीकरण को रद्द करने पर भी रोक लग गई थी। गोफर्स्ट संकट और पट्टेदारों की चिंताओं पर एक सवाल के जवाब में वीर ने कहा कि कंपनी हितधारकों के साथ मिलकर काम कर रही है और मुद्दों को सुलझाने के लिए अपनी तरफ से प्रयास करेगी। उन्होंने कहा` कि हम नहीं जानते कि इसका क्या असर होने वाला है। भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ते विमानन बाजारों में शामिल है। इस साल की शुरुआत में बोइंग ने अनुमान लगाया था कि भारत को अगले दो दशकों में लगभग 2,210 नए विमानों की जरूरत होगी।

हिमाचल कांग्रेस ने सेब आयात शुल्क 100 प्रतिशत करने की मांग की

शिमला । हिमाचल प्रदेश में सत्तारूढ़ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कुलदीप सिंह राठौर ने कहा कि केंद्र सरकार को सेब उत्पादकों के संरक्षण के लिए इसके आयात पर लागू सीमा शुल्क को 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 100 प्रतिशत कर देना चाहिए। राठौर ने कहा कि बड़े पैमाने पर विदेशों से सेब आयात किए जाने से हिमाचल के सेब उत्पादक किसानों को वाजिब दाम नहीं मिल पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेताओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह करना चाहिए कि सेब के आयात पर सीमा शुल्क को 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 100 प्रतिशत कर दिया जाए। केंद्र सरकार ने कुछ दिन पहले ही 50 रुपए प्रति किलो से कम आयात मूल्य वाले सेब के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है। हिमाचल की मुख्य विपक्षी दल भाजपा ने केंद्र सरकार के इस कदम का स्वागत करते हुए कहा था कि इससे राज्य के सेब उत्पादक किसानों को फायदा पहुंचेगा। भारत में दूसरे देशों से 38.5 करोड़ डॉलर मूल्य के सेब आयात किए गए। इसकी वजह से स्थानीय सेब उत्पादकों को काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है। सेब की बागवानी के लिए मशहूर हिमाचल में सेब उत्पादक किसानों को वाजिब दाम दिलाने का मुद्दा चुनाव में भी खूब चर्चा में रहा था। राज्य में 94,000 हेक्टेयर से अधिक भूभाग में सेब उगाया जाता है और सेब से जुड़ी आर्थिक गतिविधियां करीब 5,000 करोड़ रुपए हैं।

सरकार का लक्ष्य भारत को दुनिया की शीर्ष-3 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल करना: चंद्रशेखर

नई दिल्ली ।

आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि सरकार का लक्ष्य 2026-27 तक भारत को दुनिया की शीर्ष-3 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल करना है। जापान और जर्मनी से हम बहुत पीछे नहीं हैं। ऐसे में दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनना हमारे लक्ष्य के मुताबिक है। उन्होंने कहा, सरकार का ध्यान अपनी बेहतर नीतियों के जरिए भारत को वैश्विक मूल्य श्रंखलाओं में एक गंभीर और प्रतिस्पर्धी भागीदार बनने के लिए आगे बढ़ाने पर है। एप्पल, सैमसंग और सिस्को जैसी कंपनियां अब भारत आ रही हैं। सरकार ने सिर्फ 14 महीने में निर्माण और डिजाइन में मौके पैदा किए हैं। भारत 2024 तक 100 सेमीकंडक्टर डिजाइन स्टार्टअप बनाने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। इस क्षेत्र में जल्द 85 हजार उच्च कुशल पेशेवरों का प्रतिभा पूल होगा। वित्त मंत्रालय ने क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) से कहा कि वे वित्तीय समावेश के मामले में प्रदर्शन सुधारने के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में कर्ज वितरण में सुधार करें। वित्तीय सेवाओं के विभाग के सचिव विवेक जोशी की अगुवाई में हुई क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की समीक्षा बैठक में इन बैंकों की वित्तीय व्यवहार्यता योजनाओं पर चर्चा की गई। इसकी वजह यह है कि कुछ आरआरबी घाटे में चल रहे हैं। हाल ही में हुई बैठक के दौरान जोशी ने कहा कि आरआरबी को वित्तीय समावेश की दिशा में सरकारी प्रयासों के अनुरूप कदम उठाने होंगे। बैठक में वित्तीय सेवाओं के विभाग, आरबीआई, नाबार्ड, प्रायोजक बैंकों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आरआरबी के चेयरपर्सन भी शामिल हुए।

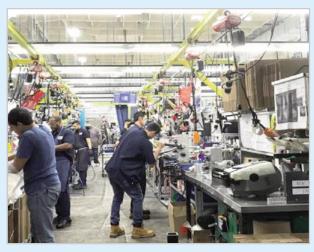

रॉयल एनफील्ड ने इंटरसेप्टर बियर 650 के लिए ट्रेडमार्क दर्ज कराया

मुंबई । रॉयल एनफील्ड ने हाल ही में इंटरसेप्टर बियर 650 नेमटैग के लिए एक ट्रेडमार्क दर्ज करवाया है। इसके अलावा 650 सीसी प्लेटफार्म पर बेस्ड कुछ नए मॉडल्स के स्पाई शॉट सामने आए हैं। नए मॉडल्स में 650 सीसी स्क्रैम्बलर शामिल है, जिसे लेकर उम्मीद है कि इस नए इंटरसेप्टर बियर 650 नाम से पेश किया जा सकता है। स्पाई शॉट्स से पता चलता है कि बाइक में अपसाइड-डाउन फोर्क सस्पेंशन, एक गोल हेडलैंप, एक टियरड्रॉप-शेप्ड फ्यूल टैंक और शॉर्ट टेल सेक्शन के साथ एक फ्लैट सीट मिलेगी। इंटरसेप्टर के विपरीत, इसमें सिंगल एग्जॉस्ट मिलने की भी संभावना है। टेस्ट बाइक में वायरस्पोक व्हील्स के साथ डुअल पर्पज टायर्स भी दिखाई दिए हैं। अपकमिंग स्क्रैम्बलर में 648सीसी, पैरेलल-ट्विन इंजन दिया जाएगा। यह इंजन 46.4 बीएचपी 7,250 आरपीएम और 52.3 एनएम 5,650 आरपीएम जेनरेट करता है और इस 6-स्पीड गियरबॉक्स में जोड़ा जाता है।

औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर घटकर 1.1 प्रतिशत

नई दिल्ली । औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) पर आधारित देश की औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर मार्च 2023 में धीमी पड़ कर सालाना आधार पर 1.1 प्रतिशत रही। इस वर्ष फरवरी में औद्योगिक उत्पादन पिछले वर्ष फरवरी की तुलना में 5.6 प्रतिशत बढ़ा था। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों से पता चलता है कि मार्च में खनन क्षेत्र का उत्पादन साल-दर-साल 6.8 प्रतिशत बढ़ा, जबकि इस अवधि के दौरान विनिर्माण क्षेत्र के उत्पादन में सालाना आधार पर वृद्धि मात्र 0.5 प्रतिशत रही। मार्च में बिजली उत्पादन में 1.6 प्रतिशत की गिरावट आई है। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि औद्योगिक वृद्धि में नरमी मुख्य रूप से विनिर्माण उत्पादन में वृद्धि में कमी के कारण है। पूंजी और बुनियादी ढांचे और निर्माण क्षेत्र के उत्पादन में हालांकि वृद्धि ऊंचे स्तर पर बनी हुई है, जो अर्थव्यवस्था में सुधार का संकेत है। घरेलू खपत में सुधार के संकेत अभी भी असमान हैं, क्योंकि टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं के उत्पादन में अभी तेजी आना बाकी है। इससे पहले जारी आंकड़ों में मार्च 2023 में आठ प्रमुख उद्योगों के संयुक्त उत्पादन की वृद्धि दर साल-दर-साल 3.6 प्रतिशत रही जो पांच महीने के निचले स्तर पर आ गई थी। आईआईपी में इन आठ उद्योगों का अंशदान 40.27 प्रतिशत है।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) सेंसेक्स 0.20 और निफ्टी में 0.10 फीसदी की तेजी रही

मुंबई ।

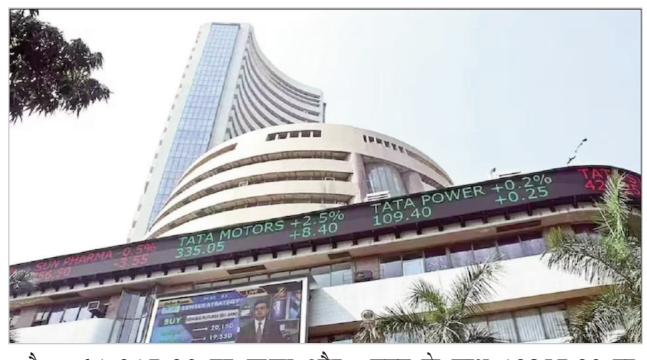

बीते सप्ताह शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिला और सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। शुक्रवार के कारोबार में बैंकिंग शेयरों में खरीदारी रही. मेटल, पीएसई और एनर्जी शेयरों पर दबाव रहा जबकि फार्मा, रियल्टी और आईटी शेयरों में गिरावट रही। कारोबार के ओ खिर में सेंसेक्स 0.20 फीसदी की और निफ्टी में 0.10 फीसदी की बढ़त देखी गई। बीते सप्ताह शेयर बाजारों में सोमवार से लेकर शुक्रवार तक तेजी देखने को मिली। मेटल, पीएसई और एनर्जी शेयरों पर दबाव रहा जबकि फार्मा, रियल्टी और आईटी शेयरों में गिरावट रही। बीते सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो नए कारोबारी हफ्ते के पहले दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार की चाल में मामूली तेजी देखी गई है। बीएसई का 30 शेयरों वाला इंडेक्स सेंसेक्स 103.95 अंक की उछाल के साथ 61,158.24 पर खुला और 709.96 अंकों की बढ़त के साथ 61,764.25 के पर बंद हुआ। वहीं एनएसई का निफ्टी 51.60 अंक की उछाल के साथ 18,120.60 पर खुला और 195.40 अंक उछलकर 18,264.40 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 173.6 अंकों की बढ़ोतरी के साथ 61937 पर खुला और 2.92 टूटकर 61,761.33 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 54 अंक चढ़कर 18 हजार 300 के पार खुला और 1.55 अंकों की गिरावट के साथ 18,265.95 पर बंद हुआ।

बुधवार को सेंसेक्स 156.57 अंकों की बढ़त के साथ 61,917.90 पर खुला और 178.87 अंकों की बढ़त के साथ 61,940.20 पर बंद हुआ। निफ्टी 41.85 अंकों की तेजी के साथ 18,307.80 पर खुला और 49.15 अंकों की बढ़त के साथ 18,315.10 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 120.09 अंक की बढ़त के साथ 62,060.29 पर खुला और 35.68 अंक टूटकर 61,904.52 पर बंद हुआ। निफ्टी करीब 42.70 अंक की बढ़त के साथ 18357.80 पर खुला और 18.10 अंक फिसलकर 18,297.00 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स सुबह ही 244.01 अंकोंकी गिरावट के साथ 61,660.51 पर खुला और 123.38 अंक चढ़कर (0.20 फीसदी) 62,027.90 पर बंद हुआ। निफ्टी 77.95 अंकों की गिरावट के साथ 18,219.05 पर खुला और 17.80 अंकों (0.10 फीसदी) की बढ़त के साथ 18300 पर बंद हुआ।

स्विगी-जोमैटो को टक्कर देने सुनील शेट्टी ने नया फूड डिलीवरी ऐप वायु लांच किया

- जल्द ही देश के बड़े शहरों में इसकी सर्विस शुरू हो जाएगी

मुंबई ।

ऑनलाइन फूड डिलीवरी के बढ़ते बाजार को देखते हुए अब बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी भी इस मैदान में उतर गए हैं। सुनील शेट् टी ने स्विगी और जोमैटो को टक्कर देने के लिए एक नया फूड डिलीवरी ऐप वायु लॉन्च किया है। सुनील शेट्टी के इस कदम से ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनियों में खलबली मच गई है। फिलहाल इस ऐप की सर्विस मुंबई में शुरू हुई है, लेकिन जल्द ही देश के बड़े शहरों में इसकी सर्विस शुरू हो जाएगी। स्विगी, जोमैटो जैसे ऐप का एकाधिकार खत्म करने के लिए सुनील शेट्टी ने वायु की शुरुआत की है। वायु के आने से ऑनलाइन फूड डिलीवरी में प्राइस वॉर की शुरुआत हो गई है। वायु का दावा है कि वो होटल और रेस्टोरेंट से बिना किसी कमीशन के फूड डिलीवरी के लिए ऑर्डर लेने में मदद करेंगे। इतना ही नहीं सुनील के स्टार्टअप का दावा है कि वो लोगों को बेस्ट प्राइस पर फूड उपलब्ध करवाएंगे। वायु कमीशन की जगह रेस्टोरेंट मालिकों से महीने में एक फिक्स फीस लेगा। अभी इसे 1 हजार रखा गया है, लेकिन आने वाले दिनों में इसे बढ़ाया भी जा सकता है। सुनील शेट्टी की कंपनी वायु को आप गूगल प्ले स्टोर और ऐप्पल ऐप स्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं। फिलहाल इसकी सर्विस अभी सिर्फ मुंबई में शुरू हुई है। खुद सुनील शेट्टी इसके ब्रांड एम्बैसडर हैं। हालांकि ये पहला स्टार्टअप नहीं है, जहां उन्होंने पैसा लगाया है। इसके पहले वो मिसशैफ डाइनिंग बार, क्लब एच20 के जरिए फूड बिजनेस में उतर चुके हैं। सुनील शेट्टी के इस कारोबार में उतरने से स्विगी और जोमैटो को बड़ी चुनौती मिलेगी। हाल ही में लॉन्च हुई ओएनडीसी पेमेंट प्लेटफॉर्म ने भी इनकी` चिंता बढ़ा दी है। अब इसमें वायु की इंट्री से चुनौती और बढ़ गई है। वायु ऐप के फाउंडर अनिरुद्ध कोटगिरे और मंदार लांडे वायु ऐप के फाउंडर हैं। लॉन्च होते ही ऐप के 25 हजार से अधिक डाउनलोड हो गए थे। अभी इस ऐप पर 1500 से ज्यादा रेस्टोरेंट्स रजिस्टर हैं। कंपनी जल्द ही इसे मेट्रो और नॉन-मेट्रो सिटीज में शुरू करेगी।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा, पाकिस्तान का गिरा

नई दिल्ली । विदेशी मुद्रा भंडार के मोर्चे पर देखें तो मई महीने के पहले हफ्ते में अच्छी शुरुआत हुई है। यह लगातार दूसरा सप्ताह रहा, जबकि भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में बंपर बढ़ोतरी हुई। इस दौरान यह 7.196 अरब डॉलर उछलकर 595.976 अरब डॉलर पर पहुंच गया। उधर, पड़ोसी पाकिस्तान की बात करें तो वहां के हालात ठीक नहीं चल रहे हैं। यह लगातार दूसरा सप्ताह रहा जबकि पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार में कमी हुई है। बीते पांच मई को समाप्त सप्ताह के दौरान वहां के विदेशी मुद्रा भंडार में 73 लाख डॉलर से भी ज्यादा की कमी हुई है। अब वहां 4.383 अरब डॉलर का ही भंडार रह गया है। रिजर्व बैंक की तरफ से से जारी आंकड़ों के मुताबिक बीते पांच मई को समाप्त सप्ताह के दौरान 7.196 अरब डॉलर की जोरदार बढ़ोतरी हुई है। इसी के साथ अपना विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ कर 595.976 अरब डॉलर हो गया है। इससे पहले बीते 28 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान भी अपने विदेशी मुद्रा भंडार में 4.532 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। तब अपना विदेशी मुद्रा भंडार 588.780 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। इससे पहले 21 अप्रैल 2023 को समाप्त सप्ताह के दौरान इसमें 2.16 अरब डॉलर की कमी हुई थी। उससे एक सप्ताह पहले 14 अप्रैल को इसमें 1.567 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई थी। ऐतिहासिक रूप से देखा जाए तो अक्टूबर 2021 में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था।

अडानी-हिंडनबर्ग मामले में सेबी ने मांगा और तीन महीने का समय

- सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई के लिए 15 मई की तारीख तय की

नई दिल्ली ।

अडानी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि वह सेबी को मामले की जांच पूरी करने के लिए तीन महीने का समय देने पर विचार कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई के लिए 15 मई की तारीख तय कर दी है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुआई वाली बेंच ने कहा कि रजिस्ट्री को इस मामले में अदालत की ओर से नियुक्त जस्टिस (रिटायर) एएम सप्रे समिति की रिपोर्ट मिली है। समिति के तथ्यों पर गौर करने के बाद हम मामले में सुनवाई सोमवार को करना चाहेंगे। असल में सेबी ने अर्जी दाखिल कर कहा है कि मामले की छानबीन के लिए उसे छह महीने का और वक्त दिया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने 2 मार्च को हिंडनबर्ग अडाणी मामले में सेबी को मामले की दो महीने में जांच पूरी करने को कहा था। साथ ही रेग्युलेटरी ढांचे की समीक्षा के लिए एक `` विशेषज्ञ कमेटी का गठन किया था। सेबी ने कहा कि 12 संदिग्ध ट्रांजैक्शन और उसकी जटिलताओं का पता लगाने के लिए वक्त चाहिए। साथ ही तमाम ट्रांजैक्शन की गहन जांच और डेटा कलेक्शन के लिए वक्त चाहिए।

गौरतलब है` कि हिंडनबर्ग ने अडाणी ग्रुप पर शेयर मूल्यों में हेरफेर और गलत रेगुलेटरी जानकारी देने का आरोप लगाया था। इस पर कोर्ट ने 10 फरवरी को कहा था कि अडाणी समूह के शेयरों में भारी गिरावट आने के बाद शेयर बाजार में अस्थिरता को लेकर भारतीय निवेशकों के हितों की रक्षा किए जाने की जरूरत है। अडाणी टोटल गैस और अडाणी ट्रांसमिशन को मॉर्गन स्टेनली कैपिटल इंटरनैशनल (एमएससीआई) इंडिया इंडेक्स ने अपनी सूची से बाहर करने की घोषणा की है। एमएससीआई ने कहा कि 31 मई से ग्रुप की ये दोनों कंपनियां एमएससीआई इंडिया इंडेक्स से बाहर हो जाएंगी। इसके बाद दोनों कंपनियों के शेयरों में शुक्रवार को गिरावट आई। अडाणी टोटल के शेयर 4.18 फीसदी के साथ 819.30 के स्तर पर और अडाणी ट्रांसमिशन का शेयर भी 3.08 फीसदी की गिरावट पर बंद हुआ। जिन कंपनियों को इंडेक्स में शामिल किया जाएगा, उनके नाम हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स, मैक्स हेल्थकेयर इंस्टिट्यूट और सोना बीएलडब्ल्यू प्रिसिजन हैं।

डीएलएफका मार्च तिमाही में मुनाफा 40 फीसदी बढ़कर 569.6 करोड़

नई दिल्ली ।

जमीन जायदाद के विकास से जुड़ी प्रमुख कंपनी डीएलएफ का बीते वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में मुनाफा 40 प्रतिशत बढ़कर 569.6 करोड़ रुपए रहा।

कंपनी ने शेयर बाजार को यह जानकारी दी। बाजार पूंजीकरण के हिसाब से देश की सबसे बड़ी रियल एस्टेट कंपनी ने जनवरी-मार्च, 2022 की तिमाही में 405.54 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया था।

कंपनी ने बताया कि चौथी तिमाही में उसकी कुल आय घटकर 1,575.70 करोड़ रुपए रह गई, जो जनवरी-मार्च, 2022 में 1,652.13 करोड़ रुपए थी। डीएलएफ का पूरे वित्त वर्ष 2022-23 में मुनाफा 36 प्रतिशत वृद्धि के साथ 2,033.95 करोड़ रुपए रहा, जबकि इससे पिछले वर्ष में यह 1,500.32 करोड़ रुपए था।

कंपनी की कुल आय 2021-22 के 6,137.85 करोड़ रुपए से घटकर वित्त वर्ष 2022-23 में 6,012.14 करोड़ रुपए रही।

केनरा बैंक पर आरबीआई ने लगाया 2.92 करोड़ का जुर्माना

मुंबई ।

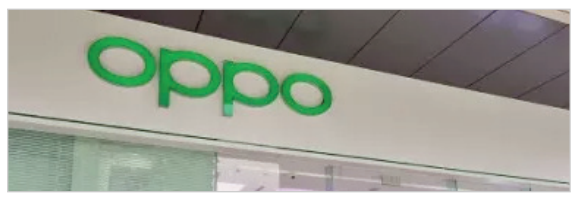

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने विभिन्न नियमों का उल्लंघन करने को लेकर केनरा बैंक पर 2.92 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने बताया कि यह कार्रवाई ब्याज दरों को रेपो दर जैसे बाह्य मानकों से संबद्ध करने और अपात्र इकाइयों के बचत खाते खोलने के संबंध में की गई। केंद्रीय बैंक ने कहा कि 31 मार्च, 2021 तक के बैंक के विवरण के आधार पर एक वैधानिक निरीक्षण किया गया था। एक अन्य बैंक की ओर से बड़ी धोखाधड़ी की शिकायत मिलने पर केंद्रीय बैंक ने जुलाई, 2020 में जांच की थी। जांच के बाद पाया गया कि बैंक 'फ्लोटिंग रेट आधारित खुदरा ऋण और एमएसएमई को दिए गए ऋण पर ब्याज को बाह्य मानक से नहीं जोड़ पाया। साथ ही वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान मंजूर और नवीनीकृत 'फ्लोटिंग रेट आधारित रुपए के कर्ज पर ब्याज को अपनी कोष की सीमांत लागत (एमसीएलआर) से भी नहीं जोड़ सका। आरबीआई ने कहा कि बैंक ने अपात्र इकाइयों के नाम पर कई बचत जमा खाते खोल दिए, कई क्रेडिट कार्ड खातों में फर्जी मोबाइल नंबर डाले गए और दैनिक जमा योजना के अंतर्गत जमा और खाता खोलने के 24 महीनों के अंदर समय से पहले रुपए निकालने पर पर ब्याज नहीं दिया गया। रिजर्व बैंक ने कहा कि बैंक ने ग्राहकों से एसएमएस सेवा का शुल्क ले लिया, जो उसके वास्तविक उपयोग के आधार पर नहीं था। बैंक लेन-देन के आधार पर ग्राहकों की जांच पड़ताल करने में भी विफल रहा। आरबीआई ने कहा` कि इसके बाद बैंक को नोटिस भेजते हुए उसे कारण बताने के लिए कहा गया कि उस पर जुर्माना क्यों नहीं लगाना चाहिए।

इसके बाद बैंक के लिखित एवं मौखिक जवाब पर विचार करने के बाद आरबीआई ने यह कार्रवाई की है।

ओप्पो ने बंद किया चिप डिजाइन यूनिट

बीजिंग।

स्मार्टफोन निर्माता ओप्पो ने अपनी चिप डिजाइन कंपनी जेकू को बंद कर दिया है। सेमीकंडक्टर बाजार भारी मंदी के दौर से गुजर रहा है। मीडिया ने शुक्रवार को ये जानकारी दी। जानकारी के अनुसार ओप्पो ने एक संक्षिप्त बयान में इस कदम की घोषणा की, इसे कठिन निर्णय कहा और वैश्विक अर्थव्यवस्था और स्मार्टफोन बाजार में अनिश्चितता को दोष दिया। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जेकू के कर्मचारियों को यूनिट बंद होने के बारे में एक दिन से भी कम समय का नोटिस मिला था। वैश्विक प्रौद्योगिकी ब्रांड ने 2019 में जेकू को उन चिप्स को डिजाइन करने के लिए स्थापित किया, जिनका उपयोग उसके उपकरणों में किया जा सकता है। शाउमी सहित अन्य स्मार्टफोन निर्माताओं ने भी अपने स्वयं के चिप-डिजाइन वर्टिकल स्थापित किए हैं। एडवान्स्ड सेमीकंडक्टर्स को लक्षित करने वाले अमेरिकी निर्यात प्रतिबंध के चलते चीन में चिप निर्माण गंभीर रूप से प्रभावित हुआ है। चीन सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री एसोसिएशन (सीएसआईए) के वेई शाओजुन के अनुसार पिछले साल चीन में 3,243 फैबलेस चिप फर्मों में से केवल 566 की बिक्री 100 मिलियन युआन (14.4 मिलियन डॉलर) से अधिक थी। वैश्विक सेमीकंडक्टर राजस्व में 2023 में 11.2 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान है। गार्टनर के नवीनतम पूर्वानुमान के अनुसार, 2022 में सेमीकंडक्टर का बाजार कुल 599.6 बिलियन डॉलर का था, जो कि 2021 से 0.2 प्रतिशत की मामूली वृद्धि थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यशस्वी को शीघ्र ही भारतीय टीम में जगह मिलेगी : शास्त्री

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री ने राजस्थान रायल्स के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की जमकर तारीफ करते हुए कहा है कि उन्हें शीघ्र ही भारतीय टीम में जगह मिलेगी। शास्त्री ने कहा, जिसने भी यशस्वी जायस्वाल की बल्लेबाजी देखी, उन सभी ने एक स्वर में उनकी तारीफ की है। जायसवाल के ऑफ साइड में खेले गए शॉट्स को देखें, उनका सिर बिल्कुल सटीक और स्थिर रहता है। उनके फुटवर्क में भी कोई कमी नहीं है। वह अभी 21 साल के है और बेहद कठिन हालातों से निकले हैं।' शास्त्री ने भारतीय टीम में यशस्वी के चयन पर कहा, तुरंत ही चयनकर्ता उन्हें देखना पसंद करेंगे, जो वह देख रहे हैं। वे लंबे इंतजार के बाद ऐसी प्रतिभा को देखना चाहेंगे। कोई ऐसा जो प्रत्येक प्रारूप में शानदार है। खासतौर से वह वाइट बॉल क्रिकेट में और टी20 में वह अपनी टीम के लिए आते हैं। वह इस बात की परवाह नहीं करते हैं कि उनके सामने कौन है। टीम चयन में सबसे पहला नाम उनका ही होगा।'

आज केकेआर को हराकर प्लेऑफ में जगह बनाने उतरेगी सीएसके

- अंतिम चार के लिए केकेआर को दोनों ही मैंच जीतना होगा

चेन्नई ।(एजेंसी)

चार बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का सामना करेगी। तब धोनी की टीम का लक्ष्य प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को मजबूत करना होगा। सुपर किंग्स के अभी 12 मैचों में 15 अंक हैं, और वह प्लेऑफ में जगह बनाने की अच्छी स्थिति में है। दूसरी ओर केकेआर के केवल 10 अंक हैं, इसकारण केकेआर को अपने बाकी बचे दोनों मैच जीतने के साथ बाकी टीमों के परिणाम भी अपने अनुकूल रहने की प्रार्थना करनी होगी। धोनी की अगुवाई वाली टीम पिछले दो मैचों में जीत दर्ज करके इस मैच में उतरेगी। इस टीम को अपने घरेलू मैदान पर हराना आसान नहीं होगा। धोनी के दो छक्के ही चेपॉक स्टेडियम में मौजूद दर्शकों के जश्न मनाने के लिए पर्याप्त हैं, जैसा कि उन्होंने दिल्ली के खिलाफ मैच में किया था जो कि आखिर में महत्वपूर्ण साबित हुए थे। सीएसके की बल्लेबाजी काफी मजबूत है।

सीएसके के लिए न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे और रुतुराज गायकवाड टीम को अच्छी शुरुआत दे रहे हैं, जबकि उसके बाद अजिंक्य रहाणे और शिवम दुबे अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभा रहे हैं। मोईन अली, जडेजा और अंबाती रायुडु जैसे बल्लेबाज अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर सके हैं, लेकिन सीएसके ने इस कमी को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। गेंदबाजी में श्रीलंकाई गेंदबाज मथीशा पथिराना टीम के लिए तुरुप का इक्का साबित हो रहे हैं। तुषार देशपांडे भले ही महंगे साबित हुए हैं, लेकिन उन्होंने विकेट लेने में कोताही नहीं बरती है। स्पिन विभाग में जडेजा, मोईन और महेश तीक्ष्णा अच्छी भूमिका निभा रहे हैं। इस मैच में केकेआर की संभावना उसके स्पिनरों के प्रदर्शन पर टिकी रहेगी।

वरुण चक्रवर्ती और सुयश शर्मा रविवार को कैसा प्रदर्शन करते हैं, इस पर मैच का परिणाम तय होगा है। अनुभवी सुनील नारायण इस सत्र में अभी तक नाकाम रहे हैं और वह यहां वापसी करने की कोशिश करने वाले हैं। बल्लेबाजी में कप्तान नितीश राणा और वेंकटेश अय्यर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन केकेआर को अपने सलामी बल्लेबाजों से अच्छी शुरुआत की उम्मीद रहेगी। केकेआर के बल्लेबाजों को हालांकि पथिराना के यॉर्कर और धीमी गेंदों तथा जडेजा की चतुराई भरी गेंदबाजी से सतर्क रहना होगा।

टीम इस प्रकार हैं-

चेन्नई सुपर किंग्स- एमएस धोनी (कप्तान एवं विकेटकीपर), आकाश सिंह, मोइन अली, भगत वर्मा, दीपक चाहर, डेवोन कॉनवे, तुषार देशपांडे, शिवम दुबे, रुतुराज गायकवाड़, राजवर्धन हैंगरगेकर, रवींद्र जडेजा, सिसंडा मगाला, अजय मंडल, मथीशा पथिराना , ड्वेन प्रीटोरियस, अजिंक्य रहाणे, शैक रशीद, अंबाती रायडू, मिचेल सेंटनर, सुभ्रांशु सेनापति, सिमरजीत सिंह, निशांत सिंधु, प्रशांत सोलंकी, बेन स्टोक्स, महेश तीक्ष्णा।

कोलकाता नाइट राइडर्स- नीतीश राणा (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज, जेसन रॉय, वेंकटेश अय्यर, आंद्रे रसेल, सुनील नारायण, शार्दुल ठाकुर, लॉकी फर्ग्यूसन, उमेश यादव, टिम साउदी, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, अनुकुल रॉय, रिंकू सिंह, एन जगदीसन, वैभव अरोड़ा, सुयश शर्मा, डेविड वीज, कुलवंत खेजरोलिया, मनदीप सिंह, आर्या देसाई और जॉनसन चार्ल्स।

जोकोविच की इटालियन ओपन में संघर्षपूर्ण जीत

रोम ।(एजेंसी)

फ्रेंच ओपन की तैयारियों में जुटे नोवाक जोकोविच ने विश्व में 61वीं रैंकिंग के टॉमस मार्टिन एच्चेवेरी के खिलाफ संघर्ष पूर्ण जीत दर्ज कर इटालियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के अगले दौर में प्रवेश किया। इस क्ले कोर्ट टूर्नामेंट में सातवां खिताब जीतने की कवायद में लगे जोकोविच ने एच्चेवेरी को हराया। जोकोविच दाहिनी कोहनी में चोट के कारण तीन सप्ताह बाद कोर्ट पर वापसी कर रहे हैं। जोकोविच का अगला मुकाबला ग्रिगोर दिमित्रोव से होगा, जिन्होंने स्टेन वावरिंका को हराया। पुरुष वर्ग के अन्य मैचों में स्थानीय खिलाड़ी यानिक सिनर ने थानासी कोकिनाकिस को 6-1, 6-4 से, ऑस्ट्रेलियाई क्वालीफायर अलेक्सी पोपिरिन ने फेलिक्स ऑगर अलियासिम को 6-4, 4-6, 7-5 से, इटली के फैबियो फोगनिनी ने मिओमिर केकमानोविकच को 6-3, 7-6 (6) से और सातवीं वरीयता प्राप्त होल्गर रून ने आर्थर फिल्स को 6-3, 6-3 से हराया। महिलाओं के वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक ने अनास्तासिया पाव्लुचेनकोवा को 6-0, 6-0 से हराकर रोम में अपना तीसरा खिताब जीतने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। अन्य मैचों में पाउला बडोसा ने पिछले साल की उपविजेता ओन्स जैबूर को 6-1, 6-4 से, नौवीं वरीयता प्राप्त मारिया सकारी ने बारबोरा स्ट्राइकोवा को 6-1, 6-3 से और करोलिना मुचोवा ने 18 वीं वरीयता प्राप्त मार्टिना ट्रेविसन को 3-6, 6-3, 7-5 से हराया।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स को बनाया जाएगा जीरो वेस्ट इवेंट

(एजेंसी)

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में प्रतिभागी खिलाड़ी स्वच्छ गोरखपुर-सुंदर गोरखपुर का भी दीदार करेंगे। गोरखपुर की मेजबानी में रामगढ़ताल में होने जा रही रोइंग प्रतियोगिता को जीरो वेस्ट इवेंट के रूप में संपन्न कराने की कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। प्रतियोगिता स्थल और आसपास तनिक भी गंदगी न दिखे, इसके लिए नगर निगम 24 घंटे का पैटर्न पर सफाईकर्मियों के विशेष दस्ते की तैनाती करेगा। रामगढ़ताल में रोइंग प्रतियोगिता 27 से 31 मई तक होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर हो रहे इस आयोजन को अविस्मरणीय बनाने के लिए कई विभागों को जिम्मेदारी दी गई है। प्रतियोगिता के साथ शहर की भी ब्रांडिंग हो, इसके लिए शहर की स्वच्छता और सुंदरता पर खास फोकस रहेगा। संपूर्ण आयोजन में स्वच्छता व अन्य नागरिक सुविधाओं की जिम्मेदारी नगर निगम की होगी। नगर निगम आयोजन स्थल समेत आसपास के क्षेत्र में विशेष स्वच्छता दस्ते की तैनाती करेगा। साथ ही निगम की तरफ से अस्थायी टॉयलेट (महिला-पुरुष) मूवेबल टॉयलेट और पीने के पानी की समुचित व्यवस्था कराई जाएगी। अस्थायी और मूवेबल टॉयलेट की साफ सफाई के लिए पर्याप्त संख्या में सफाईकर्मी ड्यूटी पर लगाए जाएंगे। नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल का कहना है कि खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के अंतर्गत गोरखपुर को रोइंग प्रतियोगिता की मेजबानी मिलना एक उपलब्धि है। मुख्यमंत्री जी की मंशा के अनुरूप नगर निगम पहले से स्वच्छ गोरखपुर-सुंदर गोरखपुर के मंत्र को साकार करने में जुटा हुआ है। इसी क्रम में नगर निगम रोइंग प्रतियोगिता को जीरो वेस्ट इवेंट की तरह संपन्न कराएगा।

मुंबई इंडियंस की जीत के हीरो सूर्यकुमार यादव की जहीर और सुरेशा रैना ने की प्रशंसा

सही समय पर मुंबई इंडियंस के खिलाड़ी अपने रंग में आया

मुंबई ।(एजेंसी)

गुजरात टाइटंस की 2023 आईपीएल स्टैंडिंग में शीर्ष स्थान हासिल करने की कोशिश में मुंबई इंडियंस एक चुनौतीपूर्ण हिचकी साबित हुई, जहां मुंबई ने वानखेड़े स्टेडियम में गुजरात टाइटंस को 27 रनों से हरा दिया। यह एक स्काई शो था, क्योंकि सूर्यकुमार यादव ने बल्ले से शानदार प्रदर्शन करते हुए 49 गेंदों में 11 चौकों और छह छक्कों की मदद से 103 रन बनाकर मुंबई को 218 रनों के कुल स्कोर तक पहुंचा दिया।

गुजरात के शीर्ष क्रम के जल्दी आउट होने के कारण उनके हाथों से रन-चेज फिसल गया, यहां तक कि राशिद के देर से आए 79 रन (32 गेंद, तीन चौके, 10 छक्के) भी गुजरात को जीत दिलाने के लिए पर्याप्त नहीं थे। यह जीत मुंबई को स्टैंडिंग में तीसरे स्थान पर रखती है, जिससे वे अपने सीजन में बदलाव को पूरा करने और प्लेऑफ स्थान हासिल करने के करीब आते हैं, जबकि गुजरात इस हार के बावजूद तालिका के शीर्ष पर चेन्नई पर एक अंक की बढ़त रखता है।

यादव ने अपनी शानदार पारी से सारी सुर्खियां चुरा लीं, जिससे आईपीएल में उनका पहला शतक बना। उनके प्रभाव ने मुंबई इंडियंस को पांच मैचों में उनकी चौथी जीत के लिए प्रेरित किया, जिसके कारण आईपीएल विशेषज्ञ जहीर खान ने उनकी प्रशंसा की। जिस सूर्य को हम जानते हैं वह वापस आ गया है, और बेहतर और बेहतर हो रहा है, विशेष रूप से एक महत्वपूर्ण समय पर। टूर्नामेंट में किसी भी टीम के लिए यह समय सबसे महत्वपूर्ण होने वाला है, क्योंकि आप टूर्नामेंट के अंत तक पहुंच रहे हैं, प्लेऑफ में जा रहे हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ कदम आगे बढ़ा रहे हैं। जब आपके पास सूर्या है, तब कुछ भी हो सकता है। टीमें एमआई लाइन-अप को ध्यान से देख रही होंगी। प्यार से स्काई कहलाने वाले बल्लेबाज ने वानखेड़े स्टेडियम के ऊपर छक्कों से मुंबई के क्षितिज को रंग दिया। सुरेश रैना रात को बल्लेबाजी करने के लिए यादव के माप दृष्टिकोण से काफी प्रभावित थे, वह गेंदबाज के मनोविज्ञान के साथ खेलते हैं। जिस तरह से उन्होंने गेंद को मैदान के चारों ओर मारा। आज, वह एक बार फिर शांति के साथ बल्लेबाजी कर रहे थे। उनका दृष्टिकोण अच्छा था। यादव ने 49 गेंदों में 103 रनों के लिए गेंद को मैदान के चारों ओर मारकर अपने छक्के के साथ इसे समाप्त कर दिया। अपने शीर्ष क्रम के पतन के बाद टाइटंस के पास इस जीत को खींचने का एक मामूली मौका था, लेकिन राशिद खान के देर से छक्कों की बौछार ने प्रशंसकों को कुछ अंतिम क्षणों का मनोरंजन दिया।

संक्षिप्त समाचार

बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने बताया शतक लगाने का राज

नई दिल्ली । धुंआधार बल्लेबाज शिवकुमार यादव ने अपने शतक लगाने का राज जाहिर किया है। गौरतलब है कि शुक्रवार को आईपीएल 2023 के 57वें मुकाबले में सूर्यकुमार यादव के बल्ले ने खूब आग उगली। गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में सूर्यकुमार यादव ने 49 गेंदों में 11 चौके और 6 छक्कों की मदद से नाबाद 103 रनों की शतकीय पारी खेली। सूर्यकुमार का यह आईपीएल का पहला शतक था और उनके इस शतक की बदौलत मुंबई ने 27 रनों से गुजरात पर बड़ी जीत दर्ज की। सूर्यकुमार को इस मैच जिताऊ पारी के चलते मैन ऑफ द मैच पुरस्कार से नवाजा गया। इस मौके पर सूर्युकुमार यादव ने कहा कि वह बल्लेबाजी में काफी अभ्यास करते हैं और उन्होंने कहा कि वह सीधे आकर हिट करने की नहीं सोचते, बल्कि उन्हें पता होता है कि वह कौनसे शॉट खेलना चाहते हैं। सूर्यकुमार ने कहा कि ऐसा कह सकते हैं कि यह मेरी सर्वश्रेष्ठ टी20 पारियों में से एक थी। मैं जब भी रन बनाता हूं तो मुझे यह लगता है कि टीम को जरूर जीतना चाहिए। इस मैच की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि टीम ने आज पहले बल्लेबाजी की और कहेंगे कि अगर आप 200-220 रनों का पीछा कर रहें हैं तो इसी गति से रन बनाएंगे। मैदान पर काफी ओस थी और 7-8वें ओवर से ही ओस आ गई थी। शिवकुमार ने आगे कहा कि मुझे अपनी पारी के दौरान पता था कि कौन से शॉट्स खेलने हैं। मैं सीधे आकर हिट करने के बारे में नहीं सोच रहा था। मेरे दिमाग में दो शॉट थे- एक तो फाइन लेग पर और एक थर्ड मैन के ऊपर से। खेल से पहले काफी अभ्यास होता है, इसलिए जब मैं खेलने आता हूं तो मैं बहुत स्पष्ट होता हूं और खुद को पूरी तरह व्यक्त करता हूं। सूर्यकुमार यादव की 49 गेंद में नाबाद 103 रन की आतिशी पारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर मुंबई इंडियंस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गुजरात टाइटंस को 27 रन से शिकस्त दी। मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 218 रन बनाने के बाद गुजरात की पारी को आठ विकेट पर 191 रन पर रोक दिया। इस जीत के बाद मुंबई की टीम 12 मैच में सात जीत से 14 अंकों के साथ तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गयी।

एरलिंग हालैंड और सैम केर बने वर्ष के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर

लंदन । एरलिंग हालैंड को मैनचेस्टर सिटी की तरफ से अपने पदार्पण वर्ष में अपना शानदार प्रदर्शन करने के लिए इंग्लैंड में वर्ष का फुटबॉलर चुना गया जबकि महिलाओं में सैम केर ने लगातार दूसरे साल यह पुरस्कार जीता। यह पुरस्कार फुटबॉल राइटर्स एसोसिएशन की तरफ से दिया जाता है जिसने बताया कि हालैंड को कुल 82 प्रतिशत मत मिले। उन्होंने इस दौड़ में आर्सेनल के बुकायो साका और मार्टिन ओडेगार्ड को पीछे छोड़ा। नार्वे के 22 वर्षीय खिलाड़ी हालैंड ने सिटी की तरफ से सभी प्रतियोगिताओं में अभी तक 51 गोल किए हैं। वह प्रीमियर लीग के एक सत्र में सर्वाधिक गोल करने का रिकॉर्ड बना चुके हैं। हालैंड ने प्रीमियर लीग में अभी तक 35 गोल किए हैं। महिला वर्ग में केर ने पुरस्कार की दौड़ में एस्टन विला की फॉरवर्ड रेचेल डेली और चेल्सी की अपनी साथी लॉरेन जेम्स को पीछे छोड़ा।

मुंबई की जीत से हिल गई पूरी अंक तालिका, राजस्थान को हुआ नुकसान

- तीसरे से चौथे स्थान पर पहुंचा

मुंबई ।

आईपीएल 2023 के 57वें मैच में मुंबई इंडियंस ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 29 रनों से शानदार जीत दर्ज की। मुंबई ने पहले बल्लेबाजी कर सूर्यकुमार यादव के नाबाद 103 रनों की मदद से 5 विकेट खोकर 218 रन बनाए थे। वहीं गुजरात की टीम 191 रन ही बना सकी। मुंबई की इस जीत से अंक तालिका हिल चुकी है। जहां मुंबई अब 12 मैचों में 14 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है, वहीं राजस्थान रॉयल्स को नुकसान पहुंचा है।

दरअसल, राजस्थान रॉयल्स फिर से चौथे नंबर पर खिसक गई है। टॉप-4 टीमों पर नजर डालें तब गुजरात टाइटंस, चेन्नई सुपर किंग्स, मुंबई और राजस्थान के सभी के 12-12 मैच हो चुके हैं। गुजरात 16 अंकों के साथ पहले, चेन्नई 15 अंक के साथ दूसरे और मुंबई 14 अंक के साथ तीसरे स्थान पर आ चुकी है। वहीं राजस्थान 12 मैचों में 12 अंक के साथ नंबर 4 पर बनी हुई है। इन सभी टीमों के अब सिर्फ 2-2 मैच बचे हैं।

57 मैचों तक ऐसी है अंक तालिका-

- गुजरात - मैच 12, जीते 8, हारे 4, अंक 16, नेट रन रेट +0.761
- चेन्नई - मैच 12, जीते 7, हारे 4, अंक 15, नेट रन रेट +0.493
- मुंबई - मैच 12, जीते 7, हारे 5, अंक 14, नेट रन रेट -0.117
- राजस्थान - मैच 12, जीते 6, हारे 6, अंक 12, नेट रन रेट +0.633
- लखनऊ - मैच 11, जीते 5, हारे 5, अंक 11, नेट रन रेट +0.294
- आरसीबी - मैच 11, जीते 5, हारे 6, अंक 10, नेट रन रेट -0.345
- केकेआर - मैच 12, जीते 5, हारे 7, अंक 10, नेट रन रेट -0.357
- पंजाब - मैच 11, जीते 5, हारे 6, अंक 10, नेट रन रेट -0.441
- हैदराबाद - मैच 10, जीते 4, हारे 6, अंक 8, नेट रन रेट -0.472
- दिल्ली - मैच 11, जीते 4, हारे 7, अंक 8, नेट रन रेट -0.605

अपने 6 साल के बेटे के लिए मुंबई इंडियंस से खेल रहा हूं : चावला

- मेरा बेटा मैंच के बाद उनके खेल का रिव्यू करता

मुंबई । पीयूष चावला आईपीएल के पिछले सीजन में अनसोल्ड थे। इसके बाद चावला लीग में क्रिकेट एक्सपर्ट और कमेंटेटर के रूप में नजर आए। आईपीएल 2023 की नीलामी में मुंबई इंडियंस ने 34 साल के पीयूष चावला को बेस प्राइस 50 लाख में खरीदा। अभी वह लीग में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में तीसरे नंबर पर हैं। 12 मैच में 19 बल्लेबाज उनका शिकार हो चुके हैं। चावला का किसी भी आईपीएल सीजन में यह बेस्ट प्रदर्शन भी है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले के बाद मुंबई इंडियंस के गेंदबाज चावला ने कहा कि वह अपने बेटे के लिए खेल रहे हैं। मैच के बाद चावला ने कहा, यह सीरीज बहुत मायने रखता है क्योंकि यह केवल वापसी नहीं है। मैं अपने बेटे के लिए भी खेलना चाहता था क्योंकि उसने मुझे खेलते हुए नहीं देखा था। जब उसने मुझे देखा तब वह बहुत छोटा था। अब वह इसे बेहतर ढंग से समझने लगा है।2006 में भारत के लिए डेब्यू करने वाले चावला ने कहा, वह अभी भी 6 साल का है। लेकिन वह वास्तव में खेल का फॉलो करता है और खेल को समझता है। इसलिए मैं खेलना चाहता था और उसके लिए कुछ खास करना चाहता था उन्होंने बताया कि उनका बेटा मैच के तुरंत बात उनके खेल का रिव्यू भी करता है। अगर साथ नहीं होता है फोन कॉल पर। पीयूष चावला के अनुसार उनका बेटा ही उनका सबसे बड़ा क्रिटिक है। चावला इस सीजन मुंबई इंडियंस की गेंदबाजी की जान हैं। टीम के सभी गेंदबाज महंगे साबित हो रहे हैं। टॉप-15 में उनके अलावा टीम का कोई भी गेंदबाज नहीं है। चावला ने 12 मैचों में 7.59 की इकोनॉमी से रन दिए हैं। वहीं अन्य गेंदबाज खूब महंगे रहे हैं। रोहित को जब भी विकेट लेना या रन रोकना होता है, तब चावला की तरफ ही देखते हैं।

रौलां-गैरो के लिए पुरस्कार राशि 12.3 प्रतिशत बढ़ी

पेरिस । इस साल के रौलां-गैरो के लिए पुरस्कार राशि कुल 49.6 मिलियन यूरो होगी, जो 2022 से 12.3 प्रतिशत अधिक होगी। क्ले कोर्ट मेजर के आयोजकों ने इसकी घोषणा की। आयोजकों ने महिला और पुरुष एकल ड्रॉ में पहले दौर में हारने वालों के लिए पुरस्कार राशि में काफी वृद्धि कर खिलाड़ियों के बीच अधिक समान वितरण सुनिश्चित करने के लिए क्वालीफाइंग, व्हीलचेयर टेनिस और क्वाड प्रतियोगिताओं में दी जाने वाली राशि में वृद्धि की है। एकल ड्रॉ के लिए पुरस्कार राशि में 2022 की तुलना में 9.1 प्रतिशत की वृद्धि देखी जाएगी, जिसमें पहले तीन राउंड में हारने वालों को 11 प्रतिशत और 13 प्रतिशत के बीच अधिक प्राप्त होगा। 2022 में किए गए बदलावों के बाद, आयोजकों ने क्वालीफाइंग प्रतियोगिता के तीन राउंड के लिए पुरस्कार राशि बढ़ाने का भी फैसला किया है, जो औसतन 11.8 प्रतिशत बढ़ जाएगा। महिला और पुरुष युगल प्रतियोगिताओं के पुरस्कार पॉट में 4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस वर्ष की व्हीलचेयर और क्वाड टेनिस प्रतियोगिता के लिए आवंटन 810,000 यूरो है, जो 2022 से 40 प्रतिशत की वृद्धि के बराबर है। फ्रेंच ओपन 28 मई से 11 जून तक पेरिस में होना है।

टी20 विश्व कप टीम चयन में हार्दिक को मिलेगी तवज्जो, नये चेहरों की होगी एंट्री

नयी दिल्ली ।(एजेंसी)

पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री अगले साल टी20 विश्व कप की भारतीय टीम में कई नये चेहरों की एंट्री हो सकती हैं। टीम चयन मामलों में कप्तान हार्दिक पंड्या की बातों को काफी तवज्जो दी जायेगी। जानकारी के अनुसार टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान रोहित शर्मा के साथ स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अब भी टी20 टीम की योजना में बने हुए हैं लेकिन पिछले साल ऑस्ट्रेलिया में हुए टी20 विश्व कप में सेमीफाइनल से बाहर होने के बाद सीनियर खिलाड़ियों को चरणबद्ध तरीके से बाहर करने की प्रक्रिया शुरू हो गई थी। इस दौरान रवि शास्त्री ने कहा कि मुझे लगता है कि वे ऐसा (नये खिलाड़ियों को टीम में मौका) ही करेंगे। इस पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी ने कहा कि टी20 विश्व कप आ रहा है और युवाओं में बहुत प्रतिभा है। इस साल के आईपीएल में हमने कुछ बेहतरीन प्रतिभाएं देखी हैं। यह पूरी तरह नयी टीम नहीं होगी लेकिन इसमें कई नये चेहरे होंगे। वह (हार्दिक) पहले से ही इस प्रारूप में भारत के कप्तान हैं। अगर फिटनेस समस्या नहीं हुई तो वह टीम का नेतृत्व करना जारी रखेंगे।

शास्त्री को लगता है कि 2007 के विश्व कप की तरह आगामी टूर्नामेंट में युवा खिलाड़ियों को मौका मिलेगा। उस समय महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व में युवाओं से भरी भारतीय टीम ने विश्व कप का खिताब जीता था।शास्त्री का मानना है कि भारतीय टीम प्रबंधन फिर से 2007 टी20 विश्व कप के रास्ते पर चलेगा। वे प्रतिभा की पहचान करेंगे और उनके पास विकल्प की कोई कमी नहीं होगी। ऐसे खिलाड़ियों का भी विकल्प होगा जो आईपीएल टीमों की कप्तानी कर चुके होंगे। शास्त्री ने कहा कि फिलहाल हार्दिक के साथ कार्यभार प्रबंधन की कोई समस्या नहीं है। आईपीएल और एकदिवसीय विश्व कप के बीच भारतीय टीम चार-पांच (सीमित ओवरों के मैच) मुकाबले ही खेलेगी। वह टेस्ट टीम का हिस्सा नहीं है। टेस्ट श्रृंखला के समय उसे विश्राम का मौका मिलेगा।

सीएसके टीम में आकर धोनी की कप्तानी में खेलना रहाणे के लिए बड़ी बात

मुंबई ।

अजिंक्य रहाणे ने दावा किया है कि उनके आईपीएल 2023 के शानदार अभियान के बाद चेन्नई सुपर किंग्स में आना और एमएस धोनी की कप्तानी में खेलना उनके लिए बहुत बड़ी बात है। आपको बता दें कि रहाणे सीएसके टीम में अपने समय का पूरा आनंद ले रहे हैं क्योंकि उन्होंने इस सीजन में खुद को एक टी20 खिलाड़ी के रूप में फिर से स्थापित किया है। भारतीय बल्लेबाज ने इस सीजन में खेले नौ मैचों में 171.61 की स्ट्राइक रेट से 266 रन बनाए हैं और इस शानदार प्रदर्शन के चलते उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिए भारतीय टीम में भी जगह बनाई है। अपने बयान में रहाणे ने कहा कि उन्होंने धोनी से कप्तानी और नेतृत्व के बारे में बहुत कुछ सीखा। सीएसके में आना और एक बार फिर धोनी के लिए खेलना उनके लिए बहुत बड़ी बात है और वह इस सीजन में पूर्व भारतीय कप्तान से बहुत कुछ सीखेंगे। रहाणे ने कहा कि मेरे पहले कप्तान एमएस थे और मैंने उनकी कप्तानी और नेतृत्व से बहुत कुछ सीखा। जब मैं कप्तान था या टीम का नेतृत्व किया, तो मेरे लिए यह हर एक व्यक्ति को अलग तरीके से प्रबंधित करने के बारे में था। क्योंकि हर व्यक्ति का एक अलग तरीका होता है, पद्धति और खेलने की शैली होती है। इसलिए, मेरे लिए, यह आमने-सामने बातचीत करने के बारे में है, जिसमें मैं हमेशा विश्वास करता हूं। रहाणे ने आगे कहा कि लेकिन यहां आना और मेरे लिए फिर से एमएस के तहत खेलना, यह बहुत बड़ी बात है। मैं निश्चित रूप से उनसे बहुत कुछ सीखने वाला हूं, लेकिन एमएस को इनपुट देते हुए, मैं इस बारे में निश्चित नहीं हूं। वह अनुभवी है और हम सभी जानते हैं कि वह लीडर हैं। वह इसे वास्तव में अच्छी तरह से प्रबंधित करते हैं। वह खेल को वास्तव में अच्छी तरह से समझते हैं। एक बात मुझे यकीन है कि मैं इस सीजन में उससे बहुत कुछ सीखूंगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बलिदानियों की धरती चित्तौड़गढ़

बलिदान की उन सैंकड़ों कहानियों का गवाह रहा हूं, जिन पर वर्तमान को मुझपर अभिमान है.कभी लहू देकर मेरा सम्मान किया गया.तो कभी उन जलती चिता को देखकर मैंने आंसू बहाए.जो मेरी बेटी थी.जो मेरा बेटा था.मेरी धरती पर उन बेटों ने जन्म लिया है.उन बेटियों ने जन्म लिया है, जिनपर आज भी मुझे गर्व है.आज मैं अपनी कहानी सुना रहा हूं.मैं चित्तौड़गढ़ हूं.आज मैं अपने इतिहास. वीरतापूर्ण लड़ाइयों.राजपूत शूरता. महिलाओं के अद्वितीय साहस की कई और कहानियां सुना रहा हूं. दुनिया में वीरता, बलिदान, त्याग, साहस के न जाने कितने किरदार आपने देखे होंगे और सुने होंगे.पर मुझे नाज है कि हिंदुस्तान की सरजमीं पर इतने सारे नायकों से भरी धरा कोई नही है.

मेरा इतिहास मेरी जुबानी

चित्तौड़ की इस पावन धरा ने तो अन्याय और अत्याचार के खिलाफ ही लड़ना जाना.हमें क्या पता ये सियासत क्या होती है.हिंदू-मुसलमान के नाम पर हमें मत बांटो.हमने अपने बेटों को कभी धर्म और संप्रदाय की आंखों से नहीं देखा. जब मुगल बाबर ने हमें आंखें दिखाई थी, तो खन्वा के युद्ध में मेरे बेटे राणा सांगा का साथ देने के लिए हसन खान चिश्ती और महमूद लोदी ही तो आए थे.जब अत्याचारी अहमद शाह हमें लूटने पहुंचा, तो हमारी राजमाता कर्णावती ने रक्षा के लिए अपने मुगल भाई हुमायूं को ही तो राखी भेजी थी.जब मेरे प्रतापी बेटे महाराणा प्रताप के खिलाफ सभी सगे संबंधी मुगल अकबर के साथ हो गए, तो प्रताप का सेनापति बनकर पठान योद्धा हाकम खान सूर ने ही युद्ध में बलिदान दिया.मुझे किसी करणी सेना के नाम पर किसी जाति में मत बांधो.जब खुद के एक मेरे नालायक बेटे बनबीर ने मेरे ऊपर अत्याचार किए, तो मेरे वारिस उदय सिंह को बचाने के लिए गुर्जर जाति की पन्नाधाय ने अपने बेटे चंदन का बलिदान कर मेरे वारिस को बचाया था. जब महराणा प्रताप की मदद किसी ने नहीं की, तो एक वैश्य ने सबकुछ बेचकर मेरी 12,000 सेनाओं का खर्च उठाया. जब राजपूत राजा हमारे लिए लड़ रहे प्रताप के खिलाफ अकबर से जा मिले, तो प्रताप की सेना में लड़ने के लिए घूमंतु आदिवासी गड़रिया लुहार ही साथ आए थे.जब अकबर ने हमला किया तो किसी रानी ने नहीं बल्कि फूलकंवर के नेतृत्व में मेरे गोद में चित्तौड़ की सभी महिलाओं ने आखिरी जौहर किया था.

पांचवी सदी में मौर्यवंश के शासक चित्तरांगन मौरी ने जब 7 मील यानी 13 किमी की लंबाई, 180 मी.ऊंचाई और 692 एकड़ में फैले इस पहाड़ी पर मुझे बसाया था.तब किसी को कहां पता था कि दुनिया का सबसे बुजुर्ग गढ़ मैं, यानी चित्तौड़गढ़, हिंदुस्तान की माटी का तिलक बन जाउंगा.मोरी वंश के अंतिम शासक मान सिंह मोरी के बाद मेरे पास 728 ईसवीं में गोहिल वंश के शासक आए.गोहिलों के शासन के बाद रावल वंश का शामन चला.कहते हैं गोहिलों ने दहेज में राजकुमारी को ये किला भेंट किया.रानी, राजकुमारी से रावल वंश के वंशज बप्पा रावल की शादी हुई थी. सातवीं से 13वीं सदी तक मेरे वैभव का काल था.जब हमारी सुचिता, वैभव और पराक्रम की कहानियां दूर-दूर तक कही जाने लगी.लेकिन चौदहवीं सदी से लेकर 16 वीं सदी तक हमने सबसे बुरा दौर देखा.जाने किसकी नजर हमारे चित्तौड़गढ़ पर लग गई और रावल वंश के शासक रतन सिंह के शासन के दौरान 1303 में अलाउद्दीन खिलजी ने मेरे उपर हमला कर दिया.हिंदुस्तान के सबसे सुरक्षित माना जाने वाला अभेद्य दुर्ग सबसे कमजोर भी हो सकता है ये खिलजी की युद्धनीति ने पहली बार सामने ला दिया.फिर यहीं से हम हमेशा के लिए कमजोर बनते चले गए.सात दरवाजों से घिरे मेरे अंदर सात विशाल दुर्ग दरवाजे हैं, जिसे कोई पार नही कर सकता.लेकिन 1303 में खिलजी ने जाड़े में चारो तरफ से मुझे घेरकर मैदान में डेरा डाल दिया.वो मेरे अंदर नहीं आ सकता था.लेकिन दुर्ग के अंदर हमारे राशन-पानी को बंद कर दिया.सात महीने में हम बेबस होकर युद्ध के लिए मैदान में आए और हमारे रावल रतन सिंह और उनके दो बहादुर सेनापति गोरा-बादल शहीद हुए.

हमारी रुपवती रानी पद्मिनी को 16000 रानियों के साथ जौहर करना पड़ा.ये पहली बार था, जब हमारी वीरता और साहस-बलिदान की अमर कहानी दुनिया ने देखी.कहते हैं अलाउद्दीन लंपट स्वभाव का था और पद्मिनी को पाने के लिए युद्ध किया था.लेकिन हिंदुस्तान की सबसे ताकतवर सेना के होते हुए भी वो हमारी महरानी को नही पा सका.रावलों के शासन का यहीं अंत हुआ.13 साल तक अलाउद्दीन खिलजी और उसके बेटे खेजर ने मेरे ऊपर राज किया.इस दौरान पूरे महल को तोड़ दिया गया और 1000 हजार से भी ज्यादा मंदिर भी तोड़ दिए.ये हमारे ऊपर हुए अत्याचार की इंतहा थी.लेकिन हमने उम्मीद नहीं छोड़ी थी.उसके बाद गोहिल वंश के ही भाई राणा वंश के सिसोदियाओं ने हमारे ऊपर राज किया.1325 में राणा हमीर ने इसे अपना किला बनाया और राणा वंश यानी सिसोदिया वंश का शासन चलना शुरु हुआ.और आखिरी तक मेरे ऊपर सिसोदिया वंश का ही शासन रहा. मेरे उपर सबसे ज्यादा सिसोदिया वंश ने ही राज्य किया.और इस वंश में कई प्रतापी राजा हुए.राजा रतन सिंह से लेकर महराणा प्रताप ने चित्तौड़गढ़ पर शासन किया.महाराणा सांगा.महाराणा कुंभा भी चित्तौड़गढ़ के महान राजाओं में से एक हुए.इन राजाओं ने चित्तौड़गढ़ को एक अलग पहचान दिलवाई.मैं यानी चितौड़गढ़ किला अभेद्य था.पहाड़ी के किनारे-किनारे खड़े चट्टानों की पंक्ति थी.साथ ही साथ दुर्ग में अंदर जाने के लिए लगातार सात दरवाजे बनाए गये थे. लिहाजा, दुश्मनों के लिए किले के अंदर जाना नामुमकिन था.लेकिन, विशाल मैदान के बीच में पहाड़ी पर ये किला बना था.जिसकी वजह से दुश्मन विशाल मैदान में डेरा डाल देते थे.और किले के अंदर खाने की सप्लाई रोक देते थे. नतीजा किले के दरवाजों को खोलने के लिए राजाओं को विवश होना पड़ता था. और शत्रुओं की विशाल सेना होने की वजह से उन्हें हार का मुंह देखना पड़ता था.

रानी कर्णावती

रामी पद्मावती की कहानी तो आपने सुनी लेकिन राणा सांगा की पत्नी कर्णावती का भी बलिदान भी हमारे गर्भ में छिपा है.जब गुजरात के शासक अहमद शाह ने 1535 ईवी में चित्तौड़ पर हमला किया, तब बाबर के साथ खानवा के युद्ध में घायल राणा सांगा की मौत हो चुकी थी.राणा सांगा के पुत्र विक्रमादित्य के व्यवहार से परेशान किसी राजा ने हमारी मदद नहीं की.तो कर्णावती ने हूमायूं को राखी भेजते हुए लूटेरे अहमद शाह के खिलाफ मदद मांगी.हूमायूं को कर्णावती का संदेशा देर से मिला और मदद करने वो नहीं आ पाया.दो साल की लड़ाई के बाद अहमद शाह की जीत हुई तो 1537 ईवी में हजारों रानियों के साथ एक बार फिर कर्णावती ने मेरे अंदर दुर्ग में जौहर किया.

रानी मीरा

राणा सांगा के बेटे भोजराज के साथ मेड़ता की राजकुमारी की शादी हुई. लेकिन मीरा का मन कभी रानीवासा में नही लगा.वो तो गोपाल नंदलाल यानी कृष्ण के मंदिर में ही बैठी रहती है.राणा कंभा ने बाद में मीरा का मंदिर ही बना दिया जो आज भी चित्तौड़गढ़ में मौजूद है.

पन्ना धाय

राणा विक्रम सिंह की हत्या कर उनके चाचा का लड़का बनवीर चित्तौड़ की गद्दी पर बैठना चाहता था.तब चित्तौड़ के वारिस उदय सिंह पालना में थे.रानी कर्णावती की दाई पन्नाधाय उनकी देखभाल करती थी.जब पन्नाधाय को पता चला कि बनवीर तलवार लेकर उदय सिंह को मारने आ रहा है, तो पन्नाधाय ने चित्तौड़ के वारिस उदय सिंह को कुंभलगढ़ रवाना कर अपने बेटे चंदन को उदय सिंह के सामने सुला दिया और बनवीर ने मां पन्नाधाय के सामने ही उनके पुत्र चंदन को अपनी तलवार से दो टुकड़े कर दिए.

महाराणा प्रताप

जब अकबर ने एकबार फिर 1567 ईवीं में मेरे ऊपर हमला किया, तो उड़ई सिंह मेरे ऊपर राज करते थे.अकबर ने पूरी तरह से किले को बर्बाद कर दिया.एक बार फिर फूलकंवर के नेतृत्व में मेरे अंदर जौहर हुआ.तब हमारे राजा उदय सिंह ने 1568 में अकबर के संधि के अनुसार मुझे छोड़कर उदयपुर को अपनी राजधानी बना लिया.तब तय हुआ कि चित्तौड़ यानी मैं हमेशा के लिए वीरान रहूंगा और यहां कोई निर्माण नहीं होगा. दरअसल दिल्ली के सुल्तानों और मुगलों को हमेशा डर सताता था कि अगर चित्तौड़ आजाद और आबाद रहा, तो कभी दक्षिण नही जीत पाएंगे.मुगलों के साथ बारुद भारत में युद्ध में प्रयोग होने लगा तब तो हम बिल्कुल असुरक्षित हो गए थे. मगर मेरी गोद वीर पुत्रों से खाली नहीं थी.16 साल तक मेरी गोद में खेले महराणा प्रताप को सरदारों ने चित्तौड़ का शासक घोषित कर दिया.मैनें आखिरी हमला दिल्ली की गद्दी पर बैठे अकबर का देखा और फिर हमेशा-हमेशा के लिए इतिहास बन गया.उदय सिंह की हार हुई और मुगल की संधि के अनुसार इस किले को सिसोदिया वंश को छोड़ना पड़ा.उदय सिंह ने अपनी राजधानी उदयपुर बना ली.मगर उनके जेठ पुत्र महाराणा प्रताप इसे भुला नहीं पाए.वो इसी किले की तलहटी से अकबर से दो-दो युद्ध लड़े.और आखिरी बार हल्दीघाटी की लड़ाई हुई.

ये युद्ध हिंदुस्तान के सबसे मजबूत शासक और मुट्ठी भर लड़ाकों के साहस की लड़ाई थी.जिसे दुनिया प्रताप की वीरता के लिए याद रखती है.प्रताप और उनके हथियार बनाने वाले गड़रिया लुहारों ने ये प्रतीज्ञा ली थी कि जबतक मुझे नहीं पा लेगें वो किले में प्रवेश नहीं करेंगे.भारत आजाद हुआ तो खुद देश के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु ने गड़रिया लुहारों को लेकर 1955 में मेरे अंदर यानी किले में प्रवेश किया.1905 में अंग्रेजों के समय से अबतक हम दिल्ली की सरकार के अधीन रहे.मगर तब से हमारी सार संभाल ही हो रही है.

न जाने कितने कवि, लेखक और इतिहासकारों ने विभिन्न कालखंडो में मेरे बारे में और मुझ पर राज करनेवालों के बारे में क्या-क्या लिखा.मगर 2017 में इसे फिर से लिखा जा रहा है.इस बार कोई हमलावर चित्तौड़ नहीं आया है और न ही मेरे बहादुर चित्तौड़ के सैनिक इस लड़ाई को लड़ रहे हैं.मुझे इस लड़ाई से क्या हासिल होगा मुझे पता नहीं है.मैंने दुनिया के खुंखार से खुंखार आक्रांताओं और हमलावरों की खून की होली देखी है.मैं सब जानता हूं.मुझे मेरी हिफाजत करनी आती है.मै बूढ़ा नहीं हुआ हूं.मैं चित्तौड़ हूं.

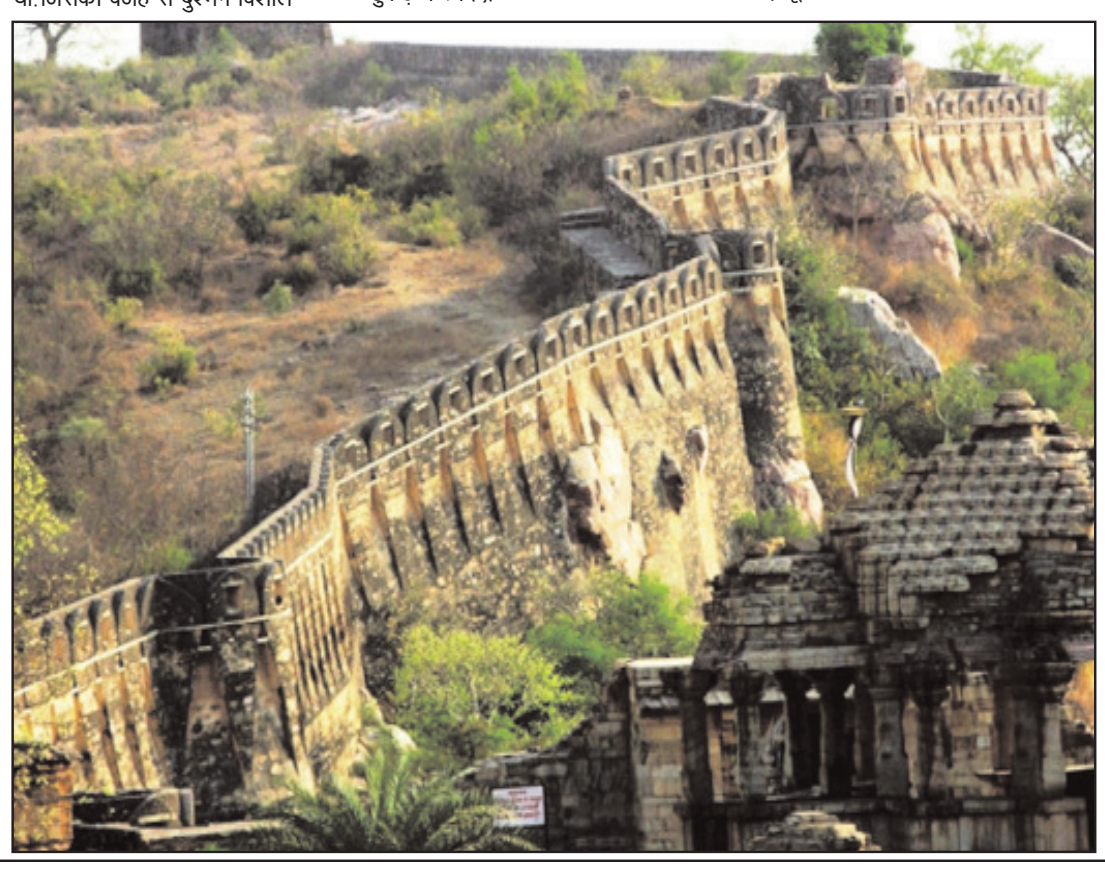

निर्दयी राजा

माधो जंगल में लकड़ियां बीन रहा था। अचानक अपने गांव से आग की लपटें उठती देखकर वह घबरा उठा। पड़ोसी राजा को अपने किले में काम कराने के लिए गुलामों की आवश्यकता थी। उस समय उसके सैनिक ही गांव वालों को गुलाम बनाकर ले जा रहे थे। माधो जान बचाने के लिए घने जंगल में भाग गया। दिन बीतने पर माधो गांव लौटा, लेकिन वहां कोई नहीं था। उसके माता-पिता को भी निर्दयी सैनिक पकड़कर ले गए थे। माधो क्रोध से उबल पड़ा। वह राजा के किले की ओर चल दिया। वह किसी तरह गांव वालों को छुड़ाना चाहता था। किसी तरह छिपता हुआ माधो किले के अंदर पहुंचगया। गांव वालों के साथ उसके माता-पिता तपती धूप में राजा के खेतों में काम कर रहे थे। पानी मांगने पर सिपाही उन पर कोड़े बरसाते थे। तभी पास खड़ी एक गरीब बुढ़िया ने माधो से पूछा, तुम्हें क्या कष्ट है बेटा? मैं राजा की मालिन हूं।

माधो ने उसे सारी बात बताई। मालिन भी राजा की क्रूरता से बहुत दुखी थी। वह माधो को अपने घर ले गई। उसे माला गूथना सिखा दिया। फिर एक दिन उसे राजा से भी मिलवाया। राजा माधो की बनाई माला देखकर बहुत प्रसन्न हुआ। वह माधो को महल दिखाने लगा। माधो ने पूछा, महाराज, कोई शत्रु आपके महल में घुस आए तो?

राजा उसे दीवार में लगी एक मुठिया दिखाकर बोला, अगर ऐसा हुआ, तो हम यह मुठिया घुमा देंगे। किले के सारे पानी में बेहोशी की दवा घुल जाएगी। पानी पीने वाले बेहोश हो जाएंगे। थके-मांदे शत्रु के सैनिक आते ही पानी तो पिएंगे ही। फिर राजा ने माधो को एक बड़ी सी चाबी दिखाई और बोला, यह चाबी देखो, इससे हम किले का दरवाजा बंद कर देंगे। होश में आने पर फिर कोई बाहर नहीं निकल सकता।

मालिन ने माधो को नागगंध की एक माला बनाकर दी। उसे पहनते ही राजा और रानी गहरी नींद में सो गए। माधो ने जल्दी ही वह मुठिया घुमा दी। फिर राजा की जेब से किले की चाबी निकालकर महल से बाहर आ गया।

पानी पीते ही राजा के सैनिक बेहोश होकर गिरने लगे। गांव वाले पानी पीने दौड़े, तो माधो ने उन्हें पानी नहीं पीने दिया और फौरन किले से बाहर निकल जाने के लिए कहा। सब बाहर आ गए, तो माधो ने चाबी से फाटक को बंद कर दिया।

निर्दयी राजा अपने सिपाहियों के साथ अपने ही किले में बंद हो गया। गांव वाले उसके अत्याचार से मुक्त हो गए थे।

इस किले के परिसर में है 65 से अधिक ऐतिहासिक महल, मंदिर व जलाशय

चित्तौड़गढ़ किला जिसे चित्तोर दुर्ग के नाम से भी जाना जाता है भारत के प्राचीनतम किलो में से एक है.यह किला भारत ही नहीं अपितु विश्व भर में प्रसिद्ध है.वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शुमार इस किलो देखने हर साल हजारो विदेशी सैलानी भारत आते है.

- चित्तौड़गढ़ किला जिसे मेवाड़ की राजधानी के नाम से भी जाना जाता हैउदाहरण के तोर पर यह किला प्राचीन समय में 834 सालो तक मेवाड़ की राजधानी रह चूका था.इसकी स्थापना 734 इक में मेवाड़ के सिसोदिया वंश के शासक बाप्पा रावल ने की थी.
- चित्तौड़गढ़ किला भारत का सबसे बड़ा किला माना जाता है.इसकी लम्बाई 3 किलोमीटर, त्रिज्या 13 किलोमीटर और यह किला लगभग 700 एकड़ जमीन पर फैला हुआ है.
- प्राचीन इतिहास के अनुसार ऐसा माना जाता है कि चितौड़गढ़ किले को सातवीं सदी में मौर्यों सासको द्वारा बनवाया गया था और इस किले का नाम मौर्य शासक चित्रांगदा मोरी के नाम पर रखा गया था.
- आपको जानकर हैरानी होगी इस किले के परिसर में लगभग 65 ऐतिहासिक निर्मित संरचनाएं जैसे मंदिर, महल, जलाशय, स्मारक इत्यादि बनाएं गए थे.
- चित्तौड़गढ़ किले में कुल साथ द्वार बनाएं गए थे जो प्राचीन समय में रात्रि के समय बंद कर दिए जाते थे.इन द्वारा पर लगे विशाल किवाड़ (दरवाजे) आज भी इस किले की मजबूती की गवाई देते है.
- प्राचीन समय में इन दरवाजो का नाम मुख्यता प्रथम पड़नपोल,दूसरा भैरव पोल, तीसरा हनुमान पोल, चतुर्थ गणेश पोल, पंचम जोरला पोल, छटा लक्ष्मण पोल व सातवे दरवाजे को राम पोल के नाम से जाना जाता था.
- इन दरवाजो के संदर्ब में कहाँ जाता है की प्राचीन समय में प्रत्येक दरवाजे पर द्वारपाल व पहरेदार 24 घंटे दरवाजो की निगरानी करते थे व प्रत्येक दरवाजे पर बड़े बड़े घंटे टाँगे गए थे जिन्हे बजा कर दरवाजो को खोला और बंद किया जाता था.
- इस किले में कई मंदिर स्थापित हैं जैसे कलिका मंदिर, जैन मंदिर, गणेश मंदिर, सम्मिदेश्वरा मंदिर, नीलकंठ महादेव मंदिर और कुंभश्याम मंदिर आदि
- इस किले के परिसर में बनाया गया पद्मिनी महल एक छोटे सरोवर के निकट स्थित बहुत ही खूबसूरत महल है.इस महल के अंदर सीसे कि नकाशी कि गई है जो दिखने में बेहद खूबसूरत लगती है.
- आपको जानकर हैरानी होगी चित्तौड़गढ़ किले में आज भी 22 जलनिकाय मौजूद है.इन जल निकायों में पानी का श्रोत्र प्राकृतिक भूमिगत जल और वर्षा से प्राप्त जल के द्वारा होता है.
- चितौड़गढ़ किले में बनाया गया भीमला जल भंडार भारत के प्राचीन इतिहास को समेटे हुए है. ऐसा माना जाता है पांडवो में भीम ने जमींन पर अपने हाथ के वार से पानी निकाल दिया था और भूमि के जिस हिस्से से पानी निकला उसे भीमला के नाम से जाना जाता है.
- चितौड़गढ़ किले के खम्बो पर की गई खूबसूरत चित्रकारी प्राचीन कलाकारी का उत्कृट नमूना है. ऐसा कहा जाता है इस चित्रकारी को बनाने में 10 वर्षो का समय लगा था.
- आपको जानकर हैरानी होगी इस किले में आज भी लोग निवास करते है.उदाहरण के तोर पर चितौड़गढ़ किले में लगभग 20000 लोग रहते है.
- यह किला राजस्थान के शासक राजपूतों, उनके साहस, बड़प्पन, शौर्य और त्याग का प्रतीक है
- राजस्थान में मनाया जाने वाला जोहर मेला इसी किले में मनाया जाता है.
- चित्तौड़गढ़ का किला अपनी स्थापत्य कला, निर्माण शैली व पर्यटक स्थलों जैसे महल, जलाशय, स्तंभ, इत्यादि के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है.हर साल देश-विदेश सैलानी इस किले को देखने राजस्थान आते है.
- राजस्थान के पर्यटन विभाग द्वारा चितौड़गढ़ किले में बेहद खूबसूरत लाइटिंग की गई है जो रात के समय इस किले की खूबसूरती में चार चाँद लगा देती है.
- चितौड़गढ़ किले को यूनेस्को द्वारा साल 2013 में वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल किया गया था.

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

72 साल की उम्र में हासिल की ग्रेजुएशन की डिग्री

न्यूयॉर्क। एक शख्स ने 72 साल की उम्र में ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल की है। वह भी तब जब 98 साल की मां भी मौजूद थीं। डिग्री हाथों में लेते ही शख्स भावुक हो गया। उसने अपना अनुभव शेयर किया, जिसे सुनकर हर कोई हैरान है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, जॉर्जिया के रहने वाले सैम कपलान ने बताया, मैं एक दिन हाईवे पर कार चला रहा था, तभी रेडियो पर सुना कि एक यूनिवर्सिटी ऐसी डिग्री दे रही है। इसमें उम्र की कोई बाध्यता नहीं है। मैंने सोचा क्यों न उच्च शिक्षा हासिल कर ली जाए। मेरे घर में कोई भी हायर स्टडीज अच्छे से कंपलीट नहीं कर पाया था। यही सोचकर मैंने 2019 में वहां दाखिला लिया। आप जानकर हैरान होंगे कि मैंने सिर्फ5 मिनट में यह फैसला लिया और अपनी कार को मोड़कर कॉलेज की तरफले गया। चंद मिनटों में ही मैं रजिस्ट्रेशन करवा रहा था। कपलान ने बताया कि गुरुवार को जब मुझे डिग्री मिली तो मैं भावुक हो गया। क्योंकि उस वक्त मेरी 98 साल की मां मेरे सामने मौजूद थी। उनका हमेशा से सपना था कि मैं ज्यादा से ज्यादा स्टडीज करूं लेकिन मैं नहीं कर पाया था। मैंने देखा कि वह भी रो रही थीं। यह मेरे लिए गर्व का पल था। मुझे लिखना हमेशा से पसंद रहा है। कहानियां सुनने में बहुत मजा आता है। लेकिन मुझे क्या करना है, इसके लिए मुझे शुरुआत तो कहीं से करनी थी। अभी मैंने सिनेमा और मीडिया आर्ट में डिग्री हासिल की है और स्टोरी राइटर बनने की तमन्ना है।

रूस ने सेना में भर्ती के लिए दिया 8 गुना अधिक सैलरी का विज्ञापन

कीव। यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में लड़ने वाले जवानों की भर्ती के लिए रुस ने विज्ञापन जारी किया है, ?जिसमें मौजूदा से आठ गुना सैलरी अधिक देने का दावा किया जा रहा है। गौरतलब है कि जब रूस ने यूक्रेन पर हमला किया तो पूरी दुनिया को लगा था कि यह युद्ध ज्यादा नहीं चलेगा और जल्दी ही यूक्रेन घुटने टेक देगा। लेकिन यूक्रेन ने तमाम अनुमानों को धता बताते हुए घुटने टेकने से इनकार कर दिया। एक साल से ज्यादा वक्त गुजर चुका है लेकिन यूक्रेन ना सिर्फ युद्ध में बना हुआ है बल्कि वह रूस को धूल चटाने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहा है। ऐसे में रूस के लिए यह युद्ध अब प्रतिष्ठा का प्रश्न बन चुका है, जिसके लिए वह कोई भी कीमत चुकाने के लिए राजी है। हाल ही में कीव स्थित एक एनजीओ ने दावा किया है कि रूस में ऑनलाइन विज्ञापन जारी किए गए हैं। जिसमें व्लादिमीर पुतिन की सेना में शामिल होने के एवज में जिस वेतन का प्रस्ताव दिया जा रहा है वह रूस के औसत वेतन से करीब 8 गुना ज्यादा है। रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन युद्ध पीड़ित फाउंडेशन द्वारा जांचे गए डेटा से पता चला है नई भर्तियों के लिए भारी वेतन की पेशकश की जा रही है। खास बात यह है कि भर्ती होने के लिए इच्छुक लोगों की कोई कमी नहीं है। यह खबर तब आ रही है जब रूस में सैनिकों की संख्या को बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। इससे पहले भी क्रेमलिन ने कहा था कि उनका 3 लाख सैनिकों की भर्ती का अभियान पूरा हो चुका है। आपको बता दें कि रूस भारी सैन्य बल का नुकसान झेल रहा है, जिसके चलते व्लादीमिर पुतिन ने सितंबर माह में आंशिक रूप से लामबंदी की घोषणा भी की थी। रिपोर्ट बताती है कि अगर रूस के औसत वेतन की बात की जाए तो वह क्षेत्र के हिसाब अलग-अलग होता है, लेकिन फरवरी में राष्ट्रीय औसत करीब 63000 रूबल था। जब पूरी तरह से आक्रमण हुआ तो सीधे युद्ध की भर्तियों के लिए औसत वेतन बढ़कर 300,000 रूबल कर दिया गया था। ऐसे में जो ऑनलाइन विज्ञापन आ रहा है उसमें 400,000 रूबल मासिक वेतन के साथ-साथ 450,000 रूबल के एकमुश्त भुगतान की पेशकश की गई है।

दुनिया के सबसे उम्रदराज कुत्ते की शान में मालिक ने दी पार्टी

लिस्बन। पुर्तगाल में बोबी नाम के एक फार्म डॉग को सबसे उम्रदराज कुत्ता होने का खिताब हासिल है। इसे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा अब तक के सबसे उम्रदराज कुत्ते के खिताब से नवाजा गया है। बोबी गुरुवार को 31 साल का हो गया है। उसके मालिक ने कहा कि इस मौके पर एक स्पेशल पार्टी रखी गई है। रेफिरो डो एलेंटेजो का जन्म 11 मई 1992 को हुआ था और वह पुर्तगाल के लीरा जिले में अपने मालिक लियोनेल कोस्टा के साथ रहता है। बोबी की जन्मतिथि की पुष्टि लीरा की नगर पालिका की पशु चिकित्सा सेवा द्वारा की गई है। बोबी के मालिक ने आयोजित की जाने वाली स्पेशल पार्टी के बारे में भी जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि शनिवार को जन्मदिन की पार्टी के लिए 100 प्रशंसकों और दोस्तों को आमंत्रित किया गया है। इनमें दूसरे देशों के लोग भी शामिल हैं। कुत्ते के मालिक कोस्टा ने गिनीज को बताया कि उसे देखना उन लोगों को याद करने जैसा है जो हमारे परिवार का हिस्सा थे और दुर्भाग्य से अब यहां नहीं हैं, जैसे मेरे पिता, मेरे भाई या मेरे दादा-दादी जो पहले ही इस दुनिया को छोड़ चुके हैं। बोबी उन पीढ़ियों का प्रतिनिधित्व करता है। बोबी की मां जीरा 18 वर्ष की आयु तक जीवित रहीं। फरवरी में कुत्ते को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड खिताब से सम्मानित किए जाने के बाद से बोबी के लिए जीवन व्यस्त हो गया है।

पाकिस्तान में सेना पर हमला नाकाम, पांच आतंकवादी मारे गए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिम बलूचिस्तान प्रांत में सुरक्षा बलों ने एक सेना की जांच चौकी पर हमले को नाकाम कर दिया गया, इस मुठभेड़ में पांच आतंकवादी मारे गए। सेना की मीडिया शाखा ने शुक्रवार देर रात एक बयान में कहा कि यह घटना गुरुवार रात बलूचिस्तान के होशब इलाके में हुई। बयान में कहा गया कि आतंकवादियों के वहां से भागने के बाद सुरक्षा बलों ने उन्हें पकड़ने के लिए एक अभियान शुरू किया था, जिसके दौरान आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के एक दल के बीच भारी गोलीबारी हुई। मुठभेड़ के दौरान पांच आतंकवादी मारे गए, और हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा बरामद किया गया। बयान में कहा गया है कि शेष बचे आतंकवादियों को आसपास के इलाकों में तलाश करने के लिए ऑपरेशन जारी है। सेना के मी?डिया ने कहा है ?कि सुरक्षा बल राष्ट्र के साथ मिलकर बलूचिस्तान की शांति, स्थिरता और प्रगति को नुकसान पहुंचाने के प्रयासों को विफल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

केन्या में भूखे रहकर मरने वालों की संख्या 179 तक पहुंची

नैरोबी। केन्या में भूखे रहकर साधना करने वाले पंथ के मरने वालों सदस्यों की संख्या बढ़कर 179 हो गयी है। स्थानीय मीडिया ने अप्रैल माह में रिपोर्ट प्रकाशित की थी कि धार्मिक गुरू पॉल मैकेंज़ी के नेतृत्व वाले एक 'पंथ' के दर्जनों अनुयायी इस धारणा के साथ स्वयं को भूख से मार रहे है कि इस तरह से मृत्यु होने पर वे स्वर्ग जाएंगे। चार लोगों के शव मिलने के बाद पंथ के नेता को गिरफ्तार कर लिया गया। तट क्षेत्रीय आयुक्त रोडा ओन्यान्चा ने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि 'भूख पंथ' के नेता के अनुयायियों के बीच मरने वालों की संख्या बढ़कर 179 हो गई है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच के दौरान 25 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। स्थानीय प्रशासन के हवाले से बताया कि पुलिस ने दक्षिणपूर्वी केन्या के शाखोला जंगल में 12 सामूहिक कब्रों में दफन कम से कम 29 शवों को बरामद करने के बाद यह घोषणा की। पहले अदालत के दस्तावेजों का हवाला देते हुए बताया कि पंथ के पीड़ितों के पहले खोजे गए कुछ शवों में आंतरिक अंग गायब पाये गये थे। एजेंसी ने कहा कि जांच के दौरान 112 लोगों के अवशेषों की जांच की गई। पॉल मैकेंजी को अप्रैल में गिरफ्तार किया गया और मई की शुरुआत में केन्याई अभियोजक के कार्यालय ने कहा कि उस पर आतंकवाद का आरोप लगाया जाएगा।

यूएस सीनेट ने गीता राव गुप्ता की 'एंबेसडर एट लार्ज' की नियुक्ति पर लगाई मुहर

वाशिंगटन। अमेरिकी सीनेट ने भारतीय-अमेरिकी गीता राव गुप्ता को विदेश मंत्रालय में महिलाओं से संबंधित वैश्विक मुद्दों के लिए 'एंबेसडर एट लार्ज' नियुक्त करने पर मुहर लगा दी है। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को ट्वीट किया कि वह अमेरिकी विदेश नीति के माध्यम से महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों को बढ़ावा देने के गुप्ता के प्रयासों से काफी प्रभावित है। इस सप्ताह की शुरुआत में अमेरिकी सीनेट में हुए मतदान में 51-47 मतों से गुप्ता के नाम की पुष्टि की गई। गुप्ता के अनुसार दुनिया भर में ऐसी कई असमानताएं और तिरस्कार हैं, जिन्हें महिलाएं झेल रही हैं और ये उन्हें अर्थव्यवस्था में पूरी तरह भागीदार बनने से रोकती हैं। उन्होंने पिछले साल कहा था कि वे अपनी सुरक्षा से संबंधित खतरों का सामना कर रही हैं। उन्हें रोजाना हिंसा का डर भी सताता है और इससे वे अस्थिर होती हैं।

वैंकूवर, कनाडा में जुरासिक वर्ल्ड लाइव टूर शो के बैक-द-सीन पूर्वावलोकन के दौरान 2 कास्ट सदस्य रिहर्सल करते हुए। जुरासिक वर्ल्ड लाइव टूर शो के निर्माण का दृश्य के पीछे का पूर्वावलोकन यहां पेश किया गया। यह शो यहां 19 मई से 28 मई तक आयोजित किया जाएगा।

पाकिस्तान में जारी राजनैतिक अस्थिरता के कारण गोते लगा रहा पाकिस्तानी रुपया

इस्लामाबाद। कंगाल पाकिस्तान में अर्थव्यवस्था की स्थिति लगातार गिरती जा रही है। इस्लामाबाद वैश्विक ऋणदाता अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से मदद पाने के लिए संघर्ष कर रहा है। पूर्व पीएम इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद बढ़ते राजनीतिक तनाव के बीच पाकिस्तान में गंभीर कानून और व्यवस्था की स्थिति पैदा हो गई है। आर्थिक क्षेत्र को एक और गंभीर नुकसान हुआ है। रुपये की कीमत तीन प्रतिशत और नीचे गिर गई है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पाकिस्तानी रुपया 298.93 तक गिर गई है। यह उस समय में हो रहा है, जब पाकिस्तान आर्थिक मदद के लिए आईएमएफ को समझाने का प्रयास कर रहा है। आर्थिक स्थिति भी जनता पर अपना प्रभाव दिखा रही है, क्योंकि मुद्रास्फीति, मूल्य वृद्धि, पेट्रोलियम उत्पादों में अत्यधिक मूल्य वृद्धि, गैस और बिजली इकाइयों की टैरिफ वृद्धि ने स्थानीय लोगों के जीवन को दयनीय बना दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस्लामाबाद को अगर इस साल जून में उपयुक्त वित्तीय बजट पेश करना है, तब उस आईएमएफ की पूर्व शर्तों का पालन करना होगा। दूसरी ओर, सरकारी अधिकारी आशा व्यक्त करते हुए कि पाकिस्तान अपने बाहरी भुगतान में चूक नहीं करेगा। पाकिस्तानी वित्त मंत्री इशाक डार ने माना हैं कि पाकिस्तान सरकार भुगतान संकट के संतुलन के मुद्दे को हल करने के लिए संघर्ष कर रही है, खासकर आईएमएफ के साथ समझौते के अभाव में ऐसा हो रहा है। यहां यह उल्लेख करना उचित है कि आईएमएफ ने पाकिस्तान के वित्त मंत्री के साथ एक अन्य वित्तीय सहायता योजना में शामिल होने की संभावनाओं के बारे में चर्चा की है। पाकिस्तान के वित्त मंत्री इशाक डार ने कहा, पाकिस्तान ने अपने ऋण कार्यक्रम के पुनरुद्धार के लिए आईएमएफ की सभी शर्तों को पूरा किया है।

देश में मार्शल लॉ लगाने का सवाल ही नहीं उठता: जनरल असीम मुनीर

-सेना में फूट की खबरों पर आया पाकिस्तानी आर्मी का बयान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के अध्यक्ष इमरान खान की गिरफ्तारी के कारण लगभग चार दिनों तक चले राजनीतिक उथल-पुथल के बाद सेना ने शुक्रवार को देश में मार्शल लॉ लगाए जाने की खबरों का खंडन किया है। पाकिस्तान में सेना के प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया था। सेना ने बयान जारी करते हुए कहा कि बहुत स्पष्ट रूप से कहना चाहते हैं कि जनरल असीम मुनीर और सेना का नेतृत्व पूरे दिल से लोकतंत्र का समर्थन करता है और आगे भी करता रहेगा। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के महानिदेशक मेजर जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने एक निजी समाचार चैनल को बताया कि मार्शल लॉ लगाने का सवाल ही नहीं उठता।

सेना के शीर्ष प्रवक्ता ने कहा कि सेना प्रमुख और सेना के वरिष्ठ नेतृत्व पूरी तरह से लोकतंत्र में विश्वास करते हैं। चल रही अराजकता के कारण सेना के अधिकारियों के इस्तीफा देने की खबरों के जवाब में प्रवक्ता ने सारे दावों को भी खारिज कर दिया। सेना के मीडिया विंग के प्रवक्ता ने कहा कि सशस्त्र बलों में किसी ने इस्तीफा नहीं दिया है। मेजर जनरल चौधरी ने कहा कि आंतरिक बदमाशों और बाहरी दुश्मनों के सभी प्रयासों के बावजूद सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के नेतृत्व में सेना एकजुट है। सेना के भीतर विभाजन पैदा करने के सपने सपने ही रह जाएंगे। सेना के प्रवक्ता ने कहा कि न तो किसी ने इस्तीफा दिया है और न ही किसी आदेश की अवहेलना की है।

फिर से पीएम बना तब सेना प्रमुख मुनीर को नहीं हटाऊंगा : इमरान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ प्रमुख और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने साफ किया कि अगर वह फिर से प्रधानमंत्री चुने जाते हैं तब, सेना प्रमुख को पद से नहीं हटाएंगे। इस्लामाबाद हाईकोर्ट के अंदर बात कर इमरान ने कहा कि पाकिस्तान में कानून नाम की कोई चीज नहीं है। देश को सिर्फ एक व्यक्ति चला रहा है, और वह सेना प्रमुख (जनरल असीम मुनीर) हैं। इमरान को एक दिन पहले ही इस्लामाबाद हाईकोर्ट से चार मामलों में गिरफ्तारी से राहत मिली है। इसके बाद देर रात वे इस्लामाबाद से लाहौर के जमान पार्क वाले घर पहुंचे। इस दौरान इमरान की एक झलक पाने के लिए उनके हजारों समर्थकों का हूजुम उमड़ पड़ा था। इमरान ने कहा कि अगर वह पाकिस्तान के पीएम के रूप में फिर से चुने जाते हैं, तब वह सेना प्रमुख को डी-नोटिफाई नहीं करुंगा। उन्होंने कहा कि सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर थोड़ा असुरक्षित महसूस कर रहे हैं, क्योंकि मैंने उन्हें आईएसआई प्रमुख के पद से हटा दिया था। अब जब मैं सत्ता में आउंगा, तब उन्हें डि-नोटिफाई बिल्कुल नहीं करूंगा। जब इमरान से पूछा गया कि क्या यह उनके और शक्तिशाली सैन्य प्रतिष्ठान के बीच अस्तित्व की लड़ाई है, तब उन्होंने कहा, नहीं, यह सिर्फ एक आदमी है और वह सेना प्रमुख हैं। यह पूछने पर कि क्या उन्हें 2018 के आम चुनावों में सत्ता में आने के लिए सेना का समर्थन मिलने का कोई अफसोस है। इस पर इमरान ने कहा कि मेरी पार्टी को कभी भी सेना के द्वारा सत्ता में नहीं लाया गया था। 2018 में सत्ता में आने के बाद सैन्य नेतृत्व के साथ अपने घनिष्ठ संबंध के बारे में उन्होंने स्वीकार किया कि यह उनकी सबसे बड़ी गलती थी। इमरान ने कहा कि हां, मैंने गलती की क्योंकि मैंने तत्कालीन सेना प्रमुख (कमर जावेद बाजवा) पर भरोसा किया था।

इमरान ने गिरफ्तारी के लिए सेना प्रमुख को ठहराया जिम्मेदार

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने 9 मई को अपने अपहरण के लिए सेना प्रमुख को जिम्मेदार ठहराया और उनकी गिरफ्तारी के बाद कई शहरों में हुई हिंसा से खुद को दूर कर लिया। एक मी?डिया रिपोर्ट के अनुसार इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के परिसर में मीडियाकर्मियों के साथ बातचीत के दौरान पीटीआई प्रमुख ने कहा ?कि यह सुरक्षा एजेंसियां नहीं है। यह एक व्यक्ति है, सेना प्रमुख। सेना में कोई लोकतंत्र नहीं है। जो हो रहा है, उससे सेना बदनाम हो रही है। खान ने आरोप लगाया, वह (सेना प्रमुख) चिंतित हैं कि अगर मैं सत्ता में आया, तो मैं उन्हें डी-अधिसूचित कर दूंगा। मैंने उन्हें संदेश भेजने की पूरी कोशिश की, मैं नहीं करूंगा। यह सब हो रहा है, उनके सीधे आदेश हैं। वह है जो आश्वस्त है कि अगर मैं जीतता हूं, तो उन्हें डी-नोटिफाई कर दिया जाएगा। एक खबर के मुताबिक, पूर्व प्रधानमंत्री ने सरकार द्वारा अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित किए जाने की भी बात की। उन्होंने आरोप लगाया कि एक साल के दौरान 5,000 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

इमरान खान ने कहा कि वह हत्या के दो प्रयासों से बच गए थे और उनकी जांच की मांग खारिज कर दी गई। गुरुवार शाम को सुप्रीम कोर्ट में अपनी स्थिति को दोहराते हुए, पीटीआई अध्यक्ष ने कहा कि वह उनकी गिरफ्तारी के बाद हुए घटनाक्रम से पूरी तरह अनजान थे और दावा किया कि उन्हें पता चला है कि दो दिनों के विरोध प्रदर्शन के दौरान 40 लोगों की जान चली गई। मी?डिया रिपोर्ट के अनुसार, एनएबी की हिरासत में होने के दौरान हुई घटनाओं पर दुख व्यक्त करते हुए, खान ने कहा कि सिर्फ एक व्यक्ति के कारण सेना की बदनामी हो रही है।

धरती से बड़े आकार के दो और ग्रह मिले, जहां इंसान रह सकेंगे

ढाका। (एजेंसी)। मैड्रिड (ईएमएस)। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के टेस स्पेस्क्राफ्ट ने दो एक्सोप्लैनेट की खोज की है। जहां पर जीवन की संभावना है। भविष्य में वहां इंसान रह सकते हैं। क्योंकि ये दोनों ही ग्रह अपने तारे से इतनी अच्छी दूरी पर रह रहे हैं कि उनपर जीवन पनप सके। ये दोनों ही ग्रह सुपर अर्थ हैं। यानी दोनों ही आकार में धरती से बड़े हैं। टेस स्पेसक्राफ्ट यानी ट्रांजिटिंग एक्सोप्लैनेट सर्वे सैटेलाइट ने जब हमारे सौर मंडल से 137 प्रकाश वर्ष दूर रेड ड्वार्फ स्टार यानी सूरज जैसे तारे टीओएल-2095 की तरफ देखा तो हैरान करने वाली तस्वीरें सामने आईं। ये स्पेस्क्राफ्ट रोशनी के कम-ज्यादा होने के आधार पर ग्रहों और तारों की खोज करता है। क्योंकि हर ग्रह और तारा या तो रोशनी छोड़ता है, या उसे रिसीव करता है। टीओएल-2095 ब्रह्मांड के सबसे बड़े तारों की फैमिली से आता है। यह हमारे सूरज से ठंडा है। लेकिन काफी रेडिएशन, अल्ट्रावायलेट और एक्स-रे तरंगें निकाल रहा है। टीओएल-2095 से निकल रही रेडिएशन से पास मौजूद ग्रहों का वायुमंडल खत्म हो सकता है। लेकिन हम जिन दो ग्रहों की बात कर रहे हैं, वो इतनी अच्छी दूरी पर हैं कि उनका वायुमंडल बना हुआ है। उम्मीद जताई जा रही है कि वहां पर पानी भी है, जैसे धरती पर है। यानी भविष्य में इन दोनों ग्रहों पर इंसानों की बस्ती बनाई जा सकती है।

इन दोनों ग्रहों का नाम टीओएल-2095बी और टीओएल-2095सी है। टीओएल-2095बी की अपने तारे से दूरी धरती से सूर्य की दूरी का एक दसवां हिस्सा है। लेकिन तारा सूर्य से ठंडा है, इसलिए पास वाले ग्रह में जीवन पनप सकता है। यह ग्रह हमारी धरती से 1.39 गुना चौड़ा है। लेकिन धरती से 4.1 गुना ज्यादा वजन है। यह ग्रह अपने तारे का एक चक्कर धरती के 17.7 दिन में पूरा करता है। दूसरा ग्रह टीओएल-2095सी अपने सूरज से थोड़ा दूर है। इसका एक दिन हमारे 28.2 दिन के बराबर है। यानी उस ग्रह का 24 घंटा हमारी धरती के 28.2 दिन के बराबर है। यह हमारी धरती से 1.33 गुना बड़ा है। वजन 7.5 गुना ज्यादा है। दोनों ग्रहों के सतह की तापमान 24 से 74 डिग्री सेल्सियस के बीच है।

स्पेन की यूनिवर्सिटी ऑफ ला लगुना के अनुसार इन दोनों ग्रहों की हम और स्टडी कर रहे हैं। इनके बारे में शुरुआती जांच से पता चला है कि यहां पर जीवन संभव है। इसलिए और खोजबीन कर रहे हैं ताकि ज्यादा से ज्यादा जानकारी मिल सके। क्योंकि हमारा टेस स्पेसक्राफ्ट काफी ताकतवर है। वह काफी बेहतरीन डेटा हमें भेज रहा है।

मेलोनी के बाद पोप ने भी इतालवियों से ज्यादा बच्चों को जन्म देने को कहा

सिडनी (एजेंसी)। इटली की कंजरवेटिव प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से इत्तेफाक रखते हुए पोप फ्रांसिस ने इटली के लोगों को ज्यादा बच्चों को जन्म देने को कहा और युवा जोड़ों के मन में बैठे वित्तीय परेशानियों के डर की आलोचना की और कहा कि ''स्वार्थी, अहंकार'' से भरे फैसलों के कारण जन्म दर रिकॉर्ड न्यूनतम स्तर पर है और इससे देश के आर्थिक भविष्य को खतरा होने का डर है। पोप फ्रांसीस ने ''डेमोग्राफिक विंटर'' (जन्मदर में कमी या जनसंख्या वृद्धि दर का नकारात्मक होना) की स्थिति को समाप्त करने के लिए ठोक राजनीतिक कदम उठाने की बात कही।

इटली में नकारात्मक जनसंख्या वृद्धि दर के कारण पिछले साल बारी के आकार के शहर की जनसंख्या समाप्त हो गयी। बच्चों की जगह पालतू पशु रखने वाले जोड़ों की कटु आलोचना करते हुए पोप फ्रांसीस ने जोड़ों को परिवार बढ़ाने में मदद करने के लिए संसाधन मुहैया कराने की अपील करते हुए कहा कि भविष्य के लिए आशा के पौधे लगाने जरूरी हैं। परिवारों का समर्थन करने वाले वार्षिक जमावड़े में पोप ने कहा, '' कृपया बंध्यता और निराशा की ओर ना जाएं। कृपया इसपर भरोसा ना करें कि इतिहास तय हो चुका है और इसे बदलने के लिए कुछ नहीं दिया जा सकता है।'' इटली में पिछले

साल जन्म दर बहुत कम (3,92,598) रही थी जबकि इस अवधि में 7,13,499 लोगों की मृत्यु हुई थी। इस कारण पिछले साल इटली में जनसंख्या वृद्धि दर नकारात्मक रही थी।

फर्जी भूटान शरणार्थी घोटालेबाजों पर कार्रवाई करने को लेकर दृढ़ हैं: प्रचंड

काठमाडू (एजेंसी)। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड' ने फर्जी भूटान शरणार्थी घोटाले में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का संकल्प व्यक्त किया। प्रचंड ने विपक्षी दलों से घोटाले के पीछे भ्रष्ट चेहरों को बेनकाब करने के लिए उनकी सरकार के कदम का समर्थन करने का आग्रह किया। प्रचंड का यह कदम पूर्व गृह मंत्री और नेपाली कांग्रेस के प्रभावशाली नेता बाल कृष्ण खंड को भूटान शरणार्थी घोटाले में उनकी कथित संलिप्तता के लिए गिरफ्तार किए जाने के बाद आया है। इस घोटाले के तहत नेपाली नागरिकों को भूटानी शरणार्थी होने के फर्जी दस्तावेज बनाकर अमेरिका भेजा गया था।

मीडिया में आई खबरों के मुताबिक, एक ऑडियो टेप जारी किया गया था जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री देउबा की पत्नी आरजू राणा देउबा और खंड की पत्नी मंजू खंड पर इस घोटाले के पीड़ितों से लाखों रुपए लेने का आरोप है। प्रधानमंत्री प्रचंड ने शुक्रवार को रवि लामिछाने के नेतृत्व वाली विपक्षी पार्टी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) और राजेंद्र लिंगडेन के नेतृत्व वाले हिंदुत्ववादी और राजशाही समर्थक दल राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) के साथ बैठक की जिस दौरान भूटान शरणार्थी घोटाला का मुद्दा सामने आया। मुलाकात के दौरान प्रचंड ने कहा कि वह फर्जी भूटान शरणार्थी घोटाले में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने को लेकर दृढ़ हैं। प्रचंड ने आश्वासन दिया कि सरकार ईमानदारी से और दृढ़ता से भ्रष्टाचार, फर्जी शरणार्थी घोटाले और अन्य वित्तीय अनियमितताओं की जांच करेगी। उन्होंने आरएसपी और आरपीपी से आग्रह किया कि वे भ्रष्टाचार के पीछे के चेहरों को उजागर करने के खिलाफ नेपाली सरकार के कदम का समर्थन करें।

हिंद महासागर के तटवर्ती देशों के लचीले भविष्य के लिए आपसी विश्वास, सम्मान की आवश्यकता: हसीना

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने शुक्रवार को कहा कि हिंद महासागर के तटवर्ती राष्ट्रों के लचीले भविष्य के लिए उनके बीच सम्मान और आपसी विश्वास की आवश्यकता है। उक्त विषय पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि उनका देश क्षेत्र में शांति के लिए अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है। बांग्लादेश की राजधानी में दो दिवसीय हिंद महासागर सम्मेलन (आईओसी) के छठवें संस्करण का उद्घाटन करते हुए हसीना ने कहा कि हिंद महासागर न केवल बांग्लादेश के लिए, बल्कि इस क्षेत्र के सभी देशों के लिए अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण महत्व रखता है।

उन्होंने सम्मेलन के दौरान कहा, 'हम इस क्षेत्र में शांति के लिए अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और उम्मीद करते हैं कि अन्य सभी देश एक लचीला भविष्य सुनिश्चित करने के लिए भी ऐसा ही करेंगे।' हिंद महासागर सम्मेलन (आईओसी) के छठवें संस्करण का आयोजन बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली स्थित विचारक संस्था (थिंक टैंक) इंडिया फाउंडेशन के साथ मिलकर किया जा रहा है। हसीना ने कहा कि एक तटीय देश होने के नाते बांग्लादेश सदियों से समुद्री गतिविधियों का केंद्र रहा है और वह कई क्षेत्रीय मंचों पर सक्रिय है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आतंकवादियों की घुसपैठ को किया नाकाम, सेना का अधिकारी घायल

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में बारामूला जिले के उरी सेक्टर में सेना ने शनिवार को नियंत्रण रेखा के पास आतंकवादियों की घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी वहीं सेना का एक जूनियर कमीशन अधिकारी(जेसीओ) घायल हो गया। रक्षा अधिकारियों ने बताया कि उरी सेक्टर में आज तड़के सतर्क सैनिकों ने सीमा पर से घुसपैठ की कोशिश को विफल कर दिया। नियंत्रण रेखा पर सैनिकों और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी हुई। मुठभेड़ में एक जेसीओ को मामूली चोटें आयी। इसी दौरान सीमा पार से एक क्वाडकॉप्टर उड़ाने की कोशिश की, लेकिन गोलीबारी के बीच वह तेजी से पीछे हट गया। अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। सेना ने घुसपैठ के इस प्रयास को ऐसे समय में नाकाम किया है, जब जम्मू कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में इस महीने के अंत में जी-20 बैठक के मद्देनजर सुरक्षा तंत्र हाई अलर्ट पर है।

पिछले 24 घंटों में कोरोना से 11 मरीजों की मौत, सक्रिय मामलों में कमी

नयी दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 1,511 सक्रिय मामले घटे हैं, जिससे अब सक्रिय मामलों की कुल संख्या घटकर 16,498 हो गयी है और इसी अवधि में 11 मरीजों की मौत हो गयी। इस बीच देश में कोरोना टीकाकरण भी जारी है और इसी क्रम में पिछले 24 घंटों में 1,636 लोगों को टीका लगाया गया है। अब तक देश में 2,20,66,89,993 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शनिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में कुल संक्रमितों की संख्या 4,49,79,402 हो गयी है। वहीं मृतकों की संख्या बढ़कर 5,31,767 हो गयी है। इसी अवधि में कोरोना संक्रमण से स्वस्थ होने वालों का आंकड़ा 2,720 बढ़कर 4,44,31,137 पर पहुंच गया है। देश में पिछले 24 घंटों के दौरान असम में सक्रिय मामलों की संख्या में सर्वाधिक 11 की वृद्धि हुई है। इसके अलावा, जम्मू-कश्मीर में छह, मणिपुर में तीन, नागालैंड में दो, मेघालय में एक मामले बढ़े हैं। इसके अलावा, पिछले 24 घंटे में केरल में सबसे ज्यादा 522 कोरोना मामलों में गिरावट दर्ज की गयी है। इसी अवधि में महाराष्ट्र में 178, राजस्थान में 161, कर्नाटक में 101 तथा अन्य राज्यों आन्ध्र प्रदेश, बिहार, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, मध्य प्रदेश, मिजोरम, ओडिशा, पुडुचेरी, पंजाब, सिक्किम, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में कोरोना के मामलों में कमी पायी गयी है। हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र और पंजाब क्रमश : एक-एक व्यक्ति की इस बीमारी से मौत हो गयी।

सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर नशे में धुत यात्री का हंगामा

कोलकाता। कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर एक नशे में धुत यात्री के हंगामा करने से परिसर में अफरा-तफरी मच गई। यात्री प्रतुल घोष को पहले हवाई अड्डे की सुरक्षा के लिए तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के कर्मियों ने हिरासत में लेकर बाद में कोलकाता हवाई अड्डा पुलिस स्टेशन को सौंप दिया। शुक्रवार रात घोष को इंडिगो की फ्लाइट से मुंबई जाना था, वह कोलकाता एयरपोर्ट पहुंचा। बोर्डिंग प्रक्रिया शुरू होने से काफी पहले आगमन पर, वह हवाईअड्डा परिसर के भीतर एक बार में गया और शराब का सेवन किया। हालांकि, परेशानी तब शुरू हुई जब बार अधिकारियों ने घोष को 3,750 रुपए का बिल दिया और वह बिल को चुकाए बिना बार से भागने की कोशिश करने लगा। बार के कर्मचारियों द्वारा रोकने पर युवक ने पैसे देने से मना कर और कर्मचारियों से मारपीट करने लगा। उसने कथित तौर पर कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार किया। जल्द ही हवाईअड्डे की सुरक्षा के लिए नियुक्त सीआईएसएफ कर्मचारी वहां पहुंचे और शुरू में उन्होंने घोष को बिल का भुगतान करने के लिए कहा। हालांकि, जब उसने इससे इनकार कर दिया और बिलों का भुगतान न करने के अजीब कारण बताए, तब उस हिरासत में ले लिया गया और फिर स्थानीय पुलिस को सौंप दिया। चालू सप्ताह के दौरान यह दूसरी बार है जब कोलकाता हवाईअड्डा शराब के नशे में धुत यात्रियों के उपद्रव के कारण चर्चा में आया।

भावनगर के युवक का कनाडा के एक रेस्टोरंट में मिला शव, पिता गुजरात में डीवायएसपी हैं

अहमदाबाद। भावनगर के एक युवक की कनाडा में मौत हो गई है। आयुष डाखरा नामक भावनगर का युवक कनाडा के टोरन्टो शहर स्थित योर्क यूनिवर्सिटी पढ़ाई करता था। गत 5 मई को अचानक युवक के लापता होने पर गुजरात के भावनगर स्थित उसका चिंता पड़ गया था। सात-आठ दिनों के बाद आयुष डाखरा को शव कनाडा के एक रेस्टोरंट से मिलने के बाद परिवार में शोक व्याप्त है। आयुष डाखरा के पिता रमेशभाई डाखरा उत्तरी गुजरात के बनासकांठा जिले के पालनपुर में बतौर पुलिस उपाधीक्षक सेवारत हैं। भावनगर जिले के सिदसर गांव निवासी रमेशभाई डाखरा वर्ष 2001 से 2014 तक गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री और मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सुरक्षा में तैनात थे। रमेशभाई डाखरा पुत्र आयुष डाखरा कक्षा 12 उत्तीर्ण करने के बाद साढ़े चार साल पहले कनाडा में पढ़ाई करने गया था। कनाडा के योर्क यूनिवर्सिटी का छात्र गत 5 मई को लापता हो गया था और इसकी जानकारी उसके मित्रों ने डाखरा परिवार को दी थी। दोस्तों ने आयुष के लापता होने की शिकायत भी कनाडा पुलिस में की थी। एक सप्ताह बाद आयुष का शव कनाडा के एक रेस्टोरंट से बरामद हुआ है। गौरतलब है कि इससे पहले गत अप्रैल महीने में भी इसी योर्क यूनिवर्सिटी में पढाई कर रहे गुजरात के अहमदाबाद के हर्ष पटेल नामक युवक भी लापता हो गया था और बाद में टोरंटो से ही उसका शव बरामद हुआ था। अहमदाबाद का 26 वर्षीय हर्ष पटेल का शव 19 अप्रैल को मिला था और उसके दो दिन पहले ही वह लापता हुआ था। हर्ष पटेल की मौत के कारणों पर अब भी पर्दा पड़ा हुआ है। हर्ष का पासपोर्ट, क्रेडिट कार्ड समेत अन्य दस्तावेज भी लापता थे। कनाडा पुलिस अब तक हर्ष पटेल की मौत के मामले की जांच कर रही है।

पाकिस्तान में जेल से 198 भारतीय मछुआरे रिहा, अवैध रूप से मछली पकड़ने का लगा था आरोप

कराची। पाकिस्तानी जलक्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में कराची की एक जेल में बंद 198 भारतीय मछुआरों को पाकिस्तानी प्राधिकारियों ने रिहा कर दिया और उन्हें वाघा सीमा पर भारतीय अधिकारियों को सौंप दिया। मछुआरों को बृहस्पतिवार शाम में कराची की मलीर जेल से रिहा किया गया। मलीर जेल अधीक्षक नजीर तुनियो ने बताया कि उन्होंने जेल में बंद भारतीय मछुआरों के पहले जत्थे को रिहा कर दिया है तथा मछुआरों के दो अन्य जत्थों को जून और जुलाई में रिहा किया जाएगा। उन्होंने कहा, हमने जेल में बंद 198 मछुआरों को बृहस्पतिवार को रिहा कर दिया जबकि 200 और 100 मछुआरों को बाद में रिहा किया जाएगा। तुनियो ने कहा कि मलीर जेल से बृहस्पतिवार को 200 भारतीय मछुआरों को रिहा किया जाना था लेकिन उनमें से दो मछुआरों की बीमारी के कारण मौत हो गई।

उद्धव ठाकर को अब आक्रामक रुख अपनाना चाहिए : प्रकाश आंबेडकर

अकोला। वंचित बहुजन आघाड़ी के नेता प्रकाश आंबेडकर ने कहा कि उद्धव ठाकरे को उच्चतम न्यायालय के फैसले के मद्देनजर आक्रामक रुख अपनाना चाहिए। आंबेडकर ने उच्चतम न्यायालय के फैसले के एक दिन बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि अदालत ने महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष को एकनाथ शिंदे समूह के 16 विधायकों के खिलाफ लंबित अयोग्यता नोटिस पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि शिवसेना के ठाकरे गुट को अदालत के फैसले से 'बड़ा हथियार' मिल गया है और उद्धव ठाकरे को अब आक्रामक रुख अपनाना चाहिए। आंबेडकर ने कहा कि ठाकरे को इस बात पर जोर देना चाहिए कि अध्यक्ष अगले महीने अयोग्यता के मुद्दे को सुलझाएं।

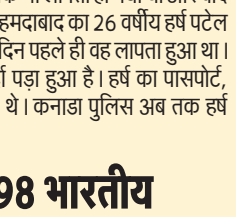

जब राष्ट्र कानूनी दायित्वों की अवहेलना करता है तो भरोसे को भारी नुकसान पहुंचता है: जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन पर परोक्ष हमला बोलते हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि जब राष्ट्र कानूनी दायित्वों की अवहेलना या लंबे समय से चले आ रहे समझौतों का उल्लंघन करते हैं, तो भरोसे को भारी नुकसान पहुंचता है। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में आयोजित हिंद महासागर सम्मेलन के छठे संस्करण को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण साझा चिंता गैर-व्यवहार्य परियोजनाओं द्वारा उत्पन्न ऋण है। उन्होंने कहा कि स्थिर अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था बनाने के लिए कानून व मानदंडों का पालन करना और नियमों का सम्मान करना एक महत्वपूर्ण प्राकृतिक पहलू है। उन्होंने कहा ?कि इसलिए यह आवश्यक है कि हम सभी अपने हितों के सामरिक दृष्टिकोण के बजाय अपने सहयोग के मद्देनजर दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाएं। भारत पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीन द्वारा बड़ी संख्या में सैनिकों की तैनाती और उसके आक्रामक व्यवहार की आलोचना करता रहा है, जो सीमा संबंधी समझौते का उल्लंघन है। पिछले दो दशकों के कुछ सबक हैं, जिन्हें हम अपने जोखिम पर अनदेखा करते हैं। यदि हम ऐसे अपारदर्शी ऋण और महंगी परियोजनाओं को प्रोत्साहित करते हैं, तो हमें पहले या बाद में इसका

नुकसान उठाना होगा। सुचारू और प्रभावी संपर्क के महत्व पर प्रकाश डालते हुए जयशंकर ने कहा कि देशों को संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने की आवश्यकता है। गौरतलब है कि भारत 60 अरब डॉलर के चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे का विरोध करता रहा है क्योंकि यह पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से होकर गुजरता है, जिससे चीन को पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में ग्वादर बंदरगाह के माध्यम से अरब सागर तक पहुंच मिलती है।

कांग्रेस की बढ़त पर अखिलेश का बयान, भाजपा का अंतकाल शुरू

लखनऊ। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी की बढ़त पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि भाजपा की नकारात्मक, सांप्रदायिक, भ्रष्टाचारी, सामाजिक-बंटवारे, झूठे प्रचारवाली, व्यक्तिवादी राजनीति का अंतकाल शुरू हो गया है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने शनिवार को ट्वीट कर कहा कर्नाटक का संदेश ये है कि भाजपा की नकारात्मक, सांप्रदायिक, भ्रष्टाचारी, अमीरोन्मुखी, महिला-युवा विरोधी, सामाजिक-बंटवारे, झूठे प्रचारवाली, व्यक्तिवादी राजनीति का अंतकाल शुरू हो गया है। ये नये सकारात्मक भारत का महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार एवं वैमनस्य के खिलाफ सख्त जनादेश है। हालांकि सपा मुखिया अखिलेश यूपी निकाय चुनाव में मिली हार पर खामोश रहे। गौरतलब है कि 17 मेयर सीटों में से 16 पर भाजपा बढ़त दर्ज कर रही है। वहीं एक सीट पर कांटे की लड़ाई है। गौरतलब हो कि कर्नाटक में मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस शनिवार को जारी मतगणना के रुझानों के अनुसार 113 के आंकड़े को पार करते हुए राज्य में अपने दम पर सरकार बनाती नजर आ रही है।

मोदी ने झोंक डाली थी पूरी ताकत, फिर भी हाथ से निकल गया कर्नाटक

- बीजेपी की कर्नाटक में हार से उसके मिशन साउथ को जोरदार झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक विधान सभा चुनाव के नतीजे सामने आ गए हैं और इस चुनाव में बीजेपी को हार का सामना करना पड़ा है। कांग्रेस इस राज्य में पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। चुनाव से पहले बीजेपी और कांग्रेस के बीच जमकर वार-पलटवार देखने को मिला था। शनिवार कर्नाटक के जो नतीजे सामने आए हैं उसको सिर्फ एक राज्य के चुनाव से जोड़कर देखा जाएगा ऐसा नहीं है। कांग्रेस और बीजेपी दोनों के लिए इस राज्य का चुनाव काफी अहम था। 2024 लोकसभा चुनाव से पहले इस राज्य में किसकी सरकार बनेगी इसको लेकर काफी चर्चा थी। खासकर बीजेपी के लिए।

बीजेपी की कर्नाटक में हार से उसके मिशन साउथ को जोरदार झटका लगा है। दक्षिण में बीजेपी की सिर्फ इसी राज्य में सरकार थी और इस हार के बाद वह एक राज्य भी उसके हाथ से निकल गया। इसी साल तेलंगाना में चुनाव है और बीजेपी इस चुनाव की तैयारी लंबे वक्त से कर रही है, लेकिन कर्नाटक की हार के बाद उसकी चुनौती और बढ़ गई है। कर्नाटक चुनाव नतीजों का मिशन साउथ पर आखिर कैसे असर पड़ेगा।

बीजेपी को लेकर विपक्षी दल निशाना साधते हुए यह सवाल पूछते हैं कि दक्षिण में उसकी उपस्थिति कितनी है। देश के कई राज्यों में बीजेपी की सरकार है, लेकिन उसका विजय रथ दक्षिण में आकर रुक जाता है। कर्नाटक वह राज्य था, जहां से बीजेपी जीतकर एक साथ कई संदेश दे सकती थी। कर्नाटक हार के साथ ही एक राज्य दक्षिण में जो बीजेपी के पास था, वह भी चला गया। कर्नाटक वह राज्य था जिसको जीतकर बीजेपी पूरे दमखम के साथ तेलंगाना चुनाव के लिए मैदान में उतरती।

तेलंगाना में इस बार मुकाबला बीजेपी और केसीआर की पार्टी बीआरएस के बीच देखा जा रहा था, लेकिन कर्नाटक में कांग्रेस की जीत के बाद शायद ऐसा नहीं होगा। इसकी एक झलक कर्नाटक चुनाव के दौरान ही कांग्रेस की ओर से प्रियंका गांधी ने दे दिया था। इस साल 4 राज्यों में चुनाव होने वाले हैं और बीजेपी की कर्नाटक हार के बाद विपक्षी दलों खासकर कांग्रेस को निशाना साधने का मौका मिल गया है।

तेलंगाना में इसी साल चुनाव है और अब तक चर्चा केसीआर की पार्टी बीआरएस और बीजेपी की हो रही थी, लेकिन कर्नाटक चुनाव के बाद कांग्रेस मजबूती के साथ तेलंगाना के चुनाव में जाएगी। इसकी एक झलक कर्नाटक चुनाव के दौरान ही देखने को मिल गई थी। कर्नाटक में जिस दिन प्रचार का आखिरी दिन था उसी दिन प्रियंका गांधी तेलंगाना में शाम को एक रैली की। प्रियंका गांधी ने इस दौरान युवाओं की रैली को संबोधित करते हुए केसीआर पर जोरदार हमला बोला। प्रियंका गांधी ने कहा कि बीआरएस की सरकार ने प्रदेश को अपनी जागीर और खुद को जागीरदार समझ लिया है। उन्होंने कहा कि जिन उम्मीदों और सपनों के साथ तेलंगाना की स्थापना हुई थी वो पूरे नहीं हो सके। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी इसी रैली में अपनी दादी इंदिरा गांधी का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जब उन्हें लोग नई इंदिरा अम्मा कहते हैं तो वह उसे बहुत गंभीरता से लेती हैं। यह उन्हें उनकी जिम्मेदारियों का एहसास कराता है। प्रियंका गांधी की इस रैली से एक बात तो क्लियर हो गई कि कांग्रेस तेलंगाना चुनाव को भी हल्के में नहीं लेने वाली।

दक्षिण के राज्यों में लोकसभा की करीब 129 सीटें हैं और इनमें से बीजेपी के पास महज 29 सीटें ही हैं। इन 29 सीटों में 25 सीटें अकेले कर्नाटक से हैं, जहां बीजेपी की विधानसभा में हार हो गई है। बीजेपी की नजर दक्षिणी राज्यों की 129 संसदीय सीटों में अधिक से अधिक सेंध लगाने पर टिकी है। बीजेपी की नजर इस बार दक्षिण में सिर्फ कर्नाटक और तेलंगाना पर ही नहीं है। बीजेपी दक्षिण के दूसरे राज्यों को लेकर भी रणनीति बनाने में जुटी है। कर्नाटक के चुनाव को लेकर यह माना जा रहा था कि बीजेपी के लिए इस बात का संकेत मिल जाएगा कि दक्षिण में कमल के खिलने के लिए माहौल अनुकूल है या नहीं। कर्नाटक में हार के बाद अब वह दूसरा राज्य तेलंगाना होगा, जहां बीजेपी के प्रदर्शन पर काफी कुछ निर्भर करेगा।

कर्नाटक की जीत में 'भारत जोड़ो यात्रा' का अहम योगदान मानती है कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव में अपनी जीत सुनिश्चित होने के बाद शनिवार को इस सफलता का एक बड़ा श्रेय 'भारत जोड़ो यात्रा' को दिया और कहा कि 'भारत जोड़ो यात्रा बनाम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी' के विमर्श में राहुल गांधी द्वारा निकाली गई पदयात्रा ही 'स्पष्ट विजेता' साबित हुई है। पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं का यह भी मानना है कि इस यात्रा ने कर्नाटक में कांग्रेस के लिए 'संजीवनी' का काम किया और कार्यकर्ताओं में नया जोश पैदा किया, जो चुनावी जीत में मददगार रही। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, ''भारत जोड़ो यात्रा कांग्रेस के संगठन के लिए संजीवनी रही।

इस यात्रा से पार्टी संगठन और एकजुटता को ताकत मिली तथा कार्यकर्ताओं में नया जोश पैदा हुआ।'' पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा का कहना है कि राहुल गांधी के नेतृत्व में निकाली गई पदयात्रा के विमर्श ने प्रधानमंत्री मोदी से जुड़े विमर्श को पराजित कर दिया। उन्होंने कहा, ''भारत जोड़ो यात्रा की शुरुआत भारतीय राजनीति में एक विशेष विमर्श के साथ आरंभ हुई, जिसका इंतजार भारत के लोग कर रहे थे। कर्नाटक में 'भारत जोड़ो यात्रा' करीब 22 दिनों तक रही। आपको वो दृश्य याद होगा कि पिछले साल अक्टूबर में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान बहुत बारिश में भी राहुल गांधी का भाषण जारी रहा। मुझे लगता है कि ये दृश्य लोगों के दिमाग में मौजूद रहे।'' उनका कहना है कि 'भारत जोड़ो यात्रा' का संदेश कर्नाटक समेत पूरे देश में गया। खेड़ा ने इस बात पर जोर दिया, ''चुनाव विमर्श की लड़ाई होती है। 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बनाम भारत जोड़ो यात्रा' के विमर्श में 'यात्रा' स्पष्ट विजेता है।'' राहुल गांधी की अगुवाई में कांग्रेस ने पिछले साल सात सितंबर को तमिलनाडु के कन्याकुमारी से 'भारत जोड़ो यात्रा' निकाली थी। यात्रा 30 सितंबर को चामराजनगर जिले से कर्नाटक में दाखिल हुई थी और यह करीब 22 दिनों तक प्रदेश में रही। करीब चार हजार किलोमीटर की पदयात्रा का इस साल 30 जनवरी को श्रीनगर में समापन हुआ था।

मणिपुर में हिंसा के बाद बेघर हुए लोग असम की राजधानी गुवाहाटी में शरण लेने को मजबूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुवाहाटी। मणिपुर में 10 दिन पहले जातीय संघर्ष शुरू होने के बाद जो लोग हिंसा का शिकार होने से बचने के लिए राज्य की राजधानी इंफाल से असम पलायन कर गये थे, उनके जेहन में वे दर्दनाक यादें अब भी हैं। इनमें से कई लोग अपने रिश्तेदारों के साथ रहने के लिए गुवाहाटी आए हैं, जिनका कहना है कि हिंसा के दौरान उनके मकान नष्ट कर दिये गये और उनके पास रहने के लिए अब घर नहीं है। कुछ लोगों ने यह बताया कि हिंसा के दौरान उन्होंने खुद को घरों में कैद कर लिया था।

मणिपुर में बहुसंख्यक मैतेई और कुकी जनजातीय समुदाय के बीच संघर्ष में अब तक 60 लोगों की जान जा चुकी है, हजारों लोग विस्थापित हुए हैं, मकान क्षतिग्रस्त कर दिये गये और उपासना स्थलों को नष्ट कर दिया गया। गीना नाम की एक महिला ने कहा कि वह उन भाग्यशाली लोगों में से हैं, जिन्होंने हिंसाग्रस्त इंफाल से पलायन किया है। उन्होंने बताया कि वह अपने जीवन में दूसरी बार गृह राज्य में हिंसक जातीय संघर्ष की गवाह बनीं हैं।

कान झाओ नाम के एक युवक ने कहा कि वह और परिवार के सदस्य बेघर हो गए हैं। चार लोगों के उनके परिवार को यह नहीं पता कि वापस वे कहां जाएंगे क्योंकि हिंसा के दौरान उनके मकान को आग लगा दी गई थी। मिमी नाम की एक युवती ने कहा कि वह इंफाल में अपने घर लौटने की सोच भी नहीं सकती। उनके पति अभी भी काम के सिलसिले में चुराचांदपुर में हैं,जहां 3 मई को पहली बार हिंसा भड़की थी। वह अपनी बेटियों के साथ यहां आकर गुजर-बसर कर रही हैं। इसी तरह कई अन्य लोगों कई अन्य लोगों के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती अपने बिखरे हुए जीवन को फिर से व्यवस्थित करने और आगे बढ़ने की है।

बिहार की राजधानी पटना पहुंचे बागेश्वर धाम प्रमुख धीरेंद्र शास्त्री

- सांसद मनोज तिवारी ने खुद कार चलाकर शास्त्री को होटल तक पहुंचाया

पटना (एजेंसी)। बागेश्वर धाम के प्रमुख और कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री शनिवार को पटना पहुंचे। शास्त्री के पटना हवाई अड्डा पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया गया। भाजपा के सांसद मनोज तिवारी खुद उनकी कार चलाकर उन्हें होटल तक पहुंचाया। पटना हवाई अड्डा पर सुबह से ही आयोजक और बाबा के समर्थक मौजूद रहे। शास्त्री की आगवानी के लिए भाजपा के सांसद गिरिराज सिंह और रामकृपाल यादव भी मौजूद थे। शास्त्री के आगमन को लेकर पटना में सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम किए गए हैं। पटना पहुंचने के बाद धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि बिहार उनकी आत्मा है। राजनीति से जुड़े एक प्रश्न पर उन्होंने कहा कि राजनीति नहीं केवल हनुमत कथा।

आतंकी विस्फोट की आशंका को लेकर अलर्ट जारी

बागेश्वर धाम के प्रमुख पटना में एक होटल में ठहरे हुए हैं। शनिवार की शाम वे कथास्थल नौबतपुर स्थित तरेत पाली मठ जाएंगे। यहां बड़ी संख्या में बिहार के अलावा विभिन्न राज्यों से लोग उनकी कथा सुनने पहुंचे हैं। शास्त्री के पटना आगमन को लेकर हुए विरोध की राजनीति के कारण उनकी सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। कार्यक्रम स्थल पर भी सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। प्रशासन की ओर से आतंकी या उग्रवादी तत्वों द्वारा विस्फोट की आशंका को लेकर अलर्ट जारी कर दिया गया है। किसी भी व्यक्ति को प्रवचन पंडाल में पहुंचने के लिए तीन स्थानों पर सुरक्षा जांच से गुजरना पड़ेगा। प्रवचन मंच के आगे विशेष रूप से प्रशिक्षित सुरक्षाबलों की टीम को तैनात किया गया है।

135 मजिस्ट्रेट व 600 से अधिक पुलिसकर्मी व्यवस्था में जुटे

पुलिस मुख्यालय की ओर से पूरे कार्यक्रम परिसर में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए सभी मानकों का पालन करने का निर्देश दिया गया है। पटना से लेकर तरेत पाली गांव तक 135 मजिस्ट्रेट और 600 से ज्यादा पुलिसकर्मी लगाए गए हैं। बड़ी संख्या में महिला पुलिसकर्मियों को भी तैनात किया गया है। सुरक्षा के मद्देनजर 150 प्वाइंट बनाए गए हैं। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री पटना में हनुमंत कथा सुनाने पहुंचे हैं। 17 मई तक चलने वाली इस हनुमंत कथा में पंडित धीरेंद्र शास्त्री 15 मई को दिव्य दरबार लगाएंगे। ऐसा अनुमान है कि इस हनुमंत कथा को सुनने के लिए हर रोज 3 लाख लोग आएंगे। शास्त्री शाम 4 बजे से 7 बजे तक हनुमंत कथा सुनाएंगे, उसके बाद भजन संध्या का कार्यक्रम होगा।

सेवा सचिव के तबादले को लेकर दिल्ली सरकार और केन्द्र के बीच तनातनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार तथा केन्द्र के बीच सेवा सचिव के तबादले को लेकर तनातनी चल रही है। यह खींचतान उस समय देखने को मिली जब प्रदेश सरकार ने केन्द्र पर उसके सचिव के स्थानांतरण में बाधा डालने का आरोप लगाया। दो दिन दिन पहले ही उच्चतम न्यायालय ने सर्वसम्मति से फैसला सुनाते हुए कहा था कि लोक व्यवस्था, पुलिस और भूमि जैसे विषयों को छोड़कर अन्य सेवाओं के संबंध में दिल्ली सरकार के पास विधायी तथा शासकीय नियंत्रण है। सूत्रों ने बताया कि दिल्ली सरकार नौकरशाही में बड़े बदलाव के लिए तैयार है, भले ही उसे सेवा विभाग के सचिव के तबादले के फैसले को लागू करने में मुश्किलें आ रही हों। सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) ने उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाते हुए आरोप लगाया है कि सेवा सचिव आशीष मोरे को स्थानांतरित करने के उसके फैसले को केंद्र क्रियान्वित नहीं कर रहा है। प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी.वाई. चंद्रचूड़ ने कहा कि वह अगले सप्ताह मामले की सुनवाई के लिए एक पीठ का गठन करेंगे। दिल्ली सरकार ने एक बयान में दावा किया कि मोरे ने उनकी जगह एक नए अधिकारी (एके सिंह, आईएएस) की नियुक्ति के लिए फाइल पेश करने से 'इनकार' कर दिया है। बयान में कहा गया ?कि फाइल को पेश करने के बजाय, उन्होंने सेवा मामलों के मंत्री के कार्यालय को सूचित किए बिना सचिवालय छोड़ दिया। सूत्रों ने बताया कि मोरे शुक्रवार को आकस्मिक अवकाश पर चले गए।

न्यायालय द्वारा शहर में अधिकारियों के तबादले और तैनाती पर आप सरकार को नियंत्रण दिए जाने के घंटों बाद बृहस्पतिवार को मोरे को उनके पद से हटा दिया गया। सूत्रों ने दावा किया कि मोरे का अभी भी तबादला नहीं किया गया है क्योंकि उन्हें स्थापित प्रक्रिया के खिलाफ पद से हटाने का आदेश दिया गया था। सरकार में एक शीर्ष स्रोत ने दावा किया ?कि भले ही मोरे का तबादला प्रभावी नहीं हुआ है, आप सरकार कई प्रमुख सचिवों और विभागों के प्रमुखों सहित वरिष्ठ अधिकारियों के बड़े पैमाने पर तबादलों के लिए तैयार है। यह तब होगा जब अदालत द्वारा वर्तमान मामले का फैसला किया जाएगा। इस बीच, सचिवालय में मंत्रियों ने अधिकारियों के साथ बैठक की, स्थिति का जायजा लिया और सरकार की लंबित परियोजनाओं और कार्यक्रमों पर चर्चा की। अधिकारियों ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी सचिवालय पहुंचे।

दिल्ली सरकार ने अपने बयान में कहा कि बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल शुरू करने के लिए, सेवा मंत्री सौरभ भारद्वाज ने मोरे को

सेवा विभाग के सचिव के पद पर एक नए अधिकारी की तैनाती के लिए एक फाइल पेश करने का निर्देश दिया। इसमें कहा गया, ''परेशान करने वाली बात यह है कि, संभवतः केंद्र सरकार के प्रभाव में, सेवा विभाग के विशेष सचिव ने सेवा मामलों के मंत्री भारद्वाज को एक पत्र भेजा, जिसमें यह संकेत दिया गया कि गृह मंत्रालय (एमएचए) अधिसूचना दिनांक 21 मई, 2015, अभी तक दरकिनार नहीं की गई है। मोरे की तरफ से सेवा सचिव के पद पर नए अधिकारी की नियुक्ति के लिये कोई फाइल आगे नहीं बढ़ाई गई।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मदर्स डे पर विशेष

घर की पाठशाला की पहली गुरु

मां को गुरु दर्जा यों ही नहीं मिला। बच्चों को अनुशासन का पहला पाठ वही तो पढ़ाती है। नवजात के जन्म से लेकर नर्सरी में जाने तक मां वस्तुतः एक आदर्श पुरुष या नारी को ही तैयार कर रही होती है। अक्षर ज्ञान से लेकर रंगों का ज्ञान, प्रकृति से रूबरू कराने से लेकर अपने आसपास के बारे में इस तरह बताती-सिखाती चलती है कि बच्चा जब घुटनों के बल खड़ा होता है या दौड़ता है तो वह अपनी मां की नसीहतों को अवचेतन में रखता है। नसीहत देने की आदत मांओं की पुरानी आदत रही है। अब इसमें भी बदलाव आया है। हालांकि बेटियां आज भी अपनी मां से सलाह लिए बिना कभी कोई कदम नहीं उठाती। मगर बेटे अब बदल रहे हैं।

अपने बच्चों को हमेशा पलकों की छांव में रखने वाली मां आज भी यही चाहती है कि उसके बच्चों पर किसी बुरे व्यक्ति का साया न पड़े। उसे अपने आंचल में छुपा कर रखती है। बच्चों को अच्छे-बुरे का पहला ज्ञान तो वही देती है।

बच्चों की आकांक्षाओं को

उड़ान देती सुपर मॉम

बदल रही है मां की भूमिका

बच्चों को अपने आंचल से बांधे रखने का दौर अब खत्म हो चुका है। ज्यादातर आधुनिक मांएं इस बात को समझ चुकी हैं कि नसीहत देने से अच्छा है कि बच्चों की वे मार्गदर्शक बनें। वे अपने बेटे-बेटियों को ज्ञान के पंख देकर उन्हें उड़ान भरने देना चाहती हैं। कामकाजी ही नहीं, घरेलू महिलाएं भी बच्चों के कॅरियर की चिंता करती हैं। बच्चे पांचवी क्लास पार करते हैं तो उन्हें मांएं कुछ बनने की प्रेरणा देना शुरू कर देती हैं।

माताओं में बढ़ता आत्मविश्वास

कम पढ़ी-लिखी मांओ में भी इन दिनों गजब का आत्मविश्वास देखा जा सकता है। वे हर हाल में बच्चों को पढ़ाना चाहती हैं। खुद नहीं पढ़ा सकतीं तो ट्यूटर रख लेती हैं। कभी-कभार स्कूल जाकर बच्चे की प्रगति रिपोर्ट भी ले लेती हैं। परवरिश में कोई कसर नहीं छोड़ती। पिता बेशक सुबह बिस्तर पर सोया रहे। मगर यह मां ही है, जो बच्चे को उठाकर स्कूल के लिए तैयार करती हैं। उनका बस्ता ठीक करने से लेकर लंच बाक्स तक तैयार करती हैं। यहीं नहीं उन्हें स्कूल वैन तक में बैठाती हैं। कुछ मांएं तो स्कूल तक छोड़ने जाती हैं। चाहे वे रिक्शे पर ले जाएं या फिर अपनी कार में। बच्चों की बेहतर परवरिश के लिए कई मांओ ने अपने कॅरियर तक की परवाह नहीं की। ऐसी कई मिसाल हैं जिनमें महिलाओं ने बच्चों का भविष्य बनाने के लिए अपने भविष्य को दांव पर लगा दिया।

भारतीय माताएं सबसे सजग

दुनिया भर में भारतीय मांएं सबसे सजग हैं। उनमें लगातार बदलाव आ रहा है। अगर कोई महिला कामकाजी नहीं भी है तो भी वह अपने बच्चों के भविष्य के लिए उतनी ही चिंतित हैं। वह उतनी ही व्यस्त हैं जितनी कोई कामकाजी महिला। अगर वह थोड़ी भी पढ़ी लिखी है तो वह अखबारों से न्यूज चैनलों से ज्ञान हासिल कर रही है। यहां तक कि वह इंटरनेट खंगाल कर भी बच्चों के बारे में नई जानकारी हासिल करने के साथ उन्हें नवीनतम सूचनाएं दे रही हैं। वह अब दूसरों से राय नहीं लेतीं, वह सूचना तंत्र से अपनी राय खुद बना रही हैं।

अब दीन-हीन नहीं है मां

एक जमाना था कि पिता ही बच्चों के भविष्य का निर्णय करते थे। अनुशासन का डंडा उन्हीं का चलता था। पिता डाक्टर हो तो वह बच्चों को भी अपने जैसा बनाने की जिद पाल लेता था। और मांएं दरवाजे पर खड़ी सिर पर आंचल डाले चुपचाप सुनती रहती थीं। लेकिन अब ऐसा नहीं है। वह हस्तक्षेप करती हैं, क्योंकि वह बच्चों की क्षमता के बारे में अपने पति से ज्यादा जानती हैं। आखिर नर्सरी से लेकर हायर सेकेंडरी तक बच्चों को तैयार करने में उसकी भी कुछ भूमिका रही है। स्कूल की डायरी पढ़ने से लेकर वह होमवर्क भी तो कराती रही हैं। वह दीन-हीन कैसे हो सकती हैं? उसकी बात भी क्यों नहीं सुनी जानी चाहिए। फिल्म तारे जमीन पर में वह बच्चा मुसीबत में आखिर मां को ही पुकारता है क्योंकि पिता उसकी दित तो समझता नहीं।

सहेली भी दोस्त भी

बच्चों के साथ मां का इतना गहरा रिश्ता होता है कि वह उनके बड़े होने पर बेटी की सहेली या बेटे की दोस्त जैसी हो जाती है। बेटे बताएं या न बताएं मगर बेटियां हर बात मां को बताती हैं क्योंकि उनके जीवन में कोई विश्वसनीय है तो सिर्फ वही। यह एक ऐसा भावनात्मक रिश्ता है जो सिर्फ मां से ही बन पाता है। भारतीय समाज के हर वर्ग में इस रिश्ते की सुगंध को आप महसूस कर सकते हैं। रिश्ते में परम्परा का बोध आज भी है मगर जीवन में आधुनिकता आने के साथ मांएं बच्चों को आंचल में छुपाए रखने की बजाय इस छांव से बाहर निकाल कर जीवन की दौड़ में आगे बढ़ने की प्रेरणा दे रही हैं। इसलिए क्योंकि वह जानती हैं बेटा एक कदम भी बढ़ाएगा तो वह उसके पीछे खड़ी है। अगर गलत दिशा में गया तो भी वह उसे रोक लेगी क्योंकि वह एक सुपर मॉम है।

रिश्ते तो बहुत हैं मां सिर्फ एक है

मां की ममता को किसी परिभाषा में बांधना मुश्किल है। श्रीमती विमलेश श्रीवास्तव कहती है- दुनिया में आने के बाद बच्चा सबसे पहले मां को ही पहचानता है और उसके मुंह से निकलने वाला पहला शब्द मां ही होता है।

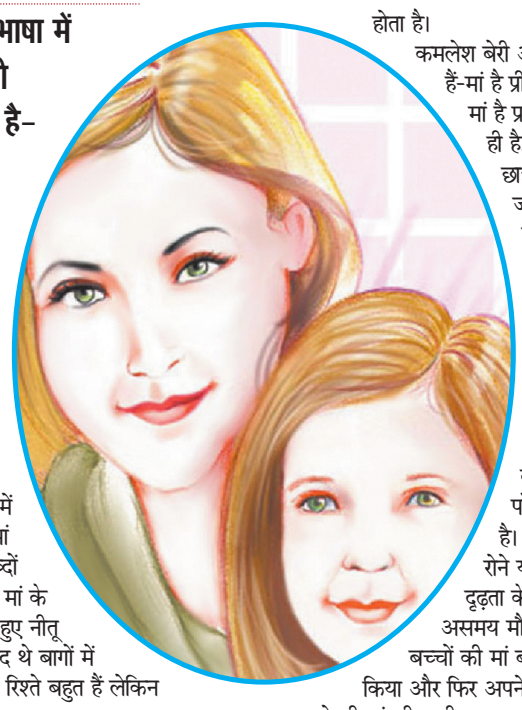

मदर्स डे पर बच्चों की भावनाएं चरम पर होती है। कोई मां के साथ अपने रिश्ते को खूबसूरत कविता के रूप में बयान करता है तो किसी के लिए मां के प्रति प्यार के इजहार के लिए शब्दों की सीमा नाकाफी होती है। अपनी मां के परिश्रम और लगन की गाथा बताते हुए नीतू अग्रवाल भावुक हो उठी। उनके शब्द थे बागों में फूल बहुत हैं लेकिन गुलाब एक है, रिश्ते बहुत हैं लेकिन मां सिर्फ एक है।

प्रेमलता सरीन (योग प्रशिक्षिका) के अनुसार धरती की तरह मां भी अपने जीवन में बच्चों का सुरक्षा कवच बनती है। मां की ममता को किसी परिभाषा में बांधना मुश्किल है। श्रीमती विमलेश श्रीवास्तव कहती है-दुनिया में आने के बाद बच्चा सबसे पहले मां को ही पहचानता है और उसके मुंह से निकलने वाला पहला शब्द मां ही होता है।

कमलेश बेरी अपनी अनुभूति कविताओं में व्यक्त करते हैं-मां है प्रीत, मां है मीत, नेह का सागर मां ही है, मां है प्रकाश, मां है आकाश, जीवन की भोर मां ही है...। कार्मल कान्वेंट स्कूल की नन्ही छात्रा प्रज्ञा मालवीय ने कहा,भगवान हर जगह हमारे साथ नहीं रह सकते इसलिए उन्होंने मांह के रूप में अपनी सबसे प्यारी छवि को हमारे पास भेजा है। ज्योति जोशी भावुक शब्दों में कहती है, मुझे अपनी मां का साथ जिंदगी की कड़ी धूप में शीतल छाया की तरह लगता है। मेरी हर समस्या का इलाज मेरी मां के पास है चाहे अचार डालना हो या कोई पकवान बनाना हो या फिर कोई भी व्यक्तिगत उलझन,मेरी हर परेशानी मां के पास जाकर खत्म हो जाती है। मेरी मां कहती है कि जो भी स्थिति आए रोने या कमजोर होने के बजाए उसका सामना दृढ़ता के साथ करो। आशा साहू बताती है, मैंने असमय मौत का शिकार हुई अपनी जेठानी के बच्चों की मां बनकर सर्वप्रथम मातृत्व को महसूस किया और फिर अपने बच्चों के साथ ही जेठानी के बच्चों को भी मां की कमी महसूस नहीं होने दी। आज मुझे बच्चों व नाती-पोतों के भरे-पूरे परिवार की सदस्य के रूप में गर्व का अहसास होता है। संध्या रामकृष्ण बायवार के शब्द कविता में कुछ यूं ढले- मां की महिमा क्या गाऊं, मां की कहानी क्या सुनाऊं, हे मां तू है महान, तूने हमको जन्म दिया, मिले हर जन्म में तेरी को,मां तुझे सलाम।

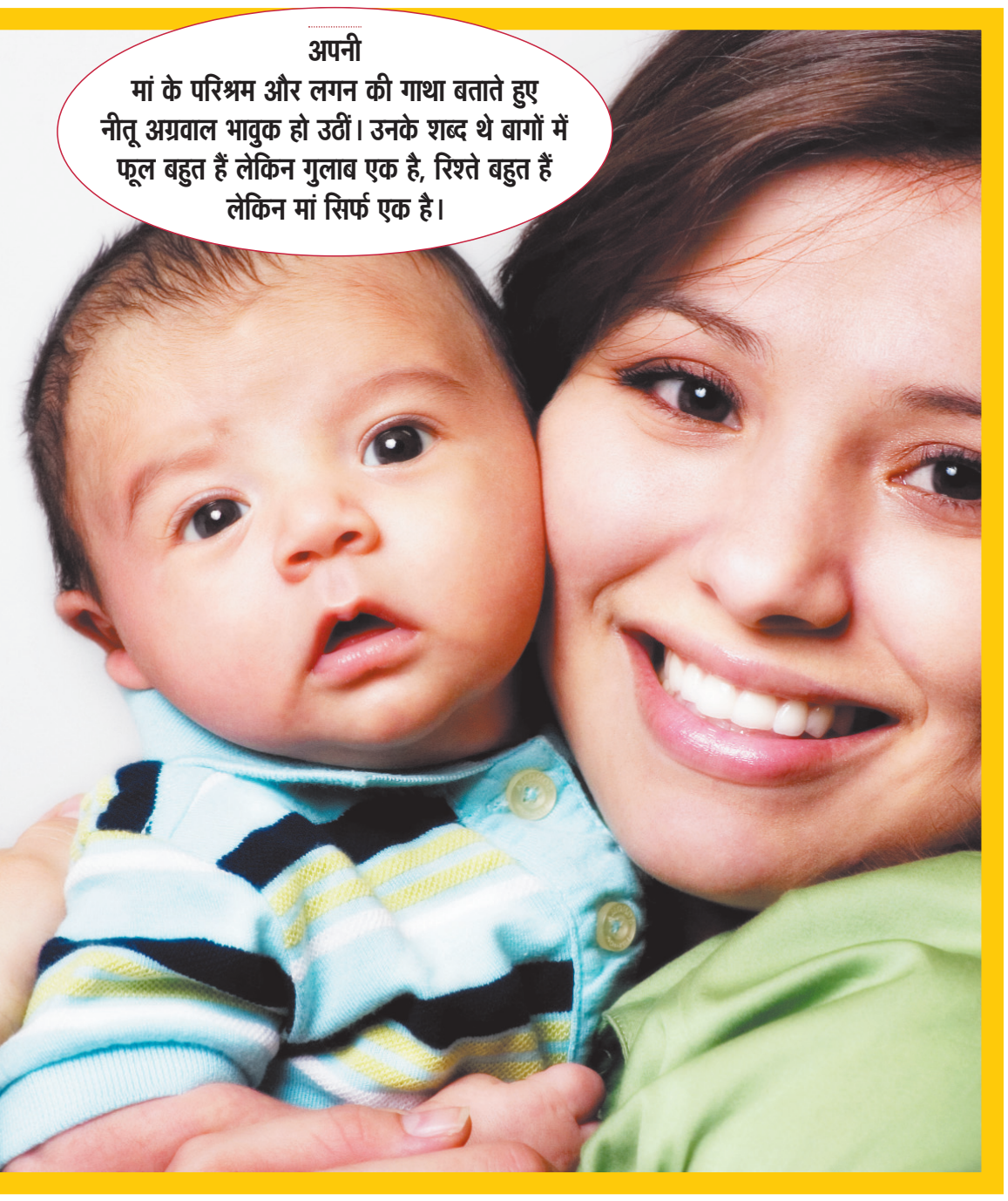

अपनी मां के परिश्रम और लगन की गाथा बताते हुए नीतू अग्रवाल भावुक हो उठीं। उनके शब्द थे बागों में फूल बहुत हैं लेकिन गुलाब एक है, रिश्ते बहुत हैं लेकिन मां सिर्फ एक है।